



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ३७] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर १२, १९८१ (भाद्रपद २१, १९०३)

No 37] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 12, 1981 (BHADRA 21, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अन्य संकलन के हृद में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीभूत, संघ लोक सेवा आयोग, रेज विभाग और इत्यत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 5 अगस्त 1981
सं. ए-35014/1/79-प्रशा. ।।—संघ लोक सेवा आयोग के के. स. से. संवर्ग में स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री योगेन्द्र नाथ को सचिव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 20-7-81 से 19-10-81 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो की पहले हो, तब्दी आधार पर प्रतिनियुक्ति पर अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर उनकी नियुक्ति हो जाने पर श्री योगेन्द्र नाथ का वेतन मध्य समय पर यथा संशोधित वित्त मंत्रालय व्यव विभाग के का. झा. सं. एफ-10(24)-ई।।।, दिनांक 4-5-61 की शर्तों के अनुसार विनियमित होगा।

डॉ. एस. पाहवा
अनुभाग अधिकारी
कृत सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 14 अगस्त 1981

सं. ए. 32013/3/79-प्रशा.-1 (भाग-।।)—संघ लोक सेवा आयोग की समसंस्कृक अधिसूचना दिनांक 18 जून, 1981 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के. स.

1—236GL/81

से. के. स्थायी ग्रेड-1 अधिकारी श्री बी. दास गृष्णा को राष्ट्रपति द्वारा 3-7-1981 से 2-10-1981 तक तीन मास की अवधि अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी कार्यालय में तब्दी आधार पर के. स. के चयन ग्रेड में उप सचिव के पद पर स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

य. रा. गांधी
अवर सचिव (प्रशा.)
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110022, दिनांक 21 अगस्त 1981

सं. ओ. बो.-1594/81-स्थापना—राष्ट्रपति श्री डॉ. डी. गृष्णा, मध्य प्रदेश संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी की केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में उनकी प्रतिनियुक्ति पर पुलिस उप-महानिरीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री गृष्णा ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के उप-महानिरीक्षक, श्रीनगर के पद का कार्यभार दिनांक 1-8-1981 के अपराह्न में संभाला।

ए. के. सूरी
सहायक निदेशक (स्थापना)

(10743)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 अगस्त 1981

सं. 10/19/81-प्रशा.-।—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय के उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर तदर्थ आधार पर कार्यरत डा. एच. मजूमदार को उसी कार्यालय में तारीख 20 जलाई, 1981 के पूर्वाह्न से एक वर्ष से अनधिक अवधि के लिए या उब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर 1500-1800 रु. के बेतन-मान में संयुक्त निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. डा. मजूमदार का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति डा. मजूमदार के संयुक्त निदेशक के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करते। तदर्थ तारे पर संयुक्त निदेशक के पद पर उनकी सेवाएँ उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को, नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए, रखद किया जा सकता है।

पी. पंडमनाम
भारत के महापंजीकार

श्रम भंडालय
(श्रम व्यारो)

शिमला-171004, दिनांक 5 सितम्बर 1981

सं. 23/3/81-सी. पी. आई.—जलाई, 1981 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मल्य संघकांक (आधार वर्ष 1960=100) जन, 1981 के स्तर से 8 बंक बढ़ कर 447 (चार सौ सन्तालीस) रहा 1 जलाई 1981 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 543 (पाँच सौ तीनालीस) आता है।

टी. योगानंद
उप निदेशक

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-110002, दिनांक 5 अगस्त 1981

सं. 36/वा. ले. प./75-71—श्री वी. के. शर्मा लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) जोकि सदस्य लेखा-परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, नई दिल्ली में काम करते थे, को 5-5-1981 को सत्य हो गयी।

एम. ए. सोमेश्वर राव
उप निदेशक (वाणिज्यिक)

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा

वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1981

सं. प्रशासन-1/2-1/7/2002-10---निदेशक लेखा परीक्षा, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध, नई दिल्ली, श्री. पी. पी. जेरेथ, अनुभाग अधिकारी (लेखा तथा लेखा परीक्षा) को 840-40-1000-द. रो.-40-1200 रुपयों के

बेतनमान में दिनांक 13-7-81 (अप.) से बनन्ति आधार पर अस्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में पदोन्नत करने के आदेश देते हैं।

जी. आर. सूद
संयुक्त निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 24 जून 1981

सं. प्रशासन-1/2(1)/7/1413-19---निदेशक लेखा परीक्षा, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध, नई दिल्ली निम्न अनुभाग अधिकारियों को उनके नाम के आगे दर्शाई गई तिथि से 840-40-1000-द. रो.-40-1200 रुपयों के बेतनमान में अनन्ति आधार पर अस्थाई लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में पदोन्नत करने के आदेश देते हैं।

नाम और पदोन्नत होने की तिथि

श्री ओ. पी. मठे—30-4-1981 (अप)
श्री के डी. शर्मा—9-6-1981 (अप)

ग. र. सूद
संयुक्त निदेशक (प्र.)

महालेखाकार का कार्यालय

तिरस्वनन्तपूरम, दिनांक 12 अगस्त 1981

सं. स्थापना/प्र./7/9-86/खण्ड 2/154—श्री एस चेल्लप्पन, लेखा अधिकारी की मल नियुक्ति की तारीख को 1-4-79 में पूर्वीतांकित करने के लिए महालेखाकार केरल, संतृष्ट हैं हैं।

नीचे बताये स्थानापन्न लेखा अधिकारियों (लेखा और लेखा-परीक्षा) को प्रत्येक के नाम के सामने लिखित तारीख से रु. 840-40-1000-द. रो.-40-1200 के लेखा अधिकारियों को श्रेष्ठ में मौलिक क्षमता में नियुक्त करने के लिए भी महालेखाकार, केरल संतृष्ट हैं हैं।

1. श्री पी. यू. शर्मा—1-6-79
2. श्रीमती काथलोन एमेक—1-11-79
3. श्री टी. एल. वरकी—1-1-81
4. श्री टी. चेल्लप्पन नायर—10-1-81
5. श्री सी. जे. जोर्ज—1-3-81
6. श्री एम. जे. मातृ—1-5-81
7. श्री पी. लक्ष्मीनारायण शर्मा—1-6-81

डी. शिवरामकृष्णन
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा भंडालय

आर्डनैन्स फैक्टरी बोर्ड

डी.जी.ओ.एफ. मर्यालय सिविल सेवा

कलकत्ता-700060, दिनांक 19 अगस्त 1981

सं. 16/81/ए/झ-1(गज्जी)—डी. जी. ओ. एफ. महोदय, श्री थोगेन्द्र नाथ गोस्वामी, महायक स्टाफ अफरम (तदर्थ) को तारीख 14-7-81 से आगामी आदेश न होने तक, वर्तमान गिरित में स्थानापन्न महायक स्टाफ अफरम के पद पर वरिष्ठता पर दिसा प्रभाती हाए प्रोन्नत करते हैं।

श्री गोस्वामी अपनी प्रोन्नति वो तारीख में आगामी दो वर्षों तक परखा-विधि पर रहते।

डी. पी. चक्रवर्ती
ए. डी. जी. ओ. एफ./प्रशासन
कृते महानिदेशक, आर्डनैन्स फैक्टरियों

वाणिज्य मंत्रालय

मूल्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1981

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

स. 6/1135/76-प्रश्ना (राज.) 4737--राष्ट्रपति, भारतीय सांख्यिकी सेवा के वर्ग-2 के अधिकारी और इस कार्यालय में सांख्यिकी निदर्शक के पद पर कार्य कर रहे श्री आर. सदासिवन को 31 जूलाई, 1981 से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति प्रदान करते हैं।

ए. एन. कौल
उप-मूल्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात
कूट मूल्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (नघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 अगस्त 1981

स. ए-19018/554/81-प्रश्ना (राज.)—विकास आयुक्त (नघु उद्योग), वेतन एवं लेखा कार्यालय (नघु उद्योग), नई दिल्ली के कठिनालय लेखा अधिकारी श्री एस. के. गोड़ को दिनांक 26 जून, 1981 (पूर्वाह्न) से अपने कार्यालय में दिनांक 20 जून, 1981 से 7 अक्टूबर, 1981 तक की अवधि के लिए लेखा अधिकारी के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 अगस्त 1981

स. ए-19018/521/81-प्रशासन (राजपत्रि)—राष्ट्रपति जी, श्री अररथिन्द एस. माधविकर को दिनांक 17 जून, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक लघु उद्योग सेवा संस्थान, बम्बई में सहायक निदर्शक, ग्रेड-1 (वैद्युत) पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 24 अगस्त 1981

सं. 12(760)/72-प्रश्ना (राज.)—राष्ट्रपति जी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, नई दिल्ली के सहायक निदर्शक, ग्रेड-1 (यांत्रिक) श्री गुरु स्वामी को दिनांक 7 जूलाई, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, नई दिल्ली में उप निदर्शक (यांत्रिक) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं. ए-19018/269/77-प्रश्ना (राज.)—निवर्तन की आयु पूरी कर लेने पर श्री आर. एस. सूरी ने दिनांक 30 जून, 1981 (अपराह्न) से विकास आयुक्त (नघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय के अन्भाग अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं. ए-19018(504)/80-प्रश्ना (राज.)—निवर्तन की आयु पूरी होने पर, श्री जे. पी. ग्रन्टा ने दिनांक 31 जूलाई, 1981 (अपराह्न) से विकास आयुक्त (नघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय के अन्भाग अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं. ए-19018/523/81-प्रश्ना (राज.)—राष्ट्रपति जी, श्री एस. रामाचन्द्रन को दिनांक 24 जूलाई, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, उत्पादन केन्द्र निदर्शक, एटट-मनुर में सहायक निदर्शक, ग्रेड-1 (वैद्युत) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सी. सी. राय
उप निदर्शक (प्रशासन)

नागरिक पूर्ति मंत्रालय

वनस्पति, वनस्पति तले तथा वसा निदर्शक

नई दिल्ली-19, दिनांक 11 अगस्त 1981

सं. ए-11013/1/79-स्थापना—इस निदर्शक की 18 फरवरी, 1981 की इसी संस्था की अधिसूचना के क्रम में नागरिक पूर्ति मंत्रालय में स्थानापन्न वरिष्ठ हिन्दू अनुवादक श्री पी. एस. रावत की वनस्पति, वनस्पति तले तथा वसा निदर्शक में 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 रूपये के वेतनमान में हिन्दू अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति को पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर 1 सितम्बर, 1981 (पूर्वाह्न) से 31 दिसम्बर, 1981 तक जथवा नियमित पदधारी की नियुक्ति तक, जो भी पहले हो, जारी रखा गया है।

पी. एस. घीमा
मूल्य निदर्शक

पूर्ति तथा निपटान महानिदर्शक

(प्रशासन अन्भाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 13 अगस्त 1981

सं. प्र 1/1(906)—निदर्शक पूर्ति (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में स्थायी अधीक्षक तथा स्थानापन्न सहायक निदर्शक पूर्ति (ग्रेड 1) श्री वी. एस. कश्यप निवृत्तमान आयु होने पर दिनांक 31-7-81 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

एस. एल. कपूर
उप निदर्शक (प्रशासन)
कूट महानिदर्शक, पूर्ति तथा निपटान

(खान विभाग)

इस्पात और स्थान मंत्रालय

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 11 अगस्त 1981

सं. 4656बी/ए-19012 (के. वी. के.)/80-19बी.—श्री के. वी. कुलाथ को सहायक रसायनक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 रु. के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 30-6-1981 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं. 4667बी/ए-19012 (एच. एम.)/80-19ए.—श्री हिरण्यमय मिश्रा को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु. प्रतिमाह के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द. रो. -35-880-40-1000-द. रो. -40-1200 रु. के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 8 जून, 81 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 19 अगस्त 1981

सं. 4928 बी./ए-1912 (3-पी. के. एस.)/80-19-बी.—श्री पी. के. जैन को सहायक रक्षायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु. प्रतिमाह के न्यूनतम वेतन पर 650-30-740-35-810-द. रो. -35-880-40-1000-द. रो. -40-1200 रु. के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 2-6-1981 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

वी. एस. कृष्णस्वामी
महा निवेशक

भारतीय खान व्यूरो

नागपूर, दिनांक 14 अगस्त 1981

सं. ए-19012(144)/81-स्थापना ए—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री डॉ. पी. गुप्ता, स्थायी वरिष्ठ सकनीकी सहायक (संतुल्यकी) की स्थानापन्न रूप में खनिज अधिकारी (संतुल्यकी) पद पर भारतीय खान व्यूरो में दिनांक 4 जून, 1981 के पूर्वाह्न से पदोन्नति की जाती है।

दिनांक 17 अगस्त 1981

सं. ए-19011(292)/81-स्थापना ए—संघ लोक सेवा आयोग, की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री एम. ब्रह्मानन्दन, स्थानापन्न वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूवैज्ञान) को दिनांक 28-7-81 के पूर्वाह्न से भारतीय खान व्यूरो में सहायक खनिज अर्थशास्त्री (आसूचना) के पद पर स्थानापन्न रूप में सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं. ए-19011(293)/81-स्थापना ए—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री के. ए. कृष्णा प्रसाद, स्थानापन्न वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूवैज्ञान) को दिनांक 25-7-81 के अपराह्न से भारतीय खान व्यूरो में सहायक खनिज अर्थशास्त्री (आसूचना) के पद पर स्थानापन्न रूप में सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

दिनांक 20 अगस्त 1981

सं. ए-19011(294)/81-स्थापना ए—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, श्री ए. एस. भालेराव, स्थानापन्न सहायक खनिज इंजीनियर (वर्ग "ब" पोस्ट) को दिनांक 27 जूलाई, 1981 के पूर्वाह्न से भारतीय खान व्यूरो में सहायक खनिज अर्थशास्त्री (आसूचना) (वर्ग "अ" पोस्ट) के पद पर स्थानापन्न रूप में सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

एस. वी. अली
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय खान व्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 14 अगस्त 1981

सं. ई० 1-5758/594-मैनेजर—निम्नलिखित अधिकारी, भारतीय सर्वेक्षण विभाग में सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप "बी" (राजपत्रित) के अधीन सहायक प्रबन्धक (मानचित्र पुनरुत्पादन) के अस्थाई पदों पर स्थानापन्न रूप में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के संशोधित वेतनमान में उनके नाम के सामने दी गई तारीख के पूर्वाह्न में नियुक्त किए जाते हैं:—

क्रम सं.	नाम	जिस तारीख से नियुक्त किया गया	टिप्पणी
1	2	3	4
1.	श्री सुजीत राय	1-7-81	वेतन नियमानुसार निर्धारित किया जाएगा।
2.	श्री रंजन मुहास चौधरी	15-5-81	इस पद के लिए निर्धारित वेतनमान के न्यूनतम में वेतन निश्चित किया जाएगा।
3.	श्री दलीप सिंह रावत	20-4-81	वेतन नियमानुसार निर्धारित किया जाएगा।
4.	श्री वैद्यनाथ बोसाल	6-5-81	" "
5.	श्री विभूति भूषण माजी	16-4-81	" "
6.	श्री हर्ष पति	28-5-81	" "

के० एल० खोसला
ले० जनरल
भारत के महा सवक्षक

राष्ट्रीय अधिकारी

नई दिल्ली-1, दिनांक 12 अगस्त 1981

स० का० 12-2(ए)/81-स्थापना—अधिकारी अधिकारी, भारत सरकार एवं द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को पुरालेखा अधिकारी (सामान्य) को नियमित अस्थायी आधार पर उनके नाम के आगे दी गई तारीख में तथा अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	वर्तमान पद नाम	नियुक्ति की तारीख
1	श्री वी० सी० मेन	सहायक पुरालेखाधिकारी ग्रेड-1 (सामान्य) तथा स्थानापन्न पुरालेखाधिकारी तदर्थे आधार पर	31-7-81
2.	कु० गुलिस्तान कपाड़िया	—तदेव—	—तदेव—
3.	श्री पी० आनन्दराज (अनुसूचित जाति) आरक्षित रिक्ति पर	सहायक पुरालेखा अधिकारी ग्रेड-1 (सामान्य)	12-8-81 (पूर्वाह्न)

भीम सैन कालडा
प्रशासन अधिकारी
कुते अधिलेख निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 अगस्त 1981

स. 5(36)/60-एस-एक---निवर्तन की आय प्राप्त करने पर श्रीमती सी. वी अन्धार, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, नागपुर 30 जून, 1981 को पूर्वाह्न से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हो गई।

हरीश चन्द्र जयाल
प्रशासन उपनिदेशक
कुते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय (फिल्म प्रभाग)

बम्बई, दिनांक 14 अगस्त 1981

स. अ-12025(11)2/80 सिवन्दी (1)---संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर, मूल्य निर्माता, फिल्म प्रभाग बम्बई श्री एच बसंत राय को फिल्म प्रभाग में दिनांक 25 जूलाई, 1980 (सुबह) से, अधिक आदेश तक कैमरामैन के पद पर नियुक्त किया गया है।

दिनांक 19 अगस्त 1981

सं. ए-12026/4/81-इ०. 1---मूल्य निर्माता, फिल्म प्रभाग ने दिनांक 27 मई 1981 के इसी सत्या की अधिसूचना के सिलसिले में स्थायी अधीक्षक फिल्म प्रभाग बम्बई के श्री के एस. नायर को, श्री एस. एन. मिंह सहायक प्रशासकीय अधिकारी के स्थान पर उनकी प्रशासकीय अधिकारी के पद पर पदोन्नति होने पर स्थानापन्न सहायक प्रशासकीय अधिकारी के पद पर दिनांक 11 जूलाई 1981 को पूर्वाह्न से आगे आदेश जारी होने सक नियुक्त किया है।

एस. एन. मिंह
प्रशासकीय अधिकारी
कुते मूल्य निर्माता

स. प. 19019/63/77-एन.एस.इ०.पी./प्रशा.-1---भारत सरकार गहरे दूसरे के साथ यह घोषणा करती है कि स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के क्षेत्रीय कार्यालय, बगलौर के सहायक निदेशक (कीट विज्ञान) श्री मी. पी. विजयन की 29 मई, 1981 को मर्यादित हो गई है।

स. प. 12025/8/80-एन.आर्ष.सी.डी./प्रशा-1---राष्ट्रपति ने डा के वी चन्द्रशेखर को 21 जूलाई, 1981 (पूर्वाह्न) में आगामी आदेश तक राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में उप सहायक निदेशक (माइक्रोजी) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

स. प. 12026/21/80-(एच. क्यू.) प्रशासन-1---स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में कार्यरत श्री पी. एन. चैन, भीनियर आर्किटेक्चरल असिस्टेंट को इस निदेशालय में 24 जूलाई, 1981 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक असिस्टेंट आर्किटेक्चर के पद पर पूर्णतया तदर्थे आधार पर नियुक्त कर दिया है।

स. प. 31013/7/80-(सी एफ. एल.) प्रशासन-1---राष्ट्रपति ने श्रीमती गायत्री विस्वास को 9 दिसम्बर, 1976 से केन्द्रीय खाद्य प्रयोगशाला, कलकत्ता में वरिष्ठ विशेषक के पद पर स्थायी सैरे पर नियुक्त किया है।

दिनांक 21 अगस्त 1981

स. प. 12025/18/80/एन.आर्ष.सी.डी./प्रशा-1---राष्ट्रपति ने श्री कैशल कूमार को 21 जूलाई, 1981 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में उप सहायक निदेशक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

टी. सी. जैन
उप निदेशक प्रशासन (ओ. एण्ड एम.)

- सिंचाई मंत्रालय
महा प्रबंधक का कार्यालय
फरक्का वांध परियोजना

फरक्का वैरेज, दिनांक 22 अगस्त 1981

सं. ई/पी एफ-11/239/926 (6)---36 बटालियन,
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस इल, बरपटा (आसाम), के निरीक्षक

के प्रतिनिधि कित पर, भारत सरकार, सिंचाई मंत्रालय, फरक्का वांध परियोजना में एक साल की जवाहि को लिए, तदर्थ आधार पर दिनांक 22-6-81 के पूर्वाप्ति से सुरक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है।

आर. वी. रथी वैरेज

महा प्रबंधक

फरक्का वांध परियोजना

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कार्यिक प्रभाग

बम्बई-400 085, दिनांक 4 अगस्त, 1981

सं. पी० ए० ए०/81(6)/81-प्रार-4—निवेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के 'निम्नलिखित अधिकारियों को वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० पद पर उनके नाम के सामने कालम नं० 4 में अंकित तिथि से अधिम आदेशों तक इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं:—

क्रमांक	नाम	स्थानापन्न	नियक्ति		दिनांक
			3	4	
1.	श्री डी० पी० सहा	एस० ए० (सी)	1-2-81 (पूर्वाह्न)		
2.	श्री एम० एम० काबली	—वही—	—वही—		
3.	श्री एस० टी० साठे	फोरमैन	—वही—		
4.	श्री पी० सी० रामचंद्रन	एम० ए० (सी)	9-2-81 (पूर्वाह्न)		
5.	श्री एम० ए० य० खान	फोरमैन	1-2-81 (पूर्वाह्न)		
6.	श्री एस० पी० कुनवार	—वही—	—वही—		
7.	श्री ए० मिश्रा	एस० ए० (सी)	—वही—		
8.	श्री एस० पी० नायक	—वही—	—वही—		
9.	श्री सी० डी० कोलाको	—वही—	—वही—		
10.	श्री छिं० एम० यशोपाली	—वही—	—वही—		
11.	श्री आर० टी० कुलकर्णी	—वही—	—वही—		
12.	श्री जी० एस० देणपांडे	झामैन (सी)	—वही—		
13.	श्री ए० एस० गोखले	एस० ए० (सी)	—वही—		
14.	श्री छिं० के० सहानी	फोरमैन	—वही—		
15.	श्री छिं० छिं० कुलकर्णी	एस० ए० (सी)	—वही—		
16.	श्री के० छिं० कामथ	—वही—	—वही—		
17.	श्री एम० उन्नीकृष्णन	—वही—	—वही—		
18.	श्री एम० बी० सक्सेना	एस० ए० (सी०)	1-2-81 (पूर्वाह्न)		
19.	श्री जी० के० श्रीवास्तव	—वही—	—वही—		
20.	श्रीमती छिं० एस० बंगेरा	—वही—	—वही—		
21.	श्री पी० एन० जुन्नरकर	—वही—	—वही—		
22.	श्री जी० बी० कॉस्टेलीनो	फोरमैन	—वही—		
23.	श्री एम० आर० गोपाल	—वही—	—वही—		
24.	श्री के० सी० कुंजू	एस० ए० (सी)	—वही—		
25.	श्री एस० छिं० जामगांवकर	झामैन (सी)	—वही—		
26.	श्री पी० एस० नाडकर्णी	एस० ए० (सी)	—वही—		
27.	श्री ए० डी० कुलकर्णी	—वही—	—वही—		
28.	श्री देवा प्रसाद हजरा	—वही—	12-2-81 (पूर्वाह्न)		
29.	श्री सुरेन्द्र नाथ	—वही—	1-2-81 (पूर्वाह्न)		
30.	श्री सी० चिन्नेयन	—वही—	—वही—		

ए० शान्ताकुमारा मेनोन
उप स्थापता अधिकारी

परमाणु उत्तरा विभाग

विद्युत परियोजना इच्छीनियती प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 20 जूलाई 1981

सं. पी पी ई/उ/4(702)/77-प्रशासन 9531—इस प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी निपिक तथा स्थानापन सहायक लेखा अधिकारी श्री वी. आर. कल्कटी ने अपना तवादला नेशनल टैक्सटाइल कारपोरेशन (एम. एन.) लिमिटेड, बम्बई (सरकारी क्षेत्र का उपक्रम) में होने पर 6 जूलाई, 1981 के अपराह्न में सहायक लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

वी. वी. थट्टे
प्रशासनिक अधिकारी

नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

बलन्दशहर, दिनांक 17 अगस्त 1981

सं. क. न. प. वि. प./प्रशा/1 (16)/81-एस/9869—नियंत्रक सामान्य तथा रक्षा-लेखा कार्यालय के श्री महेन्द्र कमार सेक्सन अधिकारी (लेखा), जो नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में प्रतिनियुक्त पर सहायक लेखा अधिकारी के पद पर कार्यरत थे, की प्रतिनियुक्त अवधि समाप्त होने के पश्चात उन्होंने अपने पद का कार्यभार दिनांक 30 जूलाई 1981 के अपराह्न में छोड़ दिया तथा अपने पूर्व विभाग के, अपने पूर्व पद पर वापस हो गये।

आर. के. बाली
प्रशासन अधिकारी-111

परमाणु उत्तरा विभाग

क्रय और भंडार निवेशालय

बम्बई-400001, 20 अगस्त 1981

सं. क्रम नि./23/3/79-स्थायना/17040—क्रय और भंडार निवेशालय के निदेशक ने श्री आर्ह. पी. मेनन सहायक भंडार अधिकारी की छाटटी भंजार होने तक श्री कन्जीराकाटा इसाक जार्ज, स्थायी भंजारी को १ ई १००१ (एक हजार) में 20 जून 1981 (अपराह्न) तक के लिये इसी निवेशालय से रुपये 650-30-710-75-810 -दरो-35-880 -40-1000-दरो-

भारत मौसम विज्ञान विभाग
नई दिल्ली-3, दिनांक 22 अगस्त 1981

सं. प्र. 38019/1/स्था०-१—भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित अधिकारी, उनके नामों के सामने दी गई तारीख को निवर्तन की आयु पहुंचने पर सरकारी सेवा से निवृत हो गए।

क्रम सं०	नाम	पद	दिनांक जिसको अधिकारी ने निवर्तन आयु प्राप्त की
1.	श्री पी० राघव राव	सहायक मौसम विज्ञानी	30-6-1981
2.	श्री जे० जे० मिह	सहायक मौसम विज्ञानी	30-6-1981
3.	श्री ई० एस० वी० राव	सहायक मौसम विज्ञानी	31-7-1981
4.	श्री के० एस० वी० राजगोपालन	सहायक मौसम विज्ञानी	31-7-1981

40-1200 के बेतग मान से-तर्थ आधार पर स्थानापन सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त किया है।

के पी. जोसफ,
प्रशासन अधिकारी

(परमाणु स्थनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 17 अगस्त 1981

सं. प्र. प्र-1/06/79-प्रशासन—परमाणु उत्तरा विभाग, परमाणु स्थनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा परमाणु स्थनिज प्रभाग के स्थायी सहायक और स्थानापन हिन्दी अन्वादक श्री सोम नाथ सचदेव को उसी प्रभाग में 1-8-1981 के पूर्वाह्न से अगले बादेश होने तक स्थानापन रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं. प्र. प्र-2/2079/80-प्रशासन—श्री एस० रमेश द्वारा परमाणु उत्तरा विभाग के परमाणु स्थनिज प्रभाग में वैज्ञानिक अधिकारी/एस० बी० के पद में दिया गया त्यागपत्र परमाणु स्थनिज प्रभाग के निदेशक द्वारा 23 फरवरी, 1981 के अपराह्न से स्वीकार कर लिया गया है।

हैदराबाद-500016, दिनांक 19 अगस्त 1981

सं. प्र. प्र-2/2082/80-प्रशासन—श्री रामा मर्ति श्रोधर द्वारा परमाणु उत्तरा विभाग के परमाणु स्थनिज प्रभाग में वैज्ञानिक अधिकारी/एस० बी० के पद से दिया गया त्यागपत्र परमाणु स्थनिज प्रभाग के निदेशक द्वारा 7-1-1981 के पूर्वाह्न से स्वीकार कर लिया गया है।

एम. एस० राव

वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

पर्यटन और नागर विभाग मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1981

सं. प्र. 31013/1/80-दी० ई०—राष्ट्रपति ने श्री वी० एस० गिलबानी को 4-9-78 से मूल रूप में, नागर विभाग का महानिदेशक नियुक्त किया है।

विष्णु भगवान
निदेशक

मं. ए. 38010/1/रथा—भारत मौसम विज्ञान विभाग के श्री एस. एन. त्रिपाठी, स्थानापन्न उप महानिदेशक मौसम विज्ञान, 30-6-1981 को, निवर्तन की आय पहुँचने पर सरकारी सेवा से निवृत हो गये।

के. मुखर्जी
मौसम विज्ञानी (स्थापना)
कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1981

मं. ए. 38013/1/81-इर्णा—विमान क्षेत्र कार्यालय, जहां परिस्थिति, बन्धुइ के कार्यालय के श्री एल. बी. चंद्रवारी, सहायक विमान शोग अधिकारी ने निवर्तन आय प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत होने पर दिनांक 30-6-81 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

मं. ए. 38013/1/81-इर्णा—क्षेत्रीय निदेशक, मद्रास क्षेत्र, भूमास के कार्यालय के श्री सी. बी. लुइस, विमान क्षेत्र अधिकारी ने निवर्तन आय प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत होने पर दिनांक 30-6-81 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

मं. ए. 38013/1/81-इर्णा—क्षेत्रीय निदेशक, मद्रास क्षेत्र, भूमास के कार्यालय के श्री एन. एन. नायर, वरिष्ठ विमान क्षेत्र अधिकारी ने निवर्तन आय प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत होने पर दिनांक 30-6-81 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

मं. ए. 38013/1/81-इर्णा—क्षेत्रीय निदेशक, मद्रास क्षेत्र, मद्रास के कार्यालय के श्री एस. एस. इब्राहीम, विमान क्षेत्र अधिकारी ने निवर्तन आय प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत होने पर दिनांक 30-6-81 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

मं. ए. 38013/1/81-इर्णा—क्षेत्रीय निदेशक, मद्रास क्षेत्र, मद्रास के कार्यालय के श्री जे प्रिन्स, उपनिदेशक ने निवर्तन आय प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत होने पर दिनांक 30-6-81 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

संधाकर ग्रहा
उप निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय

नागपूर, दिनांक 15 जून 1981

मं. 8/81—इस समाहर्ता क्षेत्र के अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क के वर्ग 'स' के सहायक अधीक्षक श्री एस. एन. हिंगवे, दिनांक 31 मई, 1981 से अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत हो गए।

के. एस. विलोपसिंहजी
समाहर्ता

बड़ौदा, दिनांक 13 मई 1981

मं. 6/81—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क बड़ौदा के उप समाहर्ता के अन्तर्गत कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग 'स' के सहायक अधीक्षक श्री एस. एस. गृष्टे वृधावस्था पेशन की आय प्राप्त होने पर दिनांक 30-4-81 के अपराह्न से निवृत हो गये हैं,

के. एस. दिलीपसिंहजी
समाहर्ता

दिनांक 18 अगस्त 1981

मं. 7/81 सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, सूरत मंडल-1 के अधीन कार्यरत केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग 'क' सहायक समाहर्ता श्री एस. एम. भीर वृधावस्था में पेशन की आय प्राप्त होने पर दिनांक 31-7-81 ए. एन. के अपराह्न से निवृत हो गये हैं।

मं. 8/81—सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, बड़ौदा मंडल-1 के अधीन कार्यरत केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग 'स' अधीक्षक श्री एस. एन. बारोट वृधावस्था में पेशन की आय प्राप्त होने पर दिनांक 31-7-81 ए. एन. अपराह्न से निवृत हो गये हैं।

मं. 9/81 समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क बड़ौदा के अधीन कार्यरत केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग 'क' मूल्य लेखा अधिकारी श्री एन. एम. नानावटी वृधावस्था में पेशन की आय प्राप्त होने पर दिनांक 31-7-1981 के अपराह्न से निवृत हो गये हैं।

मं. 10/81—सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, बड़ौदा के अधीन कार्यरत केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग 'क'/'स' अधीक्षक/सहायक समाहर्ता श्री एच. डी. टोकेचन्द्रानी वृधावस्था में पेशन की आय प्राप्त होने पर दिनांक 31-7-81 के अपराह्न से निवृत हो गये हैं।

जे. एस. वर्मा
समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, बड़ौदा

पटना, दिनांक 22 अगस्त 1981

मं. मिंस० 11(7) 2-स्था०/7१/7६८५—इस समाहर्तालय के निम्नलिखित स्थायी/स्थानापन्न अधीक्षक, समूह 'ब' अपनी सेवा की आय पूरी कर उनके नाम के सामने दिखाए गये तारीख अनुसार सेवा निवृत हो।

क्रमांक	पदाधिकारी का नाम	पदनाम	सेवा निवृति की तिथि
1.	श्री एस० मल्लिक	प्रधीक्षक, समूह 'ब'	31-3-81 (अपराह्न)
2.	श्री एस० के० प्रसाद	—बही—	30-4-81 (अपराह्न)

क्रमांक	पदाधिकारी का नाम	पदनाम	सेवा निवृत्ति की तिथि
3.	श्री आर० ए० तिवारी	—वही—	31-5-81 (अपराह्न)
4.	श्री एस० ए० हक	—शही—	30-6-81 (अपराह्न)

कृ० कु० श्रीवास्तव
सहायक समाहर्ता (मुख्यालय)
कृते समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

निरीक्षण व लेखा परीक्षा निदेशालय,

सीमा व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क,

नई दिल्ली ।, दिनांक 18 अगस्त 1981

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, मेरठ के ग्रूप "बी" के अधीक्षक श्री आर० एन० लाल ने, निदेशालय के आदेश सी. सं. 1041/2/81 दिनांक 30-6-1981 द्वारा स्थानान्तरित होने पर, निरीक्षण एवं लेखा निदेशालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के मेरठ स्थित उत्तरी प्रादेशिक यूनिट में दिनांक 25-7-1981 (अपराह्न) को, निरीक्षण-अधिकारी (सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रूप "बी" के पद का कार्यभार संभाल लिया ।

के. जे. रामनू
निरीक्षण निदेशक

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400038, दिनांक 1 अगस्त 1981

"वाणिज्य नौवहन भवन"

सं. 6/5/सी.आर.ए./77:—नौवहन महानिदेशक, बम्बई श्री एच. शिथुंग, सहायक निदेशक, नाविक नियोजन-कार्यालय, कलकत्ता को दिनांक 26-6-81 के पूर्वान्तर से अगले आदेश तक उप नाविकपाल, कलकत्ता के रूप में नियुक्त करते हैं।

के. एस. सिघू

नौवहन उपमहानिदेशक

कृते नौवहन महानिदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 22 अगस्त 1981

सं. ए-1902/749/79-स्थापना-पांच—इस आयोग की अधिसूचना सख्ता ए-32014/1/77-प्रशा. पांच (खण्ड-दो) दिनांक 31-7-78 का अधिकारण करते हैं। विभागीय पदोन्तति समीक्षा की सिफारिश पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अनुमोदन करते हैं कि श्री कैलाश चन्द्र, पर्यावरण को रु. 650-30-740-35-810-द. रो. 35-880-40-2-236 GI/81

1000-द. रो. 40-1200 के वेतनमान में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 30-6-78 से स्थानापन क्षमता में नियमित आधार पर पदोन्तति माना जाए।

2. क्योंकि श्री कैलाश चन्द्र वित्त मंत्रालय के का. शा. सं. एफ-2(10)-ई-111/70 दिनांक 17-10-70 के प्रावधानों के अनुसार चुला जल विद्युत परियोजना में प्रतिनियुक्ति पर थे, इसलिए "आसन कीनष्ठ नियमों" की अनुरूपता पर उनकी पदोन्तति की मानी गई तारीख 30-6-78 निश्चित की गई है।

ए. भट्टाचार्य
बवर सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

उत्तर रेलवे

प्रधान कार्यालय

नवी दिल्ली, दिनांक 21 अगस्त 1981

सं. 25---उत्तर रेलवे के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के स्थानापन दर्जा-II। अधिकारी श्री वाई० टी० रिहानी को 2-11-73 से इस रेलवे के उसी विभाग में दर्जा-II में स्थायी कर दिया गया है।

दिलराज सिंह
महाप्रबन्धक

आय-कर अपील अधिकरण,

बम्बई-400020, दिनांक 20 अगस्त 1981

आदेश

सं. एफ 48-एडी(एटी)/81(1)—श्री नारंजन दास, स्थानापन सहायक अधीक्षक, आयकर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, जिन्हें तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली में दिनांक 17-4-81 से 6-7-81 तक या तबतक जबतक कि उक्त पद हेतु नियमित नहीं हो जाती, जो भी शीघ्रतर हो, स्थानापन रूप से कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गयी थी, दोस्तों इस कार्यालय के दिनांक 9-4-1981 की अधिसूचना सं. एफ 48-एडी(एटी)/80 को दिनांक 16 जून, 1981 (अपराह्न) से उनके मूल पर सहायक अधीक्षक आयकर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली पर प्रत्यावर्तित किया जाता है।

सं. एफ 48-एडी(एटी)/81—श्री नारजन दास, स्थानापन्न सहायक अधीक्षक, आय-कर अपील अधिकरण दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली को तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में आय-कर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली में सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 13 जुलाई, 1981 से 31-12-1981 तक या तब तक जब तक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी शीघ्रतर हो, स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्ति किया जाता है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री नारजन दास को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोइ दावा प्रदान नहीं करती तथा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं उसी श्रेणी में वर्त्यता के अभिप्राय से न तो परिगणित की जायेगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किये जाने की प्रक्रिया ही प्रदान करेंगी।

टी. डी. सुरला
अध्यक्ष

प्रसूत आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री बाबूल रहिम खान।

(अन्तरुक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) दाराभन दे।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, कलकत्ता

कलकत्ता, विनाक 18 अगस्त 1981

निदेश म 938/एक्टी आर-111/81-82—यत्, मृभे,
आई. वी. एस. जुनेजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जस का उच्चत बाजार मूल्य 25,000/-
रु से अधिक है।

और जिसको स 23 और 24 है तथा जो गोविन्द बनर्जी लेन,
कलकत्ता स्थित है (आर इसमें उपावद्ध अनुसूची में और,
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
आलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 20-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से होई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सहिता के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवृण्ठ था, छिपाने में सहिता
के लिए।

23 और 24, गोविन्द बानार्जी लेन, कलकत्ता, 3 के
0 घ-0 वर्षफ्लूट जमीन पर मकान, बलिल सं. 5930।

आई. वी. एस. जुनेजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़ 111, 54,
रफीअहमद किलवाई रोड, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जातः :—

तारीख 18-8-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री पलनिस्वामी और अनतरामकृष्ण

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी. सामियप्पन और नटराजन

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 1981

निदेश सं 11269—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-घ के
अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि
स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक है

और जिसकी सर्वे स. 602/2, 624/2 है, जो कृष्णा
जिन्निङ फेक्टरी नारनापुरम में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी
के कायांलिय, पल्लडीम (डाकूमेट सं 1941/80) में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
दिसंबर 80
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उद्दित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्राप्ति रुप से उक्त अनुसूची की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उद्दित बाजार मूल्य, उसके
प्राप्ति प्रतिकर्ता से ऐसे दृश्यमान प्रतिकर्ता का पद्धति प्रतिशत से
धोका है और अन्तरकर (अन्तरकर्ता) और अस्तरिती (अस्तरितियों)
धोका ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकर्ता,
अस्तरित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
धोका नहीं किया गया है।-

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन के
लिए कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधिन के संबंध में कोई भी आकेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीराओं पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी
एकित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थानीय ममाप्ति में हितद्वारा किसी
अन्य अवित्य द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — यहाँ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अधाराय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही धोका दोगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरण के द्वायित्व में कमी करने
या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि और निर्माण - सर्वे स. 602/2, 624/2 कृष्णा
जिन्निङ फेक्टरी नारनापुरम (डाकूमेट सं. 1941/80)

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें मार्गीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित
बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, तिपाने में सुविधा के लिए।

राधा बालकृष्णन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़ ।।, मद्रास

ग्रन्त: अब; उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में,
ने उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपग्राहा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :-

तारीख : 12-8-1981
मोहर :

प्रख्युप आई० टी० एन० एम०————

(1) श्री राममूरती अव्वर और अदरम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बालकृष्ण और अदरस

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजौ, मद्रास

मद्रास', दिनांक 11 अगस्त 1981

निदेश सं. 15864—यतः, मुझे राधा बालकृष्णन, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269 ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी राज् यद् विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, तिला उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. 28 है, जो 6 मेन्यन रोड, मद्रास-28 में स्थित है (और इसने उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रीजस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर (डाकूमेंट सं. 2198/80) भा० भारतीय रीजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विसंबर, 80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में दुर्दे किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि-28, IV मेन्यन रोड, मद्रास 28 (डाकूमेंट सं. 2198/80)।

राधा बालकृष्णन
सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रजौ 11, मद्रास

तारीख : 11-8-1981
माहर :

अतः प्रश्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ वा उक्तधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धादि ...

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री बजमे कुरम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जनाव अहमद और अदरस

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कामांलग, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 अगस्त 1981

निदेश सं 15846—यत मुझे, राधा बालकृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 13 है, जो रट्टेनेठ घट स्ट्रीट, मद्रास-6 में
स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नारत मद्रास
(डाकूमेंट सं. 5141/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 16 दिसंबर 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथात् :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीर्था करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोहे भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीर्वाची व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और अवरस 13, रट्टेनेठ घट स्ट्रीट, मद्रास-6।
(डाकूमेंट सं. 5141/80)।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज ।।, मद्रास

तारीख : 14-8-1981
महर :

प्रस्तुत गाइं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अगस्त 1981

निदेश सं. 15865—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. 28, है, जो VI मेयर रोड मद्रास 28 में स्थित है (और इसमें उपायदूध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर (डाकूमेंट सं. 2197/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16 दिसंबर 80 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिवर्त अविकृत है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित घृहण ने उन्न अन्तरग निविन में वासनविल रूप से कथित नहीं भए गया है :—

(क) अन्तरण से हृह किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगानार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राममूरती अम्बर

(अन्तरक)

(2) श्री राम के, रामन और राम आर. वेक्टोचलम।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बूझ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

भौमि और निर्माण - 28, VI मेयर रोड, मद्रास-28
(डाकूमेंट सं. 2197/80)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज ।।, मद्रास

तारीख : 11-8-1981
मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अगस्त 1981

निदेश म 11245—यत, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सर्वे स 307 है, जो ईरोड में स्थित है (और इससे उपादान अनुमति में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ईरोड (डाक्ट्रोट सं 5013/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिलयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिद्धि व्यक्तियों अर्जतः:—

(1) श्री मारपा गोडर सानमूधा सन्दरम।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पी. शान्तिराम

60 आर, भरमपट्टी रोड, ईरोड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियाँ करता हूँ। *

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष। ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समानी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में रखे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि - सर्वे स 307, ईरोड (डाक्ट्रोट सं 5013/80)

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज ।।, मद्रास

तारीख 11-8-1981
मोहर,

प्रस्तुप आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

(1) श्री मोहम्मद हुसैन और अवरसं।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राधाकृष्णं

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तराधिकारी के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के उत्तराधिकारी के सम्बन्ध में कहें भी जासेंः--

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 1981

निदेश सं. 9252—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 66, 66ए है, जो मारियम्मन कोर्टिल स्ट्रीट,
दिनठिवनम में स्थित है (आर इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और
पर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,
दिनठिवनम (डाकूमेंट सं. 2488/80) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16
दिसंबर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
इसने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रवयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
कल निम्नलिखित उच्चदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यित नहीं किया गया हैः--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों व्यक्तिः—
3-236GI/81

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण - 66, 66ए, मारियम्मन कोर्टिल स्ट्रीट,
दिनठिवनम (डाकूमेंट सं. 2488/80)।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज ।।। मद्रास

तारीख : 12-8-1981
मोहर :

प्रलेप आई० डी० एव० एस०—

(1) सेन्ट्रल को. आपरेटिव बेनक

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राम. टामस उठ्यार

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 1981

निदेश सं. 9237—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की धारा 269-ग
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से
अधिक है।

और जिसकी सं. सर्वे सं. 78 ए1/ए2, है आफीस रोड
है, जो आलनघुठी, पुठुकीट्टौ में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय पुठुकीट्टौ (डाकमेंट सं. 3898/80) में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 16 दिसंबर 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण उलिखित में वास्तविक
कर्त से कीर्ति नहीं किया गया है—

(क) उक्तरण से हृहै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्य में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

जो वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
जिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रविधि या तत्सम्बन्धी अधिकारी पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी में से किसी अधिकता होता;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अध्य अधिकता होता, अधिकता के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्वावरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम के अंतर्याम 20-क में परिचालित है,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण - सर्वे सं. 78 ए।/ए2 आफीस रोड,
आलनघुठी, पुठुकीट्टौ (डाकमेंट सं. 3898/80)।

राधा बालकृष्ण
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज ।।, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुकरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उचित (1) के
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

तार
माहे..

प्रस्तुति आई. डी. पुन. एव. —————

(1) श्री चिन्नम्माल

(अन्तर्क्रिया)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती सरस्वती और अहरस

(अन्तर्क्रिया)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 1981

निदेश सं. 11237—यत्, मुझे, राधा बालकृष्णन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं सर्वे 317/2ए है, जो पेरिय सेमूर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इरोड (डाकमेंट स.
4834/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 16 दिसंबर 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में निए जा सकेंगे।

स्वष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हृई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्ध आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

भूमि - सर्वे सं. 317/2ए, पेरिय सेमूर (डाकडमेंट सं.
4834/80)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज 11, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-वी के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपाधा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः—

तारीख : 12-8-1981
मोहर :

प्रकाप आई० टी० एन० एस०—

(1). श्री चिन्नाम्माल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

(2). श्रीमती सरस्वती और अदरस

(अम्भरती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 1981

निवेश सं. 11237—यतः, मुझे, राधा बालकूञ्ज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-व
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं. सर्वे 317/2ए है जो पैरिय सेम्यूर में स्थित है
(और इससे उपावकूष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय हैरोड (डाकूमेंट सं.
4833/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16 दिसंबर 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चांश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
प्रस्तरिति (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य ग्राहितियों
को जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनावधि प्रस्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या दसम्बद्धी अविलम्बी पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविलम्बी में से किसी अविलम्ब द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविलम्ब द्वारा प्रधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
प्रथ्य होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि - सर्वे सं. 317/2ए, पैरिय सेम्यूर हैरोड (डाकूमेंट
सं. 4833/80)।

राधा बालकूञ्ज
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज ॥, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसूचण
में, वै, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविलम्बी, अर्जन :—

तारीख : 12-8-1981

मोहर :

प्रकप भाई० टी० एन० एस०—————

(1) पेलस एडमिनिस्ट्रेशन बोर्ड।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तररक्त)

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(2) श्री जे. रामन, जे. रवी जै. सुरेश बाबू।

(अन्तरिती)

अर्जन रौज़, मद्रास

मद्रास, विनांक 12 अगस्त 1981

निवेश सं. 15842—यतः मुझे, राधा बालकूब्दन्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सकार प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे सं. 89, 90, 157, 160, 161 है, जो कूनूर में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, नारत मद्रास (डाकूमेंट सं. 5163/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16 दिसंबर 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर अन्तरित से अधिक है, पौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या प्रन्य ग्राहितियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहित:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्व व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण सर्वे सं. 89, 90, 157, 160 और 161, कूनूर (डाकूमेंट सं. 5163/80)।

राधा बालकूब्दन्
सकार प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रौज़ 11, मद्रास

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपस्थाता (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अन्तरः—

तारीख : 12-8-1981
मोहर :

प्रधम नामः टी. एन. एस.—

(1) श्री पी. के. पट्टाविरामन

(अन्तर्क्रिया)

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ए (1) को अधीन सूचना

(2) श्रीमती राठिला जयलक्ष्मी

(अन्तर्दिती)

भारत सरकार

साधारण, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 1981

मिवेश सं. 16108—यत., मुझे, राधा बालकूञ्ज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 12, कमठारनगर है, जो मद्रास-34 में स्थित
है (और इससे उपाध्याय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी नगर (डाकमेंट स.
2073/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 16 दिसंबर 80
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण सिद्धित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृइ किसी भाव की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
आदि/वा

(ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहै भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
ष्वाध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्थानकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होणा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 13, कमठारनगर मद्रास 34 (डाक-
मेंट सं 2073/80)।

राधा बालकूञ्ज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज 11, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, दौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपलब्ध (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षित हैं—

तारीख : 12-8-1981
माहर :

प्रूप आई. टी. एन. एस. —————

(1) श्री नरसूलामी

(मंत्रिमंड़क)

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, मद्रास

मद्रास, विनांक 10 अगस्त 1981

निदेश सं. 9200—यतः, मुझे, राधा बालकूर्ण,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. संख्या 66/2 है, जो पुस्तर में स्थित है (और
इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्र-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय ट्रिप्पी (डाकमॉट सं. 7032/80)
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 16 दिसंबर 80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घान
प्रतिफल के लिए अन्तर्रिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्घान प्रतिफल से, ऐसे, दूर्घान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्रिक्ती
(अन्तर्रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्ति नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हरे रिसों आव की वावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(क) पूर्वों रिसों आव या रिसों धन या अन्य आविष्यों
को, जिन्हे भारतीय जायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तर्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

को यह सूचना आरी करके पूर्वांक सम्मिलित के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्मिलित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई श्री जाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्त्वस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तालौटी के
पास सिविल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बहुली

भ्रमि बौर निर्माण - संख्या 66/2, पुस्तर (डाकमॉट सं.
7032/80)।

राधा बालकूर्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, मद्रास

यतः जब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, वे, उक्त अधिनियम की भारा 269-प्र की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अधिकृत हैं—

तारीख : 10-8-1981
मोहर :

प्रलूप आई.टी.एन.एस.-----,

(1) श्री परकोट मोहमद उल्ली हाजी और अर्दरस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री वी. जे. जात्रा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 1981

निदेश सं. 15996—यतः, मुझे राधा बालकृष्णन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. देवाला है, जो घृठलूर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, घृठलूर (डाकमैट सं. 1454/80) में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 16 दिसंबर 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से, ऐसे दूसरमान प्रतिफल का
प्रन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हैर किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹
सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
है।

मृगसूची

भूमि - देवाला घृठलूर (डाकमैट सं. 1454/80)।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, मद्रास

तारीख : 12-8-1981
माहूर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंजू, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निवेश सं. अमलोह/104/80-81—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द्र,

प्रायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं. भूमि क्षेत्रफल 2 बीघा है, तथा जो गांव के कड़े
माजरा सब तह. अमलोह जिला पटियाला में स्थित है (और
इससे उपायकर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एवह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों)
प्रोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिए
इय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से इसे किसी आय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4-236GI/81

(1) श्री हजारा सिंह सुप्रत्त श्री किशन सिंह निवासी गांव
के कड़े माजरा डाकखाना, गोविन्दगढ़, जिला
पटियाला।

(अन्तरक)

(2) मे. गोपाला प्रा. लिमि., 38 राजिन्द्रा पार्क, नई
दिल्ली, माध्यम डाइरेक्टर रमेश भाटिया।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के
निए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ज्या है।

अनुसूची

भूमि 2 बीघा गांव के कड़े माजरा तहसील अमलोह जिला
पटियाला में स्थित है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमलोह के कार्यालय के विलेख सं. नं. 1883 दिसम्बर, 1980
में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंजू, लूधियाना

तारीख : 17-8-1981
माहूर :

प्रस्तुत आहू टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधोन मूचन।

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रौज, लूधियाना

लूधियाना, विनांक 17 अगस्त 1981

निम्नों सं. अमलोह/108/80-81—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके अन्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति विषयका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इ० से अधिक है।

और जिसकी सं. भूमि क्षेत्रफल 2 बीघा है, तथा जो गांव ककड़
माजरा अब तह अमलोह जिला पटियाला में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसंबर,
1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरको) और अस्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया ऐसे
प्रतिफल, निम्नलिखित छद्मेय से उक्त प्रस्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गवा है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाचत, उक्त अधि-
नियम के प्रधोन कर देने के प्रस्तरक के शायित्व में कमी
करने या उसमें दबाने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मालियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाले अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत:—

(1) श्री हजारा सिंह सुपत्र श्री किशन सिंह निवासी गांव
ककड़ माजरा डाकखाना, गोविन्दगढ़, जिला
पटियाला।

(अन्तरक)

(2) मै. गोपाला प्रा. लिमि., 38 राजिन्द्रा पार्क, नहर
दिल्ली, साथम डाइरेक्टर रमेश भाटिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यालयी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीराव्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में
किसीप्रक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 2 बीघा जो गांव ककड़ माजरा, सब तहसील अमलोह,
जिला पटियाला में स्थित है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी अमलोह के कार्यालय के विलेख सं. नं. 1942
विसम्बर, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सखम प्राधिकारी
निरीक्षण, सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रौज, लूधियाना

तारीख : 17-8-1981

मोहर :

प्रृष्ठ आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, लूधियाना
लूधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निवेश सं. खरड़/38/80-81—उत्तर: मुझे, सूखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मकान प्रांगणार्थ को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म. मकान नं. 518 है, तथा जो फेज़-3-बी 1, मोहाली, जिला रूप नगर में स्थित है (और इससे उपायदृढ़ अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1980

अं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मात्राओं के रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीय को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती व्यापार प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उत्तर: मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (11) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नाथ सिंह सूप्रब्र श्री अजून सिंह, निवासी गांव चुहार माजरा, तहसील राजपुरा।

(अन्तरक)

(2) श्री वर्षन सिंह सूप्रब्र श्री हरदम सिंह, निवासी वालियां बली, तहसील फूल, जिला भटिंडा, अब्द मकान नं. 518, फेज़-3-बी-1, मोहाली।

(अन्तरिती)

करों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 518, फेज़-3-बी-1, मोहाली, जिला रूप नगर, (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खरड़ के कार्यालय के विलेख सं. नं. 4654 दिसंबर, 1980 में दर्ज है)।

सूखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, लूधियाना

तारीख : 17-8-1981
मोहर :

प्रस्तुत प्राईंटी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त, (निरीक्षण)

अर्जन् रेज़, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निवेश सं. लूधि./341/80-81—अतः मर्फे, सुखदेव
चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं. प्लाट क्षेत्रफल 1829 वर्ग गज है, तथा जो
हैवोवाल कलां, तह. व जिला लूधियाना में स्थित है (और इससे
उपायद्रव अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, लूधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यारूप की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरितों (अन्तरितियों) न दी गये हैं अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
जिवित में वासन्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से उई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में होने करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय प्राय-गर अधिनियम, 1922
(1922 नं. 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा(1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्यों अर्थात्—

(1) एस/श्री करनैल सिंह जसपाल सिंह गुरदयाल सिंह
सुपुत्र श्री सरदारा सिंह, निवासी गाँव तलवंडी रैका
एस, तहसील रायेकोट, जिला लूधियाना।
(अन्तरक)

(2) एस/श्री रमेश चन्द्र सुपुत्र और सुरिनदकुमार और
विनोद कुमार और सुभाष चन्द्र एस. सुपुत्र श्री हरबन्स
लाल, निवासी माधोपुरी, कूचा नं. 2, लूधियाना।
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

- (क) इस सूचना न राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अवित्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी अवित्यन द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्यन द्वारा, अधीक्षित अधिकारी के पास
लिखित में निए जा सकेंगे।

संषोधन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के पद्धति 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट क्षेत्रफल 1829 वर्ग गज, जो कि हैवोवाल कलां, तह-
सील और जिला लूधियाना में स्थित है। (जायदाद जो कि
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लूधियाना के कार्यालय के विलेख सं. नं.
4865 दिसम्बर, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, लूधियाना

तारीख : 17-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(1) श्री हरी राम सभरवाल सुप्रति श्री जगन्नाथ सभरवाल,
निवासी सी-69 किर्ति नगर, नई दिल्ली।

(अंतरक)

(2) श्री गुरवास सिंह सुप्रति श्री सदा सिंह, निवासी 229
सैक्टर 21-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमदानी (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निवेश सं. चण्डी./301/80-81—अतः मूँझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 229, सैक्टर 21-ए है, तथा जो
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
क्षण से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रौंच भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मूल्य

मकान नं. 229, सैक्टर 21-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है।
(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के
विलेख सं. नं. 1727 दिसम्बर, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयकृ (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लूधियाना

तारीख : 17-8-1981
मोहर :

प्रसूच आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निवेश सं. चण्डी./302/80-81—अतः मुझे, सूखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं. निवासी मकान नं. 1637, सैक्टर 7-सी है,
तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (जो इसमें उपायकरण अन्सूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक विसम्बर, 1980

को वैरोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हटा किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) (1) श्रीमती ओम वती वर्मा पत्नी श्री धर्म देव वर्मा,
(2) श्री राकेश कुमार वर्मा, (3) श्री योगेश वर्मा
सुपुत्र धर्म देव वर्मा, (4) नरेश कुमार वर्मा, सभी
निवासी मकान नं. 1637, सैक्टर 7-सी, चण्डीगढ़।
(अन्तरक)

(2) (1) श्रीमती हरभजन कौर बसी पत्नी श्री हरभजन
सिंह बसी, (2) श्रीमती मनजीत कौर बसी पत्नी श्री
हिन्द राज सिंह बसी, (3) श्रीमती ताज कौर पत्नी
श्री हरदित सिंह बसी, (4) श्री हरदित सिंह बसी
सुपुत्र श्री हरनाम सिंह बसी, निवासी मकान नं. 210
सैक्टर 19-ए, चण्डीगढ़। अब 1637 सैक्टर 7-सी, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर व्यार्थोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

* रिहायशी मकान नं. 1637 जो सैक्टर 7-सी, चण्डीगढ़ में
स्थित है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख सं. नं. 1737, दिसम्बर, 1980 में
वर्ज है)।

सूखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, लूधियाना

तारीख : 17-8-1981
मोहर :

प्रलूप आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री मोहिन्दर सिंह सुप्रिय श्री सेवा सिंह, निवासी 2420, सेक्टर 19-सी, चण्डीगढ़।

(अंतरक)

(2) श्री दलजीत सिंह सुप्रिय जान सिंह, निवासी 1017, सेक्टर 21-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, लृधियाना

लृधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निदेश सं. खरड़/36/80-81—अतः मूझे, सूखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 1191 है, तथा जो फेज-5 मोहाली, जिला रूप नगर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अन्नसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1980

को पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्ट किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहिता के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितयों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहिता के लिए;

क्षेयह सूचना आरी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोष्टसाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्नसूची

प्लाट नं. 1911 फेज-5 मोहाली, जिला रूप नगर में स्थित है। (जापवाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खरड़ के कार्यालय के विलेस सं. नं. 4588, दिसम्बर, 1980 में दर्ज है)।

सूखदेव चन्द
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, लृधियाना

तारीख : 17-8-1981

माहूर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

प्रस्तुप आइ०. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निदेश सं. खरड़/34/80-81—अतः मूर्ख, सुखदेव चन्द्र, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. गे अधिक है।

और जिसकी सं. प्लाट नं. सी-6 है, तथा जो फेज-1, मोहाली जिली रूप नगर में स्थित है (और इसमें उपाववध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1980

को पूर्णांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पांचहूं प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(1) श्री अजून सिंह सुपत्र श्री तारा सिंह, निवासी कोठी नं. 222, सैकटर 16-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री कमलेश चन्द्र गुप्ता सुपत्र श्री फतेह चन्द्र, निवासी 100 सैकटर 28-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांक सम्भित के अर्जन के लिए कार्यान्वयित्वां करता है।

उक्त सम्भित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्बन्ध संपत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहेस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त प्रबंधों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(अ) अन्तरण में हृइ० किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर/बने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(आ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हैं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

प्लाट नं. सी-6 फेज-6, मोहाली जिला रूप नगर में स्थित है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खरड़ के कार्यालय के विलेख सं. नं. 4514 दिसम्बर, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, लूधियाना

तारीख : 17-8-1981

मोहर :

अतः अन्तरण अधिनियम की धारा 269-प के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

प्रसूप माई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
बारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निवेश सं. चण्डी./288/80-81—अतः मुझे, सूखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-व
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है,

और जिसकी सं. प्लाट नं. 1142 है, तथा जो सैक्टर 34-सी,
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबूध अन्सूची में बीर पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, विनांक दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या बन या भव्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियो
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-व के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपबारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—
5—236GI/80

(1) लेफ्ट. कर्नल (भिर) आर. सी. जमेज स्पूनरी श्री
जी. यू. जेमज, माध्यम उसके अटौरनी श्री अमरजीत
सिंह, निवासी 669 सैक्टर 33-बी, चण्डीगढ़।
(अन्तरक)

(2) श्री बलवीर सिंह सोहल स्पूनर डा. इन्द्र सिंह सोहल,
निवासी 1142 सैक्टर 34-सी, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीन्द्वयी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 1142 सैक्टर 34-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है।
(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के
विलेख सं. नं. 1691 दिसम्बर, 1980 में दर्ज है)।

सूखदेव चन्द
सभी अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज, लूधियाना

तारीख : 17-8-1981
मोहर:

प्रकल्प प्राइंटी०एन०एस०-----

प्राप्तकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निदेश सं. चण्डी/297/80-81—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन इकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 1530 में आधा हिस्सा है, तथा जो सैक्टर 36-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से नियमित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यरोग में दूर्वा किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमों करने या उसमें बदलने में मुविधा के लिए; और/पा

(ख) ऐसी कियों आय या हिस्सा भन गा पन्द्रह प्रतिशतों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे प्रत्यारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन-

(1) लैफ. कर्नल कृष्ण मोहन नन्दा माध्यम उसके जनरल पावर आफ अटौरनी श्री ए. एस. पराशर सुपत्र पी. सत्यपाल, निवासी 72, सैक्टर 11-बी, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

(2) श्री एम. एल. गोयल सुपत्र श्री एम. आर. गोयल, निवासी मकान नं. 248, सैक्टर 35-ए, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्म्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 1530 में आधा हिस्सा, सैक्टर 36-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायवाव जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलोक सं. नं. 1720 दिसम्बर, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयस्स (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लूधियाना

तारीख : 17-8-1981
मोहर:

प्रसूत आई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निदेश सं. चण्डी/303/80-81—अर्जन: मृझे, सूखदेव
नन्व,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं. प्लाट नं. 1530 में आधा हिस्सा है, तथा जो
सैक्टर 36-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1980
को पूर्वोक्त सम्पाद्य के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्रक्त को गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितिर्या) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नविवित
उद्देश्य में उक्त सम्पत्ति लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देमे के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनामे अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त प्रधानान्वय की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नविवित अविभाग वर्धता:—

(1) लैफि. कर्नल कृष्ण मोहन नन्दा साध्यम उसके अन्तरक
पावर आफ अठौरनी श्री ए. एस. पराशर सूप्रति पी.
सत्यपाल, निवासी 724, सैक्टर 11-डी, चण्डीगढ़।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरस्वती गोयल पत्नी श्री एम. एल. गोयल,
निवासी 248, सैक्टर 35-ए, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रबंधि या तस्वीरधी अविक्षयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी
प्रबंधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षयों में से किसी अविक्षय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद
किसी अन्य अविक्षय द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रधाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही दर्शे दोगा, जो उस प्रधाय में दिया
गया है,

अनुसूची

आधा हिस्सा प्लाट नं. 1530 में सैक्टर 36-डी, चण्डीगढ़
में स्थित है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख सं. नं. 1738 दिसम्बर, 1980 में
दर्ज है)।

सूखदेव नन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लूधियाना

तारीख : 17-8-1981
भाऊर:

प्रकल्प शाई० टी० एम० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के पश्चीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निदेश सं. चण्डी./293/80-81—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के पश्चीन सञ्चाम प्राविकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं. प्लाट नं. 1241 है, तथा जो सैकंटर 33-सी,
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावध बनसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित ही नहीं है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्र में वास्तविक रूप से उचित
नहीं किया जाता है:—

(क) अन्तरण से ही लियी आय की उक्त उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) एमी किसी आय या किसी घन या पर्याप्ति को,
जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या उनके
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाता
या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उचाई (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्यां, अवात् :—

(1) एक्स सब. कैलाश चन्द शर्मा सूप्रत्र श्री दीना नाथ
शर्मा, मार्फत देव समाज भवन, सैकंटर 36-सी,
चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेश कुमार गुप्ता सूप्रत्र श्री बारुमल गुप्ता,
निवासी मकान नं. 3155, सैकंटर 28-सी,
चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि, या उसमन्धी अवित्यां पर
सूचना की कामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यां में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद किसी अस्थ अवित्यां द्वारा प्रबोहस्तानी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 1241, सैकंटर 33-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है।
(जापदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय
के विलेख सं. 1706 दिसम्बर, 1980 में वर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, लूधियाना

तारीख : 17-8-1981
माहूर:

प्रैरूप बाई.टी.एन.एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निवास सं. चण्डी/296/80-81—अत मुझे, सुखदेव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 2/3 पारंशन आफ मकान नं. 705 है तथा जो
सैक्टर 8 बी. चण्डीगढ़। मैं स्थित हूँ (और इससे उपावद्ध अनु-
सूची में और पृष्ठ रूप से वर्णित हूँ), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 12/80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हूँ और मुझे यह विश्वास
करना ना हारा, कि इसका उपावद्ध अनु-
सूच्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का
एन्द्रध प्रतिशत से अधिक हूँ और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में चास्तिवक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती दूषारा प्रकट नहीं किया
क्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. 1 श्रीमती जमपाल कौर घूमन पत्नी श्री तरलोक सिंह
घूमन श्री गुरचरण सिंह मार्फत श्री बी एस घूमन
विक्रम हाटल नर्स दिल्ली।

(अन्तरक)

2. 1. श्री बहाल मिह मालिक
2. मास्टर अजय मालिक
3. सजय मालिक सपुत्र श्री बहाल सिंह मालिक
4. अशोक मालिक
5. श्रीमती मराज मालिक पत्नी श्री बहाल सिंह मालिक
निवासी मकान नं. 72 सैक्टर 5, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
प्रिलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
गया है।

अनुसूची

2/3 पारंशन आफ मकान नं. 705 सैक्टर 8-बी, चण्डीगढ़।
(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के
विलेख सं 1702 दिसम्बर, 1980 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लूधियाना।

दिनांक: 27-7-81

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, आयकर भवन, लूधियाना
लूधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निदेश सं. चण्डी/296/80-81—अतः मुझे, सुखदेव
चंद,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अधारात् 'अत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यदि विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लाट नं. 5 ट्रान्सपोर्ट एरिया चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पारा गता प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों कर्त्तव्य :—

1. मैं गैंडा मल चिरंजीलाल आफ कालका माध्यम पार्टनर
 1. श्री भारत भूषण सपुत्र श्री देस राज
 2. श्रीमती माधू सिंगल पत्नी श्री जोगिन्द्र कुमार
 3. श्री संजय सिंगल सपुत्र श्री वरिज भूषण सिंगल
 4. श्रीमती कंचन सिंगल पत्नी श्री राजीव सिंगल

5. श्री राकेश अग्रवाल सपुत्र श्री कुलदीप प्रकाश
6. श्री नवीन कुमार सपुत्र श्री बैनी प्रसाद सभी निवासी 3 इन्डस्ट्रीयल एरिया चण्डीगढ़। माध्यम उनकी जनरल अटारीनी श्री किशोरी लाल सपुत्र श्री परस राम आफ कालका।

(अन्तरक)

2. 1. श्री बचन सिंह सपुत्र श्री नाराटा सिंह
2. श्री अवतार सिंह सपुत्र मेहर सिंह (3) श्री जोध सिंह सपुत्र ईश्वर सिंह
4. श्री चरन सिंह सपुत्र श्री हाकम सिंह
5. श्री दर्शन सिंह सपुत्र श्री मल सिंह
6. श्री बलदेव सिंह सपुत्र श्री जय सिंह
7. श्री टेहेल सिंह सपुत्र श्री फतेह सिंह सारे मार्फत 5, ट्रान्सपोर्ट एरिया चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

3. 1. मै. रुप गुडज ट्रान्सपोर्ट
2. श्री आर. के. गुप्ता
3. मै. एसोसियेट रोड कैरियर (प्रा.) लिमिटेड निवासी प्लाट न. 5 ट्रान्सपोर्ट एरिया चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 5 ट्रान्सपोर्ट एरिया चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलोख सं. नं. 17/18 दिसम्बर, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, लूधियाना।

तारीख : 17-8-1981
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निदेश सं. चण्डी /289/80-81—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
स्पष्ट से अधिक है

और जिसकी सं. संकान नं. 3880 है तथा जो सैकटर-32,
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपावड़ आमन्ची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख दिस. 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर रहे के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रनक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अस्तियों अर्थात्:—

1. श्री सरदार सिंह सुपुत्र श्री गमजी दास संठी निवासी
गाव व डाकखाना धनोरा जिला अबाला।

(अन्तरक)

2. 1. श्री लच्छमन दास सपुत्र श्री प्रताप चन्द

2. श्री सह पाल }
3. श्री सूभा दाम } सपुत्र श्री लच्छमन दास
4. श्री भरपुर चन्द }

आल निवासी मकान नं. 3157 सैकटर 21-डी,
चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्प्रवान्धी अस्तियों पर
मूल्यान्वीन नामीन में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अस्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी ग्रन्थ अविकाशात् द्वारा अविकाशात् के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय ने दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 3880 जो सैकटर 32, चण्डीगढ़ में स्थित है।
(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय
के विलेख सं. नं. 1693 दिसंबर, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लूधियाना।

तारीख : 17-8-1981

मोहर []

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

1. श्री शिव राज सिंह सपुत्र श्री जसवन्त सिंह निवासी लोहगढ़ अब मकान नं. 1572 सैकटर 33-डी. चण्डीगढ़।
(अन्तरक)

2. श्री दर्शन सिंह सपुत्र श्री गुरबल्ला सिंह मकान नं. 838 सैकटर 16-डी. चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निदेशक सं. डी. बी. एस./69/80-81—अतः मुझे,
सुखदेवचन्द्र,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं. भूमि क्षेत्रफल 2 कनाल 12 मरले साथ कोठी
है तथा जो गांव लोहगढ़ डेरा बसी जिला पटियाला में स्थित है
(और इससे उपावध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डेरा बसी में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिस.
1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्ति नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शारीरिकत्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमतयों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
भ्रष्टाचार के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिसिः—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्त्वस्वन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह स्ताक्षरी के पास
लिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभ्राष्ट हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 2 कनाल 12 मरले साथ कोठी जो गांव लोहगढ़ सब तहसील डेरा बसी जिला पटियाला में स्थित है। (जाय-दाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी डेरा बसी के कार्यालय के विलेख सं. नं. 1281 दिसम्बर 1980 में बर्ज है)।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लूधियाना।

तारीख 17-8-1981
मोहरः

प्रृष्ठप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निदेश सं. डी.बी.एस./63/80-81—बतः मुझे सुखदेव
चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि 2 कनाल 12 मरले साथ में कोठी। है
सथा जो गांव लोहगढ़ सब तहसील डेरा बसी जिला पटिया में स्थित
है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डेरा बसी में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख दि.

1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घात
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
मूल्य, उसके दूर्घात प्रतिफल से, ऐसे दूर्घात प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृह किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहित
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सहित के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—236GI/81

1. श्री अगश्वेय सिंह सपुत्र श्री सुचा सिंह निवासी गांव लोहगढ़
गढ़ सब तहसील डेरा बसी अब मकान नं. 1564 सैक्टर
33 डी चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. 2. श्री दर्शन सिंह श्री गुरबल्ला सिंह निवासी मकान नं.
838 सैक्टर, 16-डी. चण्डीगढ़

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 2 कनाल 12 मरले साथ कोठी जो कि गांव लोहगढ़ सब
तहसील डेरा बसी जिला पटिया में स्थित है।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी डेरा बसी के कार्यालय के
विलेख सं. नं. 1282 विसम्बर, 1980 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 17 अगस्त 1981

मोहर :

प्रृष्ठ प्राइवेटी.टी.एन.एस.-----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निष्पत्र सं. चण्डी./292/80-81—अतः मुझे सुखदेव अन्द
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, सिका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 3254 सैक्टर 35-डी. है तथा जो
चण्डीगढ़। में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 12/80
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्थ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्क्रो) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:-

1. श्री जसवन्त सिंह छिन्ना मार्फत मकान नं. 3206 सैक्टर
31 डी. चण्डीगढ़।
(अन्तरक)

2. श्रीमती शीला डोगेरा पत्नी श्री एम. एल डोगेरा निवासी
मकान नं. 1641 सैक्टर, 22-बी. चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

क्षमे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:-—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हाइँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिलयों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्लाट नं. 3254 सैक्टर 35-डी. चण्डीगढ़ में स्थित है।
(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय के विलोम सं.
नं. 1704 विसम्बर, 1980 में दर्ज है)

सुखदेव अन्द
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की जण्डारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत ...

तारीख 17-8-1981
मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निवेश सं. चण्डी./299/80-81—अतः मुझे सुखदेव चन्द्र आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 3319 है तथा जो सैकटर 32-डी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबहुध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़। में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12/80

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तत्व पाया गया प्रतिफल, निम्ननिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौरया

(ख) ऐसी किसी आय या निसी वन या प्रन्य आस्तियों को जिन्हें नारतीत्र आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शब्द उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अन्तियों, प्राप्ति:—

1. श्री प्रेम गुरतानी सपुत्र श्री मोहन दास माध्यम उसवं अटोरनी श्री ज्ञानचन्द्र सुराना सपुत्र श्री बोध राज निवास 3031 सैकटर 15-डी, चण्डीगढ़।
(अन्तरक)

2. मिस्टरस सुदर्शन देवी महाजन पत्नी श्री मूली लाल महाजन, और श्री मूली लाल महाजन सपुत्र श्री फकीर चन्द निवासी 21-24, सैकटर 35-सी चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अन्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस पूर्वोक्त सम्पत्ति के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताकारी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

संपष्टीकरण:—इनमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ है, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्लाट नं. 3319 सैकटर 32-डी चण्डीगढ़ में स्थित है।
(आलदाव जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं. नं. 1722 दिसम्बर, 1980 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लूधियाना।

तारीख 17-8-1981

मोहर :

प्रस्तुत आइ. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निदेश सं. खरड़ 32/80-81—अतः मुझे, सुखवें चंद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 924 है तथा जो फेज-4, मोहाली,
जिला रुम्नगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घात
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का एचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्घात प्रतिफल से ऐसे दूर्घात प्रतिफल के फैल हुए
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वासितयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एवं बी सिंह सुपुत्र श्री अछरा सिंह, जी-14,
नारायण विहार, नहूँ चिल्ली।

(अन्तरक)

2. डा. हरीजन्द्र सिंह सुपुत्र श्री हरभजन सिंह निवासी
3371 सैक्टर 27-डी चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि दौर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 924, फेज-4 मोहाली, रूप नगर में स्थित है।
(आयदाव जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खरड़ के कार्यालय के
विलेख सं. नं. 4475 दिसम्बर, 1980 में दर्ज है)।

सुखवें चंद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख 17-8-1981
मोहर:

प्ररूप आहू. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, लूधियाना

लूधियाना, विनांक 17 अगस्त 1981

निदोश सं. शिमला/25/80-81—अतः मूर्खे, सुखदेव चंद्र आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें उक्त अधिनियम कहा गया है, की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि क्षेत्रफल 2 बीघा 2 बीसवास है तथा जो गांव सौंगाटी परगाना छाबड़ी गाटी तह. जिला शिमला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिमला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसंबर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित तदूदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) श्री गुलाब सिंह पत्र श्री देवी बास निवासी गांव सौंगाटी परगाना, शिवरघाटी तहसील व जिला शिमला।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री निगम सिंह सुपुत्र दीला राम चौहान बिल्डार संजोली शिमला, (2) श्री सुरेश कुमार सुपुत्र श्री भगत राम निवासी गलेहा तह कोटखाई, (3) श्री हरनाम सिंह सुपुत्र श्री नन्द लाल निवासी गृटी तह. मुमारसैन, (4) श्री सतन्दर चौहान सुपुत्र श्री ज्ञान सिंह निवासी भुली तह. कोटखाई, (5) श्री अमोलक सिंह सुपुत्र श्री वरणाई राम निवासी कि आरी तह. कोटखाई, (6) श्री महेन्द्र चौहान (7) सरन्द चौहान, (8) बलवीर चौहान सुपुत्र श्री जीत सिंह निवासी गांव गृली तह. कोटखाई जिला शिमला (9) श्री जांगन्द्र चौहान और, (10) राजिन्द्र चौहान।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाकी में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20- में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 2 बीघा 2 बीसवास जा सौंगाटी गांव सौंगाटी परगाना छाबड़ी गाटी तह. और जिला शिमला में स्थित है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शिमला के कार्यालय के विलेख रु. नं. 1082 दिसंबर 1980 में वर्ज है)।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लूधियाना।

तारीख 17-8-1981
मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, आयकर भवन, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निदेश संखरड/35/80-81—अत मुझे सुखदेव चन्द्र लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
जार जिसकी सं. प्लाट न. 673 सी है तथा जो फेज-11,
मोहाली, जिला रूपनगर में स्थित है (जार इससे उपाधिध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, खरड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख दिस. 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंचह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक
रूप में कठिन नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हृह किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वार्तात्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री ए. पी. बन्धा, सीनियर डिविजनल मैनेजर एल आई सी आफ इन्डिया सैक्टर 17, चण्डीगढ़।
(अन्तरक)

2. श्रीमती जोगिन्द्र कारे पत्नी श्री गुरदेव सिंह और श्रीमती जगदेव कारे पत्नी श्री तरलोक सिंह निवासी 2239 सैक्ट. 22 सी चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रेह भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्दुसूची

प्लाट नं. 673 फेज-11, मोहाली जिला रूपनगर, (जाय-
बाब जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खरड के कार्यालय के विलेख
सं. 4576 विसम्बर, 1980 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, लूधियाना।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 17-8-1981
मोहर

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री अपासाहेब. पी. गोटडकी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती विजयमाला. ए. गोटडकी 486 शेरी गल्ल
बेलगम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज बैंगलोर

बैंगलोर, दिनांक 3 जुलाई 1981

निदेश सं. 340/81-82—यतः म्‌झे, डा. वि. एन.
लिलित कृमार राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी मं. आर. एस. नंबर 57/1, नंबर 774 है, जो
अनगोल, बेलगम, में स्थित है (और इसमें उपाबृध अन्सूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, बेलगम अंडर डाक्यमेंट नंबर 3510 दिनांक 16-2-1981

श्री शिवांशंकर बालक, द्विकी पत्नी श्रीमती ब्रसलिंगमा 1704,
रामदेव गल्ल, बेलगम।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्तों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में क्यों भी आवश्यक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृगसूची

अनगोल, बेलगम में गोगटे कार्मस कालेज के पीछे स्थित
859-94 स्क्वार मीठर खला जगह जिसका आर. एस. नंबर है
57/1 और प्लोट नंबर है 774

(क) अन्तरण से हूँ है किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन वर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे यज्ञने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 *
(1922 का 11) द्वा उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकल नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

डा. वि. एन. लिलित कृमार राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज बैंगलोर।

तारीख : 3-7-1981

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बैंगलोर

बैंगलोर, दिनांक 3 जूलाई 1981

निवेश सं. 341/81-82—यतः मुझे, डा. वि. एन. ललितकुमार राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. मेर्टिक नम्बर 447, नया सर्वे नंबर 23/1 है, जो पोंडा-पंजीय रोड पोंडा में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, पोंडा, गोवा अंडर डाक्युमेंट नंबर 55 दिनांक 19-2-1981

कि पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त है प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 296-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृतः—

(1) श्री विस्मान श्रीराम सिनाह संडेपारकर घर नंबर 124, कडपेर, गोवा

(अन्तरक)

(2) श्री अंटोनियो मेनिनो पाचीयो वल्ते श्री चैलाना सिल्वेना गन्नेम बाडोरा, पोंडा, गोवा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्त-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पोंडा-पंजीय रोड में, पोंडा में सीधे 7600 स्क्वार मीटर खुला जगह (1000 स्क्वार मीटर छोड़कर जहां रोड और नल्ला स्थित है) जिसका नाम है "मेटाडो डो प्रिडो टोक्सीमो" उक्त "गोनेका कोंडा बेट नायक" उक्त "मड्डा बारील बागोटा" जिसका मेर्टिक नंबर है 447 और नया सर्वे नंबर है 23/(1)।

डा. वि. एन. ललितकुमार राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, बैंगलोर

तारीख: 2-7-1981

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंट हीं एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269-व (1) के प्रश्नों सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलोर

बैंगलोर, दिनांक 3 जूलाई 1981

निर्देश सं. 342/81-82—यतः मुझे, डा. वि. एन० ललितकुमार राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम रहा गया है'), की वारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह संकरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० ऐ अधिक है।

और जिसकी सं. सर्वे नंबर 179/9 (नया) है, जो कांडोलिम, गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मापुसा अंडर डाक्युमेंट नंबर 108 दिनांक 23-1-1981 को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवर संकरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पात्र है प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उल्लेख में उक्त प्रतिकृत लिखित में वास्तविक रूप से निर्दित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के प्रश्नों करने के प्रतिकृत के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आवित्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, किपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की वारा 269-व के अनुसारण में, ये उक्त अधिनियम जो वारा 169-व की उक्तवारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों अवति:—

7-236GI/81

- (1) जिसने लारेन्स टोम डेस नेवेस अमरल उफै टोम डेस नेवेस अमरल करांसालिम
- (2) कुमारी विलमा अमरेलिया अमरल, करांसालिम
- (3) श्री वाल्टर कर्मल बैसिल अमरल पि. ए. होल्डर श्री जस्टिनो अमरल
- (4) श्रीमती लिवरेटा अलेल्या वर्जीनीया विक्टोरिया डिसीजा
- (5) श्री बर्नार्ड फ्रान्सिस डिसीजा, बांद्रा, बम्बई 50
- (6) श्री अंटोनियो विसिटिको पिंटो इ रोडिग्स, कंडो-लिम
- (7) श्री डेनिम एडवर्ड पिंटो, बांद्रा, बम्बई 50
(अन्तरक)
- (1) श्रीमती सत्यवति जयदेव सांगोडकर कंडोलिम, बांद्रे, गोवा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि वा उससम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितष्ठ जिसी अन्य अवित्यालयी के पास लिखित में किए जा सकें।

एन्डोफॉन—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित है, वही अर्थ द्वारा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कांडोलिम, गोवा में स्थित इमारत (जगह सहित) जिसका सर्वे नंबर है 179/9 और जिसका नाम है "अंपीचम बाटा" उफै "गंगा मेटोल"।

डा. वि. एन. ललितकुमार राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलोर

तारीख: 3-7-1981

मोहर:

प्रकप आई०टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलोर

बैंगलोर, दिनांक 3 जुलाई 1981

निर्देश सं. 343/81-82—यतः मुझे, आ. वि. एन.
ललितकुमार राव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लाट नंबर 1 है जो कोरियो अल्टो मापुसा में
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मापुसा, गोवा अंडर
डाक्यूमेंट नंबर 116 दिनांक 9-2-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में लगभग है और दसरक (अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(1) (1) श्री सर्वीलो ब्रिटो, (2) श्रीमती अनीसीटा
ब्रिटो नेरला, बटीयर वार्ड, बांगलौर
(अन्तरक)

(2) श्री शंकर उस्नो भोबे घर नंबर 5/229, अल्टो
मापुसा बांगलौर, गोवा
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के निष्प
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को दारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावह उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए:
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया रखा
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए:

मापुसा

केरीयो अल्टो मापुसा, गोवा में स्थित इमारत (निष्ठली मंजिल
में स्थित) जिसका नाम है 'बेल्ले ब्यू' और जिसका नंबर 11
क्लाह नंबर 1।

आ. वि. एन. ललितकुमार राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलोर

कहा: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 3-7-1981

मोहर :

प्रकल्प धाई० टी०० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आय
269ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, बैंगलोर

बैंगलोर, दिनांक 3 जुलाई 1981

निर्देश सं. 344/81-82—यतः मुझे, डा. वि. एन.

ललितकुमार राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269ष
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।और जिसकी सं. सि. टि. एस. नंबर 333-8/4 है, जो
गोंधकिगलिल, बेलगम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध बन-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बेलगम अंडर डाक्युमेंट नंबर 3467 दिनांक
10-2-1981को पूर्वोत्तम संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कितन नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बाबत या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या सम-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगमान अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की आरा 269ष के प्रनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269ष की उपकारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथात् :—

(1) (1) श्री गंगाधर पि. मुंचडीकर, (2) श्री किळ्ण
पि. मुंडीकर, (3) श्री शिवाजि पि. मुंचडीकर
घर नंबर 333-8/ए गोंधलीगलिल, बेलगम
(अन्तरक)

(2) (1) श्री किळ्णमूली एल. सुनारवे, (2) श्री विनय-
कुमार एल. सुनारवे, (3) श्री चंद्रकांत एल.
सुनारवे घर नंबर 333-8/ए गोंधली गलिल, बेलगम
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरोप करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के नियम में कोई भी अवधेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भा अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णोत्तम व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृहस्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, और उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

मूलभूती

गोंधली गलिल, बेलगम में स्थित हमारत (जगह सहीत) जिस-
का सि. टि. एस. नंबर है 333-8/4

डा. वि. एन. ललितकुमार राव
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, बैंगलोर

प्रस्तुप बाई. टी. एन. एच.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, बैंगलोर

बैंगलोर, दिनांक 3 जुलाई 1981

निवेश सं. 345/81-82—यतः मुझे, डा. वि. एन.
ललितकुमार राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. बंगला वि. नि. 59 जि. एल. आर. नंबर
198 है, जो क्यांप, बैलगम में स्थित है (और इससे उपाध्य
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रिकर्ट अधिकारी
के कार्यालय, बंगलम अंडर डाक्युमेंट नंबर 3622 दिनांक
26-2-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाख प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
क्षल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इसे किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
करने या उक्ते दायित्व में सुविधा के लिए;
जौह/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
आय किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षा:—

(1) (1) श्रीमती विमलाकाश वीरगौडा देसाइ, (2) श्री
लिंगांडा वीरगौडा देसाइ, (3) श्रीमती विसया
दौलतगौडा पाटिल, (4) कुमारी निमला वारगौडा
देसाइ घर नं. 225, टिलकवार्ड, बेलगम
(अन्तरक)

(2) (1) श्री किशोर पुरशोल्लम प्रधान, (2) श्रीमती
रेखा किशोर प्रधान, (3) श्रीमती उषा डि. देसाइ,
(4) श्री प्रभात डि. देसाइ नागश्वरी हिल्स बेलगम
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक
भाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
जाता है।

लक्षणी

बैलगम क्यांप में स्थित अगह इमारत कांपींड गौट हैस सहीत
जिसका बंगलो नंबर है बि. सि. 59 और नि. एल. आर.
नंबर है 1981।

डा. वि. एन. ललितकुमार राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, बैंगलोर

तारीख: 3-7-1981
मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, बैंगलोर

बैंगलोर, दिनांक 3 जूलाई 1981

निदेश सं. 346/81-82—यतः मुझे, डा. वि. एन. ललितकुमार राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. डोर नंबर 599 है, जो वार्ड नंबर 5, के वि. बडावणा, डावणगरे में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची में और पूर्ण स्वप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डावणगरे अंडर डाक्युमेंट नं. 5820 दिनांक 5-2-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रनालण लिखित में व्यापक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(1) श्री दिवंगत वि. एन. नारपा के पुत्र श्री वि. एन. हर्ष, मंडिपेट डावणगरे
(अन्तरक)
(2) श्री दिवंगत वि. एन. नारपा के पुत्र श्री वि. एन. राजशेकर मंडिपेट, डावणगरे
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिवृहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रोर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

वार्ड नंबर 5, के वि. बडावण, डावणगरे, में स्थित इमारन (जगह सही) जिसका डोर नंबर है 599/1 से 5।

डा. वि. एन. ललितकुमार राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, बैंगलोर

अतः, अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्यात :—

तारीख: 3-7-1981
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर प्राधिकरण (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, बैंगलोर
बंगलौर, दिनांक 3 जुलाई 1981

निवेश सं. 347/81-82—यतः मुझे, डा. वि. एन.
ललितकुमार राथ,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग
के अधीन सकारा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिपाता उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं. डॉर नंबर 206 (पुराना) नया नंबर 251 है,
जो 4 वार्ड, चामराजपेट, डावणगेरे में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, डावणगेरे, अंडर डाक्यूमेंट नंबर
5820 दिनांक 5-2-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रनन्दित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
पूर्ल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाबंध प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्युत्कर्षों वर्णन :-

(1) श्री दिवंगत वि. एच. नारपा के पुत्र श्री वि. एन.
राजशेकर, मंडिपेट, डावणगेरे

(अन्तरक)

(2) श्री दिवंगत वि. एच. नारपा के पुत्र श्री वि. एन.
हर्षा, मंडिपेट, डावणगेरे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना त्रारी करके पूर्वोक्त प्रधिति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरमध्ये अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
निम्नी अन्य अविक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उक्त प्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

वार्ड नंबर 4, चामराजपेट, डावणगेरे में स्थित इमारत
(जगह सहीत) जिसका डॉर नंबर है 206 (पुराना) नया नंबर
251।

डा. वि. एन. ललित कुमार राथ
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़ बैंगलोर

तारीख: 3-7-1981

मुहूर्त :

प्रलूप आई० टी० एस० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-क(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीकण)

अर्जन रंज, बेंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 9 जुलाई 1981

निर्देश सं. 348/81-82—यतः मुझे, डा. वि. एन. ललितकुमार राव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-क
के अधीन यथा प्राधिकारी को, यत् विवास करने का कारण
है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं. डोर नम्बर 599/1 से 5 और 1107 (भाग-
शाहा) है, जो के. वि. बडावणा, डावणगरे में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, डावणगरे अंडर डाक्युमेंट नंबर
5819 दिनांक 5-2-1981 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

को प्रूफॉक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरक्रमों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरण से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से अन्तिम नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी पाय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक्रम के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या।

(ख) ऐसी किसी पाय या किसी छन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
मन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, तिपासे में
मूल्यांकन के लिए;

(1) श्री विवंगत वि. एन. नारपा के पत्र श्री वि. एन.
मृनियप्पा जे. सि. नगर हूबली
(अन्तरक)

(2) श्री विवंगत वि. एन. नारपा के पत्र श्री वि. एन.
हर्षा, मैडिपेट, डावणगरे
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तसम्बद्धी अवधियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवधियों में से किसी अवधित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तवद्ध
किसी अन्य अवधित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुष्य

1. वाडे नम्बर 5, के. वि. बडावणा, डावणगरे में स्थित
घरान (जगह सहीत) जिसका डोर नंबर है 599/1 से 5 जिसका
2. रेग्लेटेड मार्केट, डावणगरे में स्थित गोडान जिसका
डोर नम्बर है 1107 (भागशाह)।

डा. वि. एन. ललितकुमार राव
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)
अर्जन रंज बेंगलोर

यह अब; उक्त अधिनियम की आरा 269-क के प्रमुखरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269-क की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवधियों, अन्तिः:—

तारीख : 9-7-1981

मोहुर :

प्रश्न प्राइवेटी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज, बैंगलोर
बंगलौर, दिनांक 9 जुलाई 1981

निवेश सं. 349/81-81—यतः मुझे, डा. वि. एन.
ललित कुमार राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सि. टि. एस. नम्बर 4595 है, जो बाड़
नम्बर 1, श्री जयशमराज नगर, हुबकी में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता
अधिकारी को कार्यालय, डावणगेरे अंडर डाक-मैट नम्बर 5819
दिनांक 5-2-1981 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, 19 ()
को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापर्वत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
स्ति, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(1) श्री दिवंगत वि. एन. नारपा के पुत्र श्री वि. एन.
हर्ष, मडिपह, डावणगेर
(अन्तरक)

(2) श्री दिवंगत वि. एन. नारपा के पुत्र श्री वि. एन.
मुनियपा, जे. सि. नगर हुबली
(अन्तरित)

करो यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाक में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए गए सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दावीयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

मन्त्री

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

बाड़ नम्बर 1, श्री जयशमराज नगर हुबली में स्थित इमा-
रन (जगह सहीत) जिसका सि. टि. एस. नम्बर है 4595।

डा. वि. एन. ललित कुमार राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज बैंगलोर

यतः मध्य, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 9-7-1981
मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, बैंगलोर

बंगलूर, दिनांक 25 जुलाई 1981

निर्देश सं. नोटिस सं. 350/81-82—यत मुझे, डा.
वी. एन. ललितकुमार राव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. सर्वे सं. 152/1 से 15 सब डिविजन है,
तथा जो वरका गांव स्थालसीटे नालूका, गोवा में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारगांव, गोवा में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता.

26-12-1980

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
मन्द अधिकारी से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

8—236GT/81

(1) श्री दामोदर कासीनाथ नायीक श्रीमती लीलावती
दामोदर नायीक, कोंबा, मारगांव में वे दोनों रहते
हैं।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स वेस्ट कोस्ट होटेल लिमिटेड, रेप्रेजेन्ट करते
हैं इसके डायरेक्टर श्री वसंतराव एस. डॉपो. डॉपो
हौजस, कांपाल, पंजाब, गोवा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 358/80-81 ता. 26-12-1980)
प्लाट आफ ल्यांड विथ यन एरिया आफ 65,000.00 स्केयर
मीटर्स डिट्याचड प्राम दि प्रायटी नोन याज "कोकोनर गोव",
फस्ट सेकन्ड थड थड ल्यांकोस डि प्रैयास तथा जो वारका ग्राम
पंचायत स्थालसीटे तालूका और गोवा ज़ीला में स्थित है, जिसका
सर्वे सं. 125/1 से 15 है।

डा. वि. एन. ललितकुमार राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज बैंगलोर

तारीख: 25-7-1981

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

21-ब (1) के अधीन लूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 अगस्त 1981

जी. आई. आर. म. के-103/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह विसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'डक्टर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सकार प्राधिकारी को, वह विवास करने का कारण है कि स्थावर संरक्षित, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. 281 है तथा जो चंद्र लोक हाउसिंह कालोनी कुसीं रोड लखनऊ में स्थित है, और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण ताप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकार अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26-12-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रूहमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे वह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्रूहमान प्रतिफल से ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित अन्तरित रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरा से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम ने अधीन हर देने के अन्तरक के बायित्य में हमी नहीं वा पक्षे वारे में तुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावार अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत :—

(1) श्री शान प्रकाश सक्सेना

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कामनी रस्तोगी

(अन्तरिती)

(3) श्री शान अकाश सक्सेना

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए चार्याद्वारा दिया जाएगा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में वकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, न भी न ए पूर्णता व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में उक्त को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितीय किसी मध्य व्यक्ति द्वारा, प्रवधि द्वारा के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि प्लाट नं. 281, क्षेत्रफल 3840 वर्गमील स्थित चन्द्रलोके हाउसिंग कालोनी कुसीं रोड ग्राम शेषपुर व नालार पुर परगाना, तहसील व जिला लखनऊ तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडांड और फार्म 37 जो संख्या 7804 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्टर के कार्यालय में दिनांक 26-12-80 को दिया जा चुका है।

अमर सिंह विसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, लखनऊ

तारीख: 17-8-1981
माहेर :

प्रधान आई. डॉ. एम. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(1) श्रीमती चिणी देवी निगम

(अन्तरक)

(2) श्री मोना जायसवाल

(अस्त्रीरती)

(3) श्री एम. बी. अस्थाना, एम आर तिवारी, एल

प्रसाद, शीतलप्रसाद

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 अगस्त 1981

जी. आई. आर. सं. एम-125/अर्जन—अतः मूँझे,
अमर सिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 50/40 है तथा जो जय नारायण रोड,
हसेनगंज, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 5-12-1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस-
त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्ठाक्रिया :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

आनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भारत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

मकान नं. 50/40 स्थित जय नारायण रोड हूँसन गज
लखनऊ तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडोड और फार्म 37 और
संख्या 7265 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रहस्यस्तार
लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 5-12-1980 के दिया जा
चुका है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

नोट: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जीत है—

तारीख: 17-8-1981
मोहर:

प्रैरुप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री शारदा प्रसाद केसरवानी

(अन्तर्रक्ष)

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राजेन्द्र प्रसाद रस्तोंगी

(अन्तर्रक्षी)

भारत सरकार

(3) बिक्रेता उपरोक्त

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

काम्लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज्ज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 अगस्त 1981

कि वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाटेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताप्रील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावरकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जी. आई. आर. सं. आर-157/अर्जन—अतः मूर्ख, अमर सिंह बिसेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी संख्या 92/88-बी है तथा जो बेरुली सन्दर्भ में स्थित है (और उपावदध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गैतमबुद्धभार्ग लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-12-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भवन संख्या 92/88-बी स्थित बेरुली सन्दर्भ (गैतम बुद्ध भार्ग) शहर लखनऊ तथा वह सम्पर्ण संपत्ति जो सेलडीड और फार्म 37-जी संख्या 7698 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 24-12-1980 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज्ज, लखनऊ

तारीख 17-8-1981
मोहर :-

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

प्रलेख आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 अगस्त 1981

आदेश सं. राज./सहा. आ./1027—यतः मुझे, एम.
एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन पक्षम अधिकारी को, यह विवाद करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. ख. नं. 293, 294 है तथा जो जयपुर में
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पृष्ठ रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 6-1-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्दित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रातिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित पे वास्तविक रूप से नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व वै कमी करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य साहित्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) डा. युधिष्ठिर देव शर्मा पुत्र/श्री सुर्यनारायण जी शर्मा
निवासी सोकियों का रास्ता, किशनगढ़ बाजार,
चौ. तोपखाना देश, जयपुर

(अन्तरक)

(2) श्री नरेश कुमार गोधवानी पुत्र श्री खियल दास,
97 कवर नगर जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए
कार्यालयाद्वारा ही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए अन्तर्दित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रातिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित पे वास्तविक रूप से नहीं किया गया है;

(ख) इस पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए अन्तर्दित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रातिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित पे वास्तविक रूप से नहीं किया गया है।

स्पष्टीकरण:—इनमें प्रयुक्त गड्ढों पाँव पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, न प्रधायाय 20-न में परिवर्तित है,
वही अर्थ द्वारा जो उन प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम विजय महल दशहरा कोठी अन्तर्गत तहसील व जिला
जयपुर में स्थित नं. 293 व 294 में एक प्लाट जिसकी क्षेत्रफल
1007 वर्गमीट है और जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम
संख्या 110 दिनांक 6-1-81 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, जयपुर

तारीख: 17-8-1981

मोहर

प्रस्तुप बाहौ. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 अगस्त 1981

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1032—यतः मुझे,
एम. एल. चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं. ए-48-बी है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
20-1-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से, ऐसे दरमान प्रतिफल का
पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
जा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा '(1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अनुसार :—

(1) श्री अमर सिंह राठौड़ पुन साहूल सिंह जी मुखास
श्रीमति रानीजी देवी चौहान पति श्री एस. के.
चौहान निवासी गली नं. 6, राजापार्क, जयपुर
(अन्तरक)

(2) श्रीमति प्रकाश देवी दुग्ड पति निर्मल कुमार दुग्ड
निवासी कुन्दीगरी के भैरों का रास्ता, जयपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. ए-48-बी मोती डूंगरी स्कीम, शान्तिपथ जयपुर
धनेकल 722-20 वर्गगज जो उप पंजियक जयपुर द्वारा कम
संख्या 228 विनांक 20-1-81 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में
और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, जयपुर
तारीख: 17-8-1981
मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 अगस्त 1981

आदेश सं. राज/सहा. आ. अर्जन/1028—यतः मृद्दु
एम. एल. चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इ० से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और
इससे उपावक्त्व अनुसूची में और पर्ण से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्टा
अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकर्ट अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-12-1980
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
पृथमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यह, सक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थापा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्यात् :—

(1) श्री श्रीकान्त भाटिया पुत्र रूपचन्द्र द्वारा मुस्तार आम
श्री रूपचन्द्र भाटिया, उदयपुर
(अन्तरक)

(2) वेदप्रकाश पुत्र स्वर्गीय करमचन्द्र बाधानी द्वारा प्रकाश
ठाईम इण्डस्ट्रीज, 19 सुरजपाल के बाहर, उदयपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट का हिस्सा, अलकापुरी उदयपुर में जो उप पंजियक,
उदयपुर द्वारा कम संख्या 4156 दिनांक 31-12-80 पर पंजि-
बद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, जयपुर

तारीख: 17-8-1981
मोहर :

प्रलेप आइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 अगस्त 1981

आवेद सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1029—यतः मूर्खे,
एम. एल. चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गय है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी मं. ज्लाट का हिस्सा है तथा जो उदयपुर में स्थित
है, (और इससे उपावध अन्मूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है) रतिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अंधीन, 6-1-81
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया श्रेत-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सिलिंग में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को आबादा, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिनयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री श्रीकान्त भाटिया पूत्र रूपचन्द्र द्वारा मुख्तार आम
श्री रूपचन्द्र भाटीया, उदयपुर

(अन्तरक)

(2) श्री भाम प्रकाश पूत्र स्व. श्री करमचन्द्र वाधानी
द्वारा पकाश दादम इण्डस्ट्रीज, 19 सुरजपोल के
बाहर, उदयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया
है।

मूर्खी

ज्लाट का हिस्सा, अलकापुरी, उदयपुर जो उप पंजियक,
उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 21 दिनांक 6-1-81 पर पंजियक
विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख: 17-8-1981

मोहर []

प्रकृष्ट प्राइंटी.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 अगस्त 1981

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1030—यतः मुझे,
एम. एल. चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25 000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट का हिस्सा है तथा जो उदयपुर में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

3-1-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हूँ इन्हीं किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर होने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकृत नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

9-236GI/81

(1) श्री श्रीकांत भाटीया पुत्र रूपचंद्र बृद्धारा मुख्तार आम
श्री रूपचंद्र भाटीया, उदयपुर

(अंतरक)

(2) श्री चन्द्र प्रकाश पुत्र स्व. श्री करमचंद्र बृद्धारी
बृद्धारा प्रकाश टाइम्स इण्डस्ट्रीज, 19, सूरजपोल
बाजार, उदयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्वाँ भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बृद्धारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुभ
किसी अन्य व्यक्ति बृद्धारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृदूसूची

प्लाट वाके उदयपुर अलकापुरी का हिस्सा जो उप पंजियक,
उदयपुर बृद्धारा कम संख्या 1 दिनांक 3-1-81 पर पंजिक विक्रय
पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, जयपुर

तारीख: 17-8-1981

मोहर :

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रोड, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 अगस्त 1981

आदेश सं. राज/सहा आ. अर्जन/1025—यतः मुझे,
एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी ने यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो नयानगर (ब्यावर) में स्थित
है, (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ब्यावर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

3-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चव ग्रन्थि तथा अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्यावरा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सहायता के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हजारी बल्द खन्नाजी रावत, भागसिंह, लक्ष्मण
सिंह पत्रान कालूजी, धापू देवी बोवा कालूजी रावत
निवासी सिंगाडियां तह., ब्यावर

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेश बन्द बल्द माणकबन्द जी कटारिया,
पीपलिया बाजार ब्यावर एवं महावीर बन्द बल्द मंगल-
बन्द गांधी निवासी सोजतरोड़ पोस्ट सोजत जिला
पाली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मैंजा नयानगर की भूमि साता नं. 421 खसरा नं. 2098
व 2099 कुल रकबा 5 बीघा 5 बिस्ता 10 बिस्ताशी किस्म
बारानी पुरी जो उप पंजियक, ब्यावर द्वारा क्रम संख्या 3689
दिनांक 3-12-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप
से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोड, जयपुर

तारीख: 17-8-1981

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 अगस्त 1981

आदेश सं. राज/सहा. आ. अर्जन/1024—यतः मूर्ख, एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सदाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो व्यावर में स्थित है, (और इससे उपायवृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय व्यावर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और उसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहवां प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से लिखित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक में 'तुझे किसी आय की बाबत; उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तराल के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः ग्रन्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उच्चारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, प्रमाणतः—

(1) श्री हजारी लाल पूत्र धना सिंह, मानूसिंह पूत्र कालू एवं लक्ष्मण सिंह पूत्र कालू सिंह, श्रीमति धायू देवी पर्ति कालू रावत निवासी सिंधरिया तहसील व्यावर (अन्तरक)

(2) श्री माणक चन्द्र पूत्र मिश्रीलाल कटारिया निः सहायी बाजार, व्यावर एवं श्री शान्तीलाल पूत्र मंगल चन्द्र गांधी निः सोजतरांड जिला पाली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इति ने प्रयुक्त गढ़ों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रन्थाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रन्थाय में दिया गया है।

कृपया

सं. नं. 2097, 2100 की 3 बीचा 18 बिस्तोसी कृषि भूमि जो उप पंजियक, व्यावर द्वारा क्रम संख्या 3815 दिनांक 9-12-80 पर पंजियवृद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 17-8-1981
मोहर

प्रधन प्राइवेटी.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, जयपुर

जयपुर, विनांक 17 अगस्त 1981

नाम सं. राज/सहा. आ. अर्जन/1022—यतः मुझे,
एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो नयानगर (ब्यावर)
में स्थित है, (और इससे उपावदध अन्सूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ब्यावर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 10-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पतल हु प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यावर प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण
में, भू, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्री कल्हशालाल शर्मा पुत्र सूरज करन जी शर्मा,
निवासी नैहू नगर, ब्यावर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स महावीर कोलोनाइजर्स, ब्यावर इवारा इसके
भागीदार श्री पारसमल पुत्र पदमसिंह मेड्डतवाल एवं
रामेश्वरलाल पुत्र श्री धूलचन्द्री भूतडा, निवासी
ब्यावर।

(अन्तरिती)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित तर੍हे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त क्षब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, जो अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषिभूमि मीजा नयानगर तहसील ब्यावर खसरा नं. 1963,
1964, 1965 क्षेत्रफल 6 बीघा 5 बिस्ता जो उप पंजियक,
ब्यावर इवारा कम संख्या 3838 विनांक 10-12-80 पर पंजि-
बद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, जयपुर

तारीख : 17-8-1981
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 अगस्त 1981

आदेश सं. राज/सहा आ. अर्जन/1023—यतः मुझे,
एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो व्यावर में स्थित है,
(और इससे उपाबृक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रीजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय व्यावर में, रीजस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
9-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संकर के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पांच ग्राम प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है किसी आय की मावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
मार/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :—

(1) श्री लक्ष्मण मिंहू वल्द लाल सिंह जी भाटी राजपूत,
निवासी दादावाड़ी के पास व्यावर।

(अन्तरक)

(2) श्री बन्धुलाल वल्द मूलचन्द जी, श्रीमति प्रेमवती
पति बन्धुलाल जो जाति सुनार साकिन ग्रजरान
मोहल्ला, व्यावर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास सिर्जित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अमृतसूची

मौजा नयानगर खसरा नं. 1022, 1224 रक्का कुल
4-7-0 का आधा हिस्सा जो उप पंजियक व्यावर द्वारा क्रम
संख्या 3819 दिनांक 9-12-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में
और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, जयपुर

तारीख : 17-8-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

(1) श्री दीपचन्द्र पहाड़िया पुत्र स्व. श्री लूणकरण
पहाड़िया, 'बी' रोड, सरदारपुरा, औफपूर।
(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम सुख पुत्र श्री नथमल टाक, मैनजर, बैंक
आफ बड़ोदा, सहाड़ा जिला भीलवाड़ा।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 अगस्त 1981

आदेश सं. राज/सहा. आ. अर्जन/1026—यतः मुझे,
एम. एल. चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान है तथा जो लाडनू में स्थित है,
(और इससे उपाबृथी अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लाडनू में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
22-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत हो गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का
एन्ड्रू प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

मकान आबादी लाडनू में दीक्षण तरफ स्थित खन्देरा से जो
उप पंजियक, लाडनू द्वारा कम संख्या 871 दिनांक 22-12-80
पर पंजियदृध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित
है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 17-8-1981

माहर :

यतः मम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिक:—

प्रस्तुप बाई टो. एन. एस. -----

(1) श्री जमराम उर्फ जसवन्त सिंह पुत्र श्री मनीराम जाति जाट, निवासी लाधूधाला, तहसील व जिला श्रीगंगानगर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री सुरेश चन्द्र गुप्ता पत्र श्री विश्वनार द्वाल जाति अग्रवाल, निवासी 149 विनोदा बस्ती, श्री गंगानगर।

(अन्तरिक्त)

भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 अगस्त 1981

आदेश सं. राज/सहा. आ. अर्जन/जयपुर—यतः मुझे,
एम. एल. चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी और यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. द्वाकान नं. 65 ए है तथा जो श्री गंगानगर
में स्थित है, (और इसमें उपाख्य अनसूची में और पर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 31-12-1980

का एवरेंजिंस संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दूसरामान प्रतिफल का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरामान प्रतिफल से, ऐसे दूसरामान प्रतिफल का
एन्हें प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती
(अन्तरिक्तियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रेड भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावधार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हर्दौ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहाया
के लिए; और/या

अन्तरक

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सहाया के लिए;

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 17-8-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०—

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रतीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 अगस्त 1981

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जनी/—यतः मेरे,
एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-व के पश्चीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास
करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. दुकान नं. 65 वी है तथा जो श्री गंगानगर
में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पर्याप्त रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर
में, रजिस्ट्रीकरण अधीनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 12-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुजे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया यथा प्रतिफल, निम्नलिखित
उच्चय से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप से लिखित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, इधाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपस्थाता (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मामराज पुत्र श्री मनी राम जाति जाट, निवासी
लाघूवाला, तहसील व जिला श्रीगंगानगर।
(अन्तरक)

(2) श्री ईश्वर चन्द्र अग्रवाल पुत्र श्री कंवरसैन, जाति
अग्रवाल, निवासी 76 डी. ब्लाक, श्रीगंगानगर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप।—

(क) इस पूचना के उपरांत ऐसे प्रकाशन की तारीख
में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर¹
धूचना की तारीख² में 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्णत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के उपरांत में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में
द्वितीय किसी अन्य अवधि द्वारा, अबोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्राधिनियम³ के प्रध्याय 20-क में वरिष्ठावित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं. 65 वी वाके गोल बाजार श्री गंगानगर जो उपरी
पंजियक, श्री गंगानगर द्वारा क्रम संख्या 2368 दिनांक
12-12-80 पर पंजिवद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 17-8-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

श्रावहर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269 च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 अगस्त 1981

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/जयपुर—यतः मुझे,
एम. एल. चौहान,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसको सं. गणेश टाकीज है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित है, (और इससे उपावदध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर में, रजिस्ट्रकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान, प्रतिफल का दन्दह प्रतिशाय से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में फर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
प्राप्ति/या।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-अनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-न के पश्चात्रमें, में, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविस्तयों अर्थात् :—
10—236GT/81

(1) श्री रामकिशन बेहानी पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण बेहानी महेश्वरी, निवासी हनुमानगढ़, द्वारा मैमर्स आनन्द थियेटर, हनुमानगढ़ जंक्शन।

(अन्तरक)

(2) श्री गोपीराम गोयल एडवोकेट पत्र श्री मंगतराम, मकान नं. 1, मत्यानारायण मन्दिर, श्री गंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन्दू दंड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"गणेश टाकीज" श्री गंगानगर में हिस्सा जो उप पंजियक, श्री गंगानगर द्वारा क्रम संख्या 2348 दिनांक 8-12-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 17-8-1981
मोहर :

प्रस्तुति आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रौज़, जयपुर

जयपुर, विनांक 17 अगस्त 1981

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/अथपुर—यतः मुझे,
एम. एल. चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. गणेश टाकीज है तथा जो श्री गंगानगर में
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर
में, रजिस्ट्रकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 11-12-1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्छ उचित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जीर्या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः जब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रामकिशन बंहानी पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण बंहानी
महेश्वरी, निवासी हनुमानगढ़, द्वारा मैसर्स आनन्द
थियेटर, हनुमानगढ़ जवाहन।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश चन्द्र पुत्र श्री गोपीराम गोयल, मकान
नं. 1, सत्यानारायण मन्दिर, श्री गंगानगर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में भी
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

जनूसूची

"गणेश टाकीज" श्री गंगानगर में हिस्सा जो उप पंजियक,
श्री गंगानगर द्वारा कम संख्या 2342 दिनांक 11-12-80
पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित
है।

एम. एल. चौहान
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रौज़, जयपुर

तारीख : 17-8-1981

मोहर [.]

प्रकृष्ट भाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 अगस्त 1981

आदेश स. राज./सहा. आ. अर्जन/जयपुर—यतः मुझे,
एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी संगोष्ठी टाकीज है तथा जो श्री गंगानगर में
स्थित है, (और इससे उपाबृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर
में, रजिस्ट्रकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 8-12-1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रसि-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप संर्कारी नहा किया गया है—

(क) अन्तरण से हट किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्री रामकिशन बेहानी पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण बेहानी
महेश्वरी, निवासी हनुमानगढ़, ब्वारा मैसर्स आनन्द
थियेटर, हनुमानगढ़ ज़क्षन।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार गोयल पुत्र श्री गोपीराम गोयल,
निवासी मकान नं. 1, सत्यानारायण मन्दिर, श्री
गंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रेद भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधिक बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

"गणेश टाकीज" श्री गंगानगर में हिस्सा जो उप पंजियक,
श्री गंगानगर ब्वारा कम संख्या 2345 दिनांक 8-12-80
पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित
है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 17-8-1981

मोहर :

अत. बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

प्रलूप आशू. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 अगस्त 1981

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/जयपुर—यतः मुझे,
एम. एल. चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं. गणेश टाकीज है तथा जो श्री गंगानगर में
स्थित है, (और इससे उपाबृक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर
में, राजस्ट्रकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 6-12-1980
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करते या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री रामकिशन बेहानी पूर्व श्री लक्ष्मीनारायण बेहानी
महेश्वरी, निवासी हनुमानगढ़, इवारा मैसर्स ऑफिस
शियर्टर, हनुमानगढ़ जक्षन।

(अन्तरक)

(2) श्री राधेश्याम गोयल पत्र श्री गोपीराम गोयल, निवासी
मकान नं. 1, सत्यनारायण मन्दिर, श्री गंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
ब्रह्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

"गणेश टाकीज" श्री गंगानगर में हिस्सा जो उप पंजियक,
श्री गंगानगर द्वारा क्रम संख्या 2346 दिनांक 6-12-80
पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित
है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 17-8-1981
मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती रामेश्वरा नो. सण।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) भैंसर्स मजिस्ट्रिक सिनिमा।

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, एरणाकुलम्,

क्रोम्चन-16, दिनांक 11 अगस्त 1981

निवेश सं. एल. सी. 528/81-82—यतः मुझे, टी
जेड. माणि,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, जो आरक्कल में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आरक्कल में
भारतीय राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 18-12-1980
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उपयोग प्रतिफल से ऐसे उपयोग प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मनुसूची

49. 860 Cents of leased with a theatre in Sy. No. 222 of
Narakkal Village.

टी. जेड. माणि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, एरणाकुलम्

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, से, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

तारीख : 11-8-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री फ्रान्सि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) फिलोमिना जोसफ एण्ड सन्स

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम,

कोच्चिन-16, दिनांक 11 अगस्त 1981

निर्देश सं. एल. सी. 529/81-82—यत् मुझे, टी.
जेड. माणि,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सप्तित त्रिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं अनुसूची के अनुसार है तथा जो एरणाकुलम
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम
में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, 5-12-1980

को पूर्वोक्त सप्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सप्तित का उचित बाजार मूल्य,
दरमान प्रतिफल से एसे दरमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित
में खासविक रूप से की थित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सप्तित के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सप्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन वाले तारीख स 45
दिन की अवधि या तत्त्वाभन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सप्तित में हित-
दूष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के बध्याय 20-क म परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय म दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

19. 250 Cents of land with building in Sy No. 567 of
Ernakulam Village.

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

टी. जेड. माणि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 11-8-1981

मोहरः

रुपय आई० टी० एन० एम० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम,

क्रेच्चिन-16, दिनांक 11 अगस्त 1981

निवैश सं. एल. सी. 530/81-82—यह: मुझे, टी.
जेड. माणि.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (और इसे उपावधि अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), यजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकरन निम्ननिम्नित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वासनविहृत रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्किल के लिए;

प्रतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में यैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत:—

(1) श्री अब्दुल्ला कुट्टि, सुहरा और आस्याउम्मा
(अन्तरक)

(2) श्री कोचासेफ
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोद्दृताकारी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाधीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और फर्दों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रधाय 20-क में परिचायित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

15. 454 Cents of land in Sy. No. 410/4 and 410/5 of Ernakulam Village.

टी. जेड. माणि
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 11-8-1981

मोहर :

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचिंचन-16, दिनांक 11 अगस्त 1981

निदेश सं. एल. सी. 531/81-82—यतः मुझे,
 टी. जेड. माणि,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसना उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु. से अधिक है

और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में
 स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 15) के अधीन,
 दिनांक 22-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 जसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व
 में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

यतः यदि, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
 में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभाय (1)
 के अधीन निम्नलिखित अविक्षियों अधितः:—

(1) श्री मुहम्मदताली एन्ड अदरेस
 (अन्तरक)
 (2) श्रीमती राधामणी
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो
 भी प्रवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति प
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिवृद्धताकारी के पांच
 लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
 अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिचालित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

12. 890 Cents of land in Sy. No. 410/4 and 410/5 of
 Ernakulam Village.

तारीख: 11-8-1981

मोहर :

टी. जेड. माणि
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, एरणाकुलम

प्रस्तुप आइं.टी.एन.एस.-----

(1) श्री सर्वेन्महम्मत, अब्दुलअसीस और श्रीमती सुहरा
(अन्तरक)आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना(2) श्री इश्कुण्ण, रामकृष्ण, पर्विन और लाल
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकार (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, एरणाकुलम्

कोर्टिचन-16, दिनांक 11 अगस्त 1981

निदेश सं. एल. मी. 532/81-82—यतः मुझे,
टी. जेड. माणि,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवाह संकरने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में
स्थित है (और इससे उपावधि अनुसूची में और पर्ण स्तर से
वर्णित है), रीजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में
भारतीय रीजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 22-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह संकरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे हस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है।--

क्योंकि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यदाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी वास्तेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सूचिधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भत्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिधा के लिए;

18.016 Cents of land with building in Sy. No. 410/4 and 410/5 of Ernakulam Village.

टी. जेड. माणि

सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, एरणाकुलम्

यतः जग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

11-236GI/81

तारीख: 11-8-1981

मोहर :

प्रृष्ठ प्राइ.टी.एन.एस.-----

(1) श्री अब्दुल खादर

(अन्तरिक्ष)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती अच्छाम्मा

(अन्तरिक्ष)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, एरणाकुलम
कोच्चि-16, दिनांक 11 अगस्त 1981

निदेश सं. एल. सी. 533/81-82—यत मुझे,
टी. जेड. माणि,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 22-12-1980
को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्तीक रूप से कठित नहीं किया गया है :--

को यह सूचना आरी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की वैधिक या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीफ में 30 दिन की वैधिकी, जो भी
वैधिक बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक सम्पत्ति
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीकों
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थी अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

11,590 Cents of Land in Sy. No. 410/4 and 410/5 of Erna-
kulam Village

टी. जेड. माणि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, एरणाकुलम

तारीख 11-8-1981
मोहर :

यतः यद, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

प्रूष आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री जे. डानियल

(अन्तरक)

(2) श्री एन. मुरलीधरननाथर और के. हैमवती
(बन्तरकर्ती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोटि४न-16, दिनांक 13 अगस्त 1981

निदेश सं एल. सी. 534/81-82—यतः मुझे,
टी. जे. डी. माणि,
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं अनुसूची के अनुमार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपाधिध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रीजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रीजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20-12-1980
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य को कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

क्षे यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्त-बूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूचिधा का सिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूचिधा के लिए;

अनुसूची

6.636 Cents of Land with a building in Sy. Nos. 2510/1 & 2, 2371/2 of Ernakulam Village.

टी. जे. डी. माणि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख 13-8-1981
मोहर

अत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरणे
में, भौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

प्रासूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चि-16, दिनांक 19 अगस्त 1981

निवेश सं. एल. सी. 535/81-82—यतः मुझे,
टी. जेड. माणि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी स. अनुसूची के अनुसार है, जो तिरुवनन्तपुरम
में स्थित है (आर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तिरुवनन्त-
पुरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 18-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे हृष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चतर से उच्च अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(1) श्रीमती उषा दिनेश

(अन्तरक)

(2) श्री एम. पी. लारन्स अमला लारन्स

(अन्तरिती)

के यह सूचना घारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण में हृष्ट किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्था अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

7½ Cents of Land with building is Sy. No. 1838-A/3 in
Vanchiyoor Village.

टी. जेड. माणि
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

यतः यत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

तारीखः 19-8-1981

मोहरः

प्रध्यप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री एन. वी. लाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती वी. सी. सुहरा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रंज, एरणाकुलम्

कोर्टिजन-16, दिनांक 19 अगस्त 1981

निवेद सं. एल. सी. 536/81-82—यतः मुझे,
टी. जेड. माणि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, जो मट्टाव्हेरी में
स्थित है (और इससे उपावृथ अनुसूची में और पर्याप्त रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोर्टिजन में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 12-12-1980.

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अंतरिती
(अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्त्वसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

(क) अन्तरण से हृहै किसी आद की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(क्ष) ऐसी किसी आद या किसी धन या अन्य वास्तवियों
का, जिन्हें भारतीय आद-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा
के लिए;

12 Cents of land with building in Sy. No. 28/1 & 9 in
Mathancherry Village.

टी. जेड. माणि

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रंज, एरणाकुलम्

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

तारीख: 19-8-1981

मोहर:

प्रस्तुत आहे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(1) श्री एन. पी. लाल

(अन्तरक)

(2) श्री हार्षि पी. एफ. मुहम्मद इब्राहिम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 19 अगस्त 1981

निवांश सं एल. सी. 537/81-82—यतः मुझे,
टी. जेड. मार्णि,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. सं अधिक है
और जिसकी सं अनुसूची के अनुसार है, जो मट्टाश्वरी में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोच्चिन में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 12-12-1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी वाक्येय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

9. 4.30 Cents of land in Sy. No. 28/1 etc. in Mathancherry
Village.

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तीय को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगवार्ष अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

टी. जेड. मार्णि
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलम

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्भात् E—

तारीख: 19-8-1981

मोहर:

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री एन. वी. लाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्रीमती वी. सी. सुहरा

(अन्तरिती)

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोंचिंचन-16, दिनांक 19 अगस्त 1981

निदेश सं. एल. सी. 538/81-82—यतः मुझे,
टी. जेड. माणि,
आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, जो मट्टात्रचेरी में
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय कोंचिंचन में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 12-12-1980
को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
के कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमदारों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
उन्नत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था इधान में
सुविधा के लिए;

8.770 Cents of land in Sy. No. 28/1 etc. in Mathancherry
Village.

टी. जेड. माणि

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख 12-8-1981

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

(1) श्री एन. पी. लाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्रीमती वी. सी. सुहरा

(अन्तरिती)

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

कोंचिचन-16, दिनांक 19 अगस्त 1981

निदेश म एल मी 539/81-82--यत मुझे,
टी. जेड माणि,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक हैऔर जिसकी में अनुसूची के अनुसार है, जो मट्टाश्वरी में
स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोंचिचन में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 12-12-1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रौद्योक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
रूप से कठित नहीं किया गया है--(क) अम्तरण से हाइ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहित
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में
सहित के लिए;

अनुसूची

20.675 Cents of land with building in Sy. No. 28/1 etc. in
Mathancherry Village.टी. जेड. माणि
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलमअतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षातः-तारीख : 19-8-1981
मंडेहर :

प्रस्तुप आहू टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, जालंधर

जालंधर, 18 अगस्त 1981

निदेश नं. ए. पी. 2712—यतः मऱ्हे, आर. गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी में जैसा कि अनुमूली में लिखा है तथा जो जैसों
में स्थित है (और इससे उपाधिक अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जैसों में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मऱ्हे यह विश्वास करने
का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हूँ इन्हें किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—236 GI/81

(1) श्री संसारी लाल, मंगल पाल पुत्र बलाका सिंह,
गांव जैसो जिला फरीदकोट

(अन्तरक)

(2) श्री संजीव कुमार पुत्र बृज लाल गांव जैसो जिला
फरीदकोट।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में लाल रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

बन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 1125 विसम्बर
1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जैसो ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, जालंधर

तारीख: 18-8-1981

मोहर :

प्रकृष्ट आर्ह.टी.एन.एस.-----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जालंधर

जालंधर, 18 अगस्त 1981

निदेश नं. ए. पी.—यह: मुझे, आर. गिरधर,
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी ये यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाखार मूल्य
25,000/ रु. में अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जैसों
में स्थित है (और इससे उपाबूध में अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जैसों
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख विसंवर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यमान प्रतिफल से, ऐसे व्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिष्ठान से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्री परशोत्तम कुमार तथा कश्मीर सिंह पुत्र बलाका
सिंह गांव जौतो जिला फरीदकोट।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेश कुमार पुत्र बज लाल गांव जौतो जिला
फरीदकोट

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उक्त नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में वर्णियता
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि दिलेख नं. 1126, विनांक
दिसम्बर 1980 को राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जौतो ने लिखा है।

अनुसूची

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीण)
अर्जन रोज, जालंधर

तारीख: 18-8-1981
मोहर:

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्धातः--

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, जालंधर

जालंधर, 18 अगस्त 1981

निवेदा नं. ए. पी. 2715—यतः मुझे, आर. गिरधर, वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ब के वायीन संधर्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो नरेन्द्र पुर में स्थित है (और इससे उपावहूष में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मान्सा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रत्यन्तरितियों) के भी इसे अन्तरण के निम्न तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त प्रत्यन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कठित भी किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी भाव को बायत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या बन्ध वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन विन्मालिकित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

(1) श्रीमती बलबीर कौर माता श्री बलजिन्द्र सिंह पूर राजिन्द्र सिंह, गाव नारेन्द्र पुर तहि. मानसा जिला मण्डणा

(अन्तरक)

(2) श्री अरमिन्द्र सिंह पूर तेजिन्द्र सिंह गाव नारेन्द्र पुर तहि. मानसा जिला भाट्टिण्डा

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर न. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवहूष है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याकेप :—

(क) इस मृछा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद भी समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवहूष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होणा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 5889 दिनांक मार्च 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा ने लिखा है।

आर. गिरधर
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज, जालंधर

तारीख: 18-8-1981
मोहर ६

प्रलेप भाई० दी० एन०, एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, जालंधर

जालंधर, 18 अगस्त 1981

निवेश नं. ए. पी. 2716—यतः मुझे, बार. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन प्रश्न प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो नारेंड्र पुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय मानसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981

को प्रवौद्ध सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि विधायकीन सम्पत्ति का अंचल बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अनुद्वय प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रतिरिती (प्रतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तर गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी ग्राम की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिल में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या ग्रामी बन या अन्य ग्राहितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए ;

यतः, घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राहीत :—

(1) श्रीमती बलबीर कौर मासा श्री ज्वरिन्द्र सिंह पूर राजिन्द्र सिंह गंव नारेंद्र पुर तहि. मानसा जिला भट्टिण्डा।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरप्रीत सिंह पूर तेजिन्द्र सिंह गंव नारेंद्र पुर तहि. मानसा जिला भट्टिण्डा

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं. 2, में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवश्ध है)

को यह सूचना जारी नहीं प्रवौद्ध सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रवैत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राही :—

(क) इस सूचना के राजत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की प्रवृत्ति या तर्क्षबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की प्रवृत्ति, जो भी प्रवृत्ति बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर प्रवौद्ध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्ध किसी ग्राही व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिमाणित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 5890 विनाक मार्च 1981 को रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी मानसा ने लिखा है।

आर. गिरधर
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, जालंधर

तारीख, 18-8-1981
मोहर

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, जालधर

जालधर, 18 अगस्त 1981

निदेश नं. जं. पी. 2716—यह मुझे, आर गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो
माडल टाउन रोड जालधर में स्थित है (और उपावद्ध में
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय जालधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री कैट्टन भारत राम पुत्र वसन राम मुख्तयार आम
मादा वंती पत्नी कैट्टन भगत राम, 98 चर्च रोड,
जगपुरा, नदर दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री जगवीर सिंह पुत्र कपूर सिंह वासी, 573,
माडल टाउन जालधर। अब 34-35, नदू मारकीट,
टाउन जालधर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उक्त नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 5665, विनांक
दिसम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालधर ने लिखा
है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, जालधर

तारीख 18-8-1981
मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

संघर्षकालीन आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालधर

जालधर, 18 अगस्त 1981

निवास न. ए पी 2718—यत म्‌फे, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो माडल टाउन रोड जालधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्‌फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ जिसी आय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए कार/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री कौपेटन भगत राम पुत्र बसत राम मुस्तयार आम माया वंती पत्नी कौपेटन भगत राम, 98, अर्च रोड, जगपुरा नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री हरजीत सिंह पुत्र कपूर सिंह वासी 573, माडल टाउन जालधर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर न 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

वो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 5692, दिनांक दिसम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालधर ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
संघर्षकालीन आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालधर

तारीख 18-8-1981

मोहर:

प्रस्तुप थाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालंधर

जालंधर, 18 अगस्त 1981

निवेद नं. ए. पी. 2719--यतः मुझे, आर. गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर मंपति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और
पूर्ण रूप में अंगृहीत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख दिसम्बर 1980,

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के छव्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छव्यमान प्रतिफल से, एसे छव्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरित
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्रवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री हरदय भिंह पूर्ण हरकिशन सिंह आम तथा
मुस्तथारे आम कलादीप वार पत्नी हरकिशन सिंह
और (2) सूशील पत्नी कौष्ठन चरनजीत सिंह और
(3) गजिन्द्र बांज पत्नी मंताल भिंह बासी बस्ती बादा
ब्लॉक जालंधर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सवरन जैन पत्नी श्रीपाल, नरेश जैन पूर्व श्री-
पाल, चैन लाल जैन पूर्व हंस राज, पूज्यन्द्र कुमार
पूर्ण डाक्टर माहिव द्याल जैन, और सुनील कुमार
पूर्ण पदम कुमार बासी, 248, लाजपत नगर,
जालंधर।

(3) जैसा कि उपर नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति समिलित में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 5586, दिनांक
दिसम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकरी अधिकारी जालंधर ने लिखा
है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालंधर

तारीख: 18-8-1981
मोहर:

प्रूष पार्ष. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, 18 अगस्त 1981

निदेश नं. ए. पी.—यह: मुझे, आर. गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
बस्ती शेष जालंधर में स्थित है (और इससे उपावृष्ठ में अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख दिसंबर 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्निक्षित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व में
कठी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगमार्थ अन्तरिती दबारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवृद्ध था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यह: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्रीमर्दा मेल कौर पत्नी बस्तीश सिंह तथा केहरसिंह
काबूल सिंह पुत्र प्रखन सिंह बस्ती शेष, जालं-
धर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गुरचरण कौर पत्नी रोशन सिंह बस्ती
इ०. डब्ल्यू. एम. 325, बस्ती शेष, जालंधर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर न. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितवृष्टि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिनिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ॥

मलूमती

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 5446, दिनांक
सितम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा
है।

आर. गिरधर
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालंधर

तारीख: 18-8-1981

मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 18 अगस्त 1981

निवेश नं. ऐ. पी. 2721—यतः मुझे, आर. गिरधर, भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, वह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो लधेवाली में स्थित है (और इससे उपावृक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष्यत् प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा वाया गया प्रतिफल के निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वावित्व में कठीन करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/का

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

10—236GI/81

(1) श्री सरबजीत सिंह पुत्र कर्नल नरायण सिंह गांव लधेवाली तह, जालंधर।

(अन्तरक)

(2) बच्चन सिंह पुत्र बिहारी लाल वासी मकान नं. बी-12-172, राजिन्द्र नगर, लाडोवाली रोड जालंधर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आँखेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो इस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचयित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

कृत्तुमी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 5756, दिनांक दिसम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

आर. गिरधर
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालंधर

तारीख: 18-8-1981

मोहर :

प्रसुप्त आई. टो. एन. एस. —————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन मूल्य।

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 18 अगस्त 1981

निदेश नं. ए. पी. 2722—यत. मुझे; आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो लघेवाली में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुत्तरित की बई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरज के लिए तय पाया गया प्रति. फल निम्नलिखित उक्त से उक्त अन्तरज जिल्हा में बास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरज से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा ने लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिश्चा के लिए;

बतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री सरबजीत सिंह पुत्र कर्नल नारायण सिंह गांव लघेवाली, तह. जालंधर।
- (2) श्री जगदेव सिंह पत्र बचित्र सिंह पत्र बिहारी लाल दासी मकान न. बी-12-172, राजिन्द्र नगर लाडोली रोड, जालंधर
- (3) जैसा कि उक्त नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूल्यांकन जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के प्रते न हमें न कोई भी ग्राहकः—

- (क) इस मूल्यांकन के राजस्व में प्रकाशन की तारीख पे 45 दिन की अवधि या तन्मध्यन्ती व्यक्तियों पर सूचना की तापील मे 30 दिन की अवधि, जो भी प्रत्येक बाद में सपान होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूल्यांकन के राजस्व में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रन्थ दोगा जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि द्विलेख नं. 5992, दिनांक जनवरी, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालंधर

तारीख: 18-8-1981
मोहर :

प्रस्तुप प्राप्ति ० टी० एन० १३०—

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आलंधर

जालंधर, दिनांक 18 अगस्त 1981

निदेश नं. ए. पी 2723—यतः मुझे, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सभी अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० पे परिमित है

और जिसकी में जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो लिदडा में स्थित है (और इसमें उपाबृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घटनारित हो गई है प्रीर मुझे यह जिज्ञासा करने का कारण है कि प्रायोजीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, गंभीर दृश्यमान प्रतिफल का पग्ढन प्रतिशत से अधिक है प्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए न किया गया प्रातःकाल निम्ननिवित उद्देश्य में उक्त सम्पत्ति में वास्तविक कारण में कठिन नहीं किया गया है।—

(क) घन्तरण से लूट किसी आय को बाबत, उक्त सम्पत्ति के अधीन कर देने के अन्तरक के दाविद्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। श्रीर

ख। ऐसी किसी आय को बाबत, उक्त सम्पत्ति के जिन्हें भारीए आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकृत नहीं किया जाय वा या किया जाना चाहिए वा, कियाने में सुविधा के लिए।

भ्रत। मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त प्रस्तरिती की धारा 269-व की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

(1) श्री कलबीर सिंह, लखबीर सिंह और सुरिंदरपाल सिंह पूर्व उत्तम मिह, गांव कलयान पुर तह, जालंधर (अन्तरक)

(2) श्री गुरदेव सिंह, हरमिंद्र सिंह और चरह सिंह पूर जमी सिंह, गांव लिवडा तह, जालंधर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि उक्त नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता कि वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्राप्त्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उम प्राप्त्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 5653, दिनांक दिसम्बर, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालंधर

तारीख: 18-8-1981
मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 18 अगस्त 1981

निस्त्री नं. ए. पी. 2724—यत. मुझे, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो नरनाला कलां में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवां शहिर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1980 कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में फ़र्जित नहीं किया गया है

(क) अन्तरण से तुर्ई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्री गुविन्द सिंह पुत्र अजीत सिंह गांव बरनाला कलां तह. नवां शहिर।

(अन्तरक)

(2) श्री मनजीत सिंह, राजिन्द्र सिंह व परमजीत सिंह पुत्र गुरचरन सिंह मकान नं. 81/1 मोहल्ला गोविन्दगढ़ तह. नवां शहिर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं. 2, में लिखा है।

(4) जो अवित्त सम्पत्ति में रुपांतर होता है।
(वह अवित्त, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी आनता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बल्दी अविक्षियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षि द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षि द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमार्जित हैं, वही पर्यंत होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति स्था अवित्त जैसा कि विलेख नं. 3177, दिनांक दिसम्बर, 1980, को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नवां शहिर ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालंधर

तारीख: 18-8-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालधर

जालधर, दिनांक 18 अगस्त 1981

निदेश नं. पी 2725—यत मुझे, आर गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संज्ञाका अनुसूची में लिखा है तथा जो गाव
जकपुर खूरद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख दिसंबर 1980 को
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च कों उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैरज गोदान्द रईस और जनरल मिल लौहिया
द्वारा श्री शंकर सिंह पुत्र उजागर सिंह वासी लौहिया
एस, (2) वस्तुत सिंह पुत्र हरनाम सिंह, (3) साधु
सिंह पुत्र हरनाम सिंह (4) करनैल सिंह पुत्र हरनाम
सिंह (5) प्रीतम सिंह पुत्र भगत सिंह वासी सलतान-
पुर (6) परमजीत सिंह पुत्र वचन सिंह वासी नवापिड-
दीनीवाल तह नोकादर

(अन्तरक)

(2) मैर्सर्ज न्यू सावत गुर्जा और जनरल मिल लौहिया,
तहसील नकादर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं. 2 में लिखा है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 1748, दिनांक
दिसंबर 80 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शाह कोट ने लिखा
है।

आर गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालधर

तारीख 18-8-81

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

ग्राम प्राधान गम, 1961 (1961 का 43) को वारा

269-घ (1) ह अधीन सूचना

भारत भरका

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालधर

जालधर, दिनांक 18 अगस्त 1981

निदेश नं. ए पी 2726—यत मुझे, आर गिरधर अथ ८८ अधिनियम, 1961 (1961 का 43), और उसे इनमें इसके अधीन 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि द्वावर अपनी निपत्ति उक्त बाजार पूर्व 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी संज्ञा कि अनुसूची में लिखा है तथा तो फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1980 वाले पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण + उक्त किसी आग की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी नहीं या उससे बचे में मुविधा के लिए; पौरथा

(ब) ऐसी-किसी ग्राम या फिरी धन या अन्य आस्तिया तथा जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

(1) श्री सांमदत्त दत्तरा पुत्र राम सरन दास मुख्योर आम सर्वश्री राज कुमार अशोक कुमार सुपुत्र राम प्रकाश वासी सेटल टाउन फगवाड़ा

(अन्तरक)

(2) श्री सुरजीत सिंह पुत्र उजागर सिंह वासी सेटल टाउन फगवाड़ा

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं 2 में लिखा है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में राज्य रखता है
(वह व्यक्ति जिसे बार गे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के प्रक्रिया में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीन से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस दृता हे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 15 दिन के भीतर उक्त राज्यावार सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किये जा सकेंगे।

प्रष्टीकरण :— इसमें प्रत्यक्त गब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अन्य होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 2275, दिनांक दिसंबर 80 को राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा ने लिखा है।

आर गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालधर

तारीख 18-8-81
मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 18 अगस्त 1981

निदेश नं. ए. पी. 2727—यतः मुझे, आर. गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उक्त के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
जालंधर में स्थित है (आर. इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जालंधर में रजिस्ट्रीकारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख दिसंबर 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उम्मेल दृश्यमान निकल से, एम्पेर दृश्यमान प्रतिफल का
बहुद्दृष्टि प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा गया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
बीर/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उसके
के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिखाने पर गिरावं
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री यमन लाल पुत्र राम चन्द जैन वासी एन डी-48
विक्रमपुरा, जालंधर

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश कुमार पुत्र कास्तूरी लाल, श्रीमती निर्मल
कुमारी पत्नी परजन कुमार श्रीमती शनिडी देवी जैन
पत्नी कस्तूरी लाल, श्रीमती विनोद जैन पत्नी विनोद
कुमार, कमला जैन पत्नी सुदर्शन कुमार जैन, किरन
जैन पत्नी प्रमोद कुमार वासी 403-404 आदर्श
नगर, जालंधर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं. 2 में लिखा है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्वेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्त्त होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूचा

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 5367, दिनांक
दिसंबर 80 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर नं लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालंधर

तारीख: 18-8-81

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नियंत्रण)

अर्जन रेंज, जालधर

जालधर, दिनांक 18 अगस्त 1981

निदेश नं. पी 2728—यह मुझे, आर गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी में जैसा कि अनुमूली में लिखा है तथा जो
अर्जन की में स्थित है (आगे इससे उपाध्यक्ष अनुमूली में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हाँशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इसमान प्रतिफल से, ऐसे इसमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कर्मी करने या उससे बचने में संविधा के लिये;
और/या

(ख) एम्बी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिलयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

उक्त अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्गीत :—

(1) श्री अमरीक शिंह बलदीर मिह सुपुत्र निरजन सिंह
वासी अजराम जिला हाँशियारपुर
(अन्तरक)

(2) श्री मुलख मिंह सपुत्र रघनीर मिह वासी अजराम,
हाँशियारपुर
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न. 2 में लिखा है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रजिस्ट्रीकरण करने का
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति और सम्पत्ति जैसा कि विनेंब न. 3848, दिनांक
दिसम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हाँशियारपुर ने
लिखा है।

आर गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (नियंत्रण)
अर्जन रेंज, जालधर

तारीख: 18-8-81
मान्दुरङ्ग

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रभीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 18 अगस्त 1981

निदेश नं. ए. पी. 2729—यतः मुझे, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका, उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाडा में 'स्थित है' (और इसमें उपादवध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाडा में रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकर्ता निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिकर्ता निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(अ) प्रतिकर्ता ने ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरके दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी बन या अम्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाबाबू अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा रे लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपलादा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों पर्यात्:—

14—236GI/81

- (1) श्री अजागर सिंह पुत्र नंद सिंह वासी जी. टी. रोड, फगवाडा
- (अन्तरक) (2) श्री रामेन सिंह पुत्र जसवन्त सिंह वासी जगरावा रोड, लूधियाना
- (अन्तरिती) (3) जैसा कि नं. 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोह स्ताक्षरी जानकारी है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्यों द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अवधि या अवित्यों द्वारा अधोह स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति और सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 2343, दिनांक दिसंबर 80 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाडा ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालंधर

तारीख: 18-8-81

मोहर:

प्रलेप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, जालंधर

जालंधर, दिनांक 18 अगस्त 1981

निवेश नं. ए. पी. 2730—यतः मुझे, आर. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं। जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
कपूरथला में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तर्रीती (अन्तर्रीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चवेश से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से है इसी किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या ज्ञान से ज्ञान में सुनिधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तर्रीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना लाहिए था, छिपाने से सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ४—

(1) श्री वरजिंदर सिंह पुत्र राजा हरमिंद्र सिंह मस्तियार
आम, उषा देवी पती राजा हरमिंद्र सिंह वासी
कपूरथला

(अन्तरक)

(2) श्री मनोहर लाल पुत्र टीकान राम, टाकर देवी पत्नी
मनोहर लाल, योग राज पुत्र मनोहर लाल, नानकी
देवी पत्नी योग राज, तिलक राज पुत्र मनोहर लाल,
निरमला रानी पत्नी तिलक राज, वासी मकान नं.
315-316, मोहला कमावा, कपूरथला

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं. 2 में लिखा है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 2772, दिनांक
दिसंबर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला ने लिखा
है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, जालंधर

तारीख: 18-8-81

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी डी० एच० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269 वा (1) के अधीन सूचना

आरन सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, जालंधर

जालंधर, दिनांक 18 अगस्त 1981

निदेश नं. ए. पी. 2731—यतः मुझे, आर. गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से
अधिक है।

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तग पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई 'कसी गार की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
का अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अन् १, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुत्तरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णातः—

(1) श्री जसविन्द्र सिंह, हरनेक सिंह पुत्र बलवंत सिंह
जोगिन्द्र कौर तथा शरब कौर विधवा बलवंत सिंह
उर्फ़ गुरुटोके सिंह पुत्र बलवंत सिंह वासी गांव काला
टिबा तह: फाजिलका

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती कोशलया देवी पत्नी हजार लाल वासी गली
नं. 6, मण्डी अबोहर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं. 2 में लिखा है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां बढ़ता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मान्वी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-वा में यथा परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में
बिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 2741, दिनांक
दिसम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर ने लिखा
है।

आर. गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, जालंधर

तारीख: 18-8-81
मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

अर्जन रेज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 18 अगस्त 1981

निदेश नं. ए. पी. 2732—यतः मुझे, आर गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और^{पूर्ण रूप में वर्णित है}), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख दिसम्बर 1980
के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित भाग
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल वा
पभूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उच्चवेश से उक्त लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की वाचन, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्यों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम का भारा 269-ग क, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः:--

(1) श्री गोपाल चंद पुत्र राम चंद वासी गली सुन्दर
अशारान, , फौजिलका

(अन्तरक)

(2) श्रीश फकीर चंद, राजिन्द्र पाल तथा सुरिन्द्र कुमार
पुत्र देसे राज बंसल वासी गली नं. 21, गोशाला
रोड अबोहर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं. 2 में लिखा है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबृष्टि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोह भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की, तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र से प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 2502, दिनांक
दिसम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर ने लिखा
है।

आर. गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालंधर

तारीख: 18-8-81

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 व (1) के अधीन मूचन।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 18 अगस्त 1981

निदेश नं. ए. पी. 2733—यतः मुझे, आर. गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गांव पुनीआं में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय,
नवा शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख दिसंबर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
बनाने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
नन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त ग्रन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से रुक्षित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, दर्शात् ८--

(1) श्री मिलखा सिंह पुत्र बावा सिंह गांव पुनोआ तहि-
सील नवा शहर जिला जालंधर

(अन्तरक)

(2) श्री जसविन्द्र सिंह पुत्र अमरीक सिंह गांव बिलगा
तहि: फिलौर जिला जालंधर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं. 2 में लिखा है
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 3074, दिनांक
दिसम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवा शहर ने लिखा
है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालंधर

तारीख: 18-8-81
मोद्दर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 5th August 1981

No. A.35014/1/79-Admn.-II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri Yoginder Nath, a permanent Section Officer of CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis on deputation to the post of Section Officer (Special) for a period from 20-7-81 to 19-10-81, or until further orders, whichever is earlier.

2. On his appointment to the post of Section Officer (Special), the pay of Shri Yoginder Nath will be regulated in terms of the Ministry of Finance, Department of Expenditure O.M. No. F.10(24)B-III dated 4-5-1961, as amended from time to time.

D. S. PAHWA
Section Officer,
for Secretary
Union Public Service Commission

New Delhi-11, the 14th August 1981

No. A-32013/3/79-Admn.I(Vol.II).—In continuation of Union Public Service Commission's notification of even No. dated the 18th June, 1981, the President is pleased to appoint Shri B. Das Gupta, a permanent Grade I officer of the CSS cadre of UPSC, to officiate in the Selection Grade of the CSS as Deputy Secretary in the same office on an *ad hoc* basis, for a further period of 3 months w.e.f. 3-7-1981 to 2-10-1981, or until further orders, whichever is earlier.

Y. R. GANDHI
Under Secretary (Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DIRECTORATE GENERAL, CRPF FORCE

New Delhi-110001, the 21st August 1981

No. O.HI-1594/81-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri D. D. Gupta, an IPS officer of M.P. Cadre as Dy. Inspector General of Police in the Central Reserve Police Force.

2. Shri Gupta took over charge of the post of DIGP CRPF Srinagar (J&K) on the afternoon of 1st August, 1981.

A. K. SURI
Assistant Director (Estt)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA
New Delhi, the 19th August 1981

No. 10/19/81-Ad.I.—The President is pleased to appoint Dr. H. Majumdar, Deputy Director of Census Operations in the office of the Registrar General, India, New Delhi and at present working as Joint Director of Census Operations on *ad hoc* basis, as Joint Director in the scale of pay of Rs. 1500—1800 in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, with effect from the forenoon of the 20th July, 1981 for a period not exceeding one year or till the post is filled in, on a regular basis, whichever is earlier.

2. The headquarters of Dr. Majumdar will be at New Delhi.

3. The above-mentioned *ad hoc* appointment will not bestow upon Dr. Majumdar any claim to regular appointment to the post of Joint Director. The services rendered by him on *ad hoc* basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above mentioned *ad hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the appointing authority without assigning any reason therefor.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

MINISTRY OF LABOUR
LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 5th September 1981

No. 23/3/81-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960=100 increased by eight points to reach 447 (Four hundred and forty seven) during the month of July, 1981. Converted to base : 1949=100 the index for the month of July, 1981 works out to 543 (Five hundred and forty three).

T. YOGANAND,
Dy. Director

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR
GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 5th August 1981

No. 1949/CA.I/75-71.—Shri B. K. Sharma, Audit Officer (Commercial) working in the office of the Member, Audit Board and *Ex-Officio* Director of Commercial Audit, New Delhi has expired on 5-5-1981.

M. A. SOMESWARA RAO
Deputy Director (Commercial)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
COMMERCE WORKS & MISC.

New Delhi, the 14th August 1981

No. Admn.I/2(1)/VII/2003-10.—The Director of Audit, Commerce Works & Misc. New Delhi has ordered the promotion of Shri P. P. Jerath, Section Officer (Audit & Accounts) as temporary Audit Officer on provisional basis in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 w.e.f. 13-7-81 (FN).

G. R. SOOD
Jt. Director

New Delhi, the 24th June 1981

No. Admn.I/2(1)/VII/1413-19.—The Director of Audit CW&M, New Delhi has ordered the promotion of the following Section Officers as temporary Audit Officers of provisional basis in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 w.e.f. the dates indicated against each.

— Shri O. P. Seth—30-4-81 (FN).
Shri K. D. Sharma—9-6-81 (FN).

A. THAPAN
Dy. Director (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,

Trivandrum, the 12th August 1981

No. Estt.A/VII/9-86/Vol.II/154.—The Accountant General, Kerala is pleased to ante-date the substantive appointment of Shri S. Chellappan, Accounts Officer to 1-4-1979.

The Accountant General, Kerala is also pleased to appoint the undermentioned officiating Accounts Officers (Audit and Accounts) of this office in substantive capacity in the Accounts Officers' grade of Rs. 840—40—1000—EB—40 12000 with effect from the date shown against each :—

1. Shri P. U. Mani—1-6-1979
2. Smt. Catheline Issac—1-11-1979
3. Shri T. L. Varkey—1-1-1981
4. Shri T. Velappan Nair—10-1-1981
5. Shri C. J. George—1-3-1981
6. Shri M. J. Mathew—1-5-1981
7. Shri P. Lakshminarayana Sarma—1-6-1981.

D. SIVARAMAKRISHNAN
Sr. Deputy Accountant General (Adm.)

MINISTRY OF DEFENCE
ORDNANCE FACTORY BOARD
DGOF HQRS. CIVIL SERVICE

Calcutta-700069, the 19th August 1981

No. 16/81/A/E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote Shri Yoginder Nath Goswami, Asstt. Staff Officer (Ad-hoc), as Offg. Assistant Staff Officer, in an existing vacancy, without effect on seniority, from 14.7.81 until further orders.

Shri Goswami will be on probation for two years from the date of his promotion.

D P CHAKRAVARTI
ADGOF/Admin.
for Director General, Ordnance Factories.

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 12th August, 1981
IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/1135/76-Admn(G)/4737.—The President is pleased to permit Shri R. Sadasivan an officer of Grade II of the Indian Statistical Service and holding the post of Director of Statistics in this office, to retire from Government service with effect from the 31st July, 1981 (AN)

A. N. KAUL
Dv. Chief Controller of Imports and Exports,
for Chief Controller of Imports & Exports.

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 17th August 1981

No. A-19018/554/81-Admn.(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries is pleased to appoint Shri S. K. Gaur, Junior Accounts Officer, Pay & Accounts Office (Small Scale Industries), New Delhi as Accounts Officer on ad-hoc basis for the period from 20.6.81 to 7.10.81 in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi with effect from the forenoon of 20.6.1981

The 19th August 1981

No. A-19018/521/81-Admn (G).—The President is pleased to appoint Shri Arvind S. Madbhavkar as Assistant Director (Gr. I) (Electrical) at Small Industries Service Institute, Bombay with effect from the forenoon of 17th June, 1981 until further orders.

The 24th August, 1981

No. 12(760)/72-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Guru Swamy, Asstt. Director (Gr. I) (Mechanical) at Small Industries Service Institute, New Delhi as Deputy Dir (Mech.) at Regional Testing Centre, New Delhi with effect from the forenoon of 7th July, 1981 until further orders.

No. A-19018(269)/77-Admn(G).—On attaining the age of superannuation Shri R. S. Suri, relinquished charge of the post of Section Officer in the Office of the Development Commissioner Small Scale Industries, New Delhi on the afternoon of 30th June, 1981.

No. A-19018(504)/80-Admn(G).—On attaining the age of superannuation Shri J. P. Gupta, relinquished charge of the post of Section Officer in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi, on the forenoon of 31st July, 1981.

No. A-19018/523/81-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri S. Ramachandran as Assistant Director (Gr. I), (Electrical) at Directorate of Production Centre, Ettumanoor with effect from the forenoon of 24th July, 1981, until further orders.

C. C. ROY, Dy. Dir. (Admn.)

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES
DIRECTORATE OF VANASPATI, VEGETABLE OILS &
FATS

New Delhi-110019, the 11th August 1981

No. A-11013/1/79-Estt.—In continuation of this Directorate's notification of even number dated the 18th February, 1981, the ad hoc appointment of Shri P. S. Rawat, officiating Senior Hindi Translator in the Ministry of Civil Supplies, as Hindi Officer, has been continued in the Directorate of Vanaspati, Vegetable Oils & Fats in the scale of pay of Rs. 650-30-740-30-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on purely temporary and ad hoc basis with effect from 1st September, 1981 (FN) to 31st December, 1981 (AN) or till the regular incumbent is appointed, whichever is earlier.

P. S. CHEEMA,
Chief Director

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES &
DISPOSALS
ADMIN. SECTION A-1

New Delhi-1, the 13th August 1981

No. A-1/1(906).—Shri V. S. Kashyap, permanent Superintendent and officiating Assistant Director of Supplies (Gr. II) in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay retired from Govt. service w.e.f. 31-7-81 (AN) on attaining the age of superannuation.

S. L. KAPOOR,
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA
(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA
Calcutta-700016, the 11th August 1981

No. 4656B/A-19012(KVK)80-19B.—Shri K. V. Kunnathu is appointed as Asstt. Chemist in the Geological Survey of India on a pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 30.6.1981, until further orders.

No. 4667/A-19012(1-HM)/80-19A.—Shri Hiranmoy Mishra is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 8th June '81, until further orders.

The 19th August 1981

No. 4928B/A-19012(3-PKS)/81-19B.—Shri P. K. Jain is appointed to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India in the minimum of the pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 2-6-1981, until further orders.

V S KRISHNASWAMY,
Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 14th August 1981

No. A-19012(144)/81-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri D. P. Gupta,

Permanent Senior Technical Assistant (Stat) is promoted to officiate as Mineral Officer (Stat) in Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 4th June, 1981

The 17th August 1981

No A-19011(292)/81 Estt A—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri M Brahmanandan, Officiating Senior Technical Assistant (Geology) to the post of Asstt Mineral Economist (Int) in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 28th July, 1981

No. A-19011(293)/81 Estt A—On the recommendation of the Union Public Service Commission the President is pleased to appoint Shri K A Krishna Prasad, Officiating Senior Technical Assistant (Geology) to the post of Asstt Mineral Economist (Int) in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the Afternoon of 25th July 1981

The 20th August 1981

No A 19011(294)/81 Estt A—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri A S Bhalerao Officiating Asstt mining Engineer (group 'B' Post) to the post of Asstt Mineral Economist (Int) (Group 'A' Post) in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 27th July 1981

S V ALI,
Head of Office,
Indian Bureau of Mines

SURVEY OF INDIA

Surveyor General's Office

Dehra Dun, the 14th August 1981

No. E1-5758/594-Managers—The undermentioned personnel are appointed to officiate as Assistant Manager (Map Reproduction), Survey of India in the General Central Service Group 'B' (Gazetted) against the temporary posts in the revised scale of pay of Rs. 650-30-740-15-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of the date as noted against each.—

SI No	Name	Appointed with effect from	Remarks
1	Shri Sujit Roy	1-7-1981	Pay to be fixed according to rules.
2.	Shri Ranjan Suhas Choudhury	15-5-1981	Pay to be fixed at the minimum of the scale of pay prescribed for the post.
3.	Shri Daleep Singh Rawat	20-4-1981	Pay to be fixed according to rules.
4.	Shri Baidya Nath Ghosal	6-5-1981	Pay to be fixed according to rules.
5.	Shri Bibhuti Bhushan Maji	16-4-1981	Pay to be fixed according to rules.
6	Shri Harsh Pati	28-5-1981	Pay to be fixed according to rules.

K. L. KHOSLA, Lt General
Surveyor General of India,

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-110001, the 12th August 1981

No-F12-2(A)/81-Estt—The Director of Archives, Government of India hereby appoints the under mentioned

Officers as Archivist (General) on regular temporary basis with effect from the dates mentioned against each until further orders

Sl No	Name of the Officer	Present Designation	Date of appointment
1	Shri B C Sen	Asstt Archivist Grade I (General) and Offg as Archivist ad hoc basis	31st July, 1981
2	Miss Gulistan Kapadia	Do	Do
3	Sh P Anand Raj (S. C V O)	(against reserved vacancy). Grade I (General)	12th August 1981 (Forenoon)

B. S. KALRA
Administrative Officer
for Director of Archives,
National Archives of India

DIRECTORATE GENERAL ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 20th August 1981

No 5(36)/60 SI—On attaining the age of superannuation Smt C V Andhare, Programme Executive, All India Radio, Nagpur retired from Government service with effect from the afternoon of 30th June, 1981

H C JAYAL,
By Director of Administration,
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, the 14th August 1981

No A-12025(II)/2/80-Est I—On the recommendation of the UPSC, Chief Producer, Films Division appoints Shri H Vasantha Rao to officiate as Cameraman in the Films Division, Bombay with effect from the forenoon of 25th July, 1981 until further orders

The 19th August 1981

No A-12026/4/81-E I—In continuation of Notification of even number dated the 27th May 1981, the Chief Producer, Films Division has appointed Shri K S Nayar, permanent Superintendent in the Films Division, Bombay, to officiate as Assistant Administrative Officer in Films Division, Bombay with effect from the forenoon of 11th July 1981, until further orders, vice Shri S N Singh, Assistant Administrative Officer promoted as Administrative Officer

S. N. SINGH,
Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 19th August 1981

No A 19019/63/77(NMEP) Admin I—The Government of India announces with profound regret the death of Shri C P Vijayan, Assistant Director (Ent) at the Regional Officer for Health & Family Welfare, Bangalore on the 29th May, 1981

No A 12025/18/80-NICD/Admin I—The President is pleased to appoint Dr K V Chandrashekari to the post of Deputy Assistant Director (Mycology) in the National Institute of Communicable Diseases, Delhi in a temporary capacity with effect from 21st July, 1981 (FN) and until further orders;

No. A. 12026/21/80(HQ)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri P. N. Chail, Senior Architectural Assistant Architect, Directorate General of Health Services to the post of Assistant Architect in the same Directorate on a purely *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 24th July, 1981 and until further orders.

No. A. 31013/7/80(CFL)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Smt. Gayatri Biswas to the post of Senior Analyst, Central Food Laboratory, Calcutta, in a substantive capacity with effect from the 9th December, 1976.

The 21st August 1981

No. A. 12025/18/80-NICD/Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Kaushal Kumar to the post of Deputy Assistant Director (Entomology) in the National Institute of Communicable Diseases, Delhi in a temporary capacity with effect from 21st July, 1981 (FN) and until further orders.

T. C. JAIN,
Deputy Director Administration (O&M)

MINISTRY OF IRRIGATION
OFFICE OF THE GENERAL MANAGER
FARAKKA BARRAGE PROJECT

Farakka Barrage, the 22th August 1981

No. F/PF-II/239/9210(6).—Sri Lalu Chand, Inspector of 36 Bn, C.R.P.F. Barapata (Assam) has been appointed on deputation as Security Officer, Farakka Barrage project, Ministry of Irrigation, Government of India, on *ad hoc* basis, for a period of one year with effect from 22-6-81 (F.N.)

R. V. RANTHIDEVAN,
General Manager
Farakka Barrage Project.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNOEL DIVISION

Bombay-400 085, the 4th August 1981

No. PA/81(6)/81-R-IV/894.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officers of the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officers/Engineers Grade SB with effect from the dates indicated under col. 4 against each, in the same Research Centre in an officiating capacity until further orders:—

Sl No.	Name	Post held at present	Date
1	2	3	4
1.	Shri D.P. Saha	Scientific Assistant (C)	1-2-81 (FN)
2.	Shri M. M. Kabli	Do.	Do.
3.	Shri S. T. Sathe	Foreman	Do.
4.	Shri P. C. Ramachandra,	Scientific Assistant (C)	9-2-81 (FN)
5.	Shri M. A. U. Khan	Foreman	1-2-81 (FN)
6.	Shri S. P. Kunwar	Do.	Do.
7.	Shri A. Mishra	Scientific Assistant (C)	Do.
8.	Shri S. P. Nayak	Do.	Do.
9.	Shri C. D. Colaco.	Do.	Do.
10.	Shri V. M. Yadnopaveet	Do.	Do.
11.	Shri R. T. Kulkarni	Do.	Do.
12.	Shri G. S. Deshpande	Draughtsman (C)	Do.

1	2	3	4
13.	Shri A. S. Gokhale	Scientific Assistant (C)	1-2-81 (FN)
14.	Shri V. K. Sahani	Foreman	Do.
15.	Shri V. V. Kulkarni	Scientific Assistant (C)	Do.
16.	Shri K. V. Kamath	Do.	Do.
17.	Shri M. Unnikrishnan	Do.	Do.
18.	Shri M. B. Savena	Do	Do.
19.	Shri G. K. Srivastava	Do.	Do.
20.	Smt. V. S. Bangera	Do.	Do.
21.	Smt. P. N. Junnarkar	Do.	Do.
22.	Shri G. B. Castelino	Forman	Do.
23.	Shri M. R. Gopal	Do.	Do.
24.	Shri K.C. Kunju	Scientific Assistant (C)	Do.
25.	Shri S. V. Jamgaonkar	Draughtsman (C)	Do.
26.	Shri P. S. Nadkarni	Scientific Assistant (C)	Do.
27.	Shri A. D. Kulkarni	Do.	Do.
28.	Shri Debaprasad Hajra	Do.	12-2-81 (FN)
29.	Shri Surendra Nath	Do.	1-2-81 (FN)
30.	Shri C. Chinnaiyan	Do.	Do.

A. SANTHAKUMARA MENON
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 20th August 1981

No. PPED/4(702)/77-Adm. 9531.—Consequent on his transfer to the National Textile Corporation (M.N.) Limited, Bombay (a Govt. of India Undertaking), Shri V. P. Kulkarni, a permanent Upper Division Clerk and an officiating Asstt. Accounts Officer in this Division, relinquished the charge of the post of Asstt. Accounts Officer w.e.f. July 06, 1981 AN.

B. V. THATTE,
Administrative Officer

NARORA ATOMIC POWER PROJECT
NAPP Township, the 17th August 1981

No. NAPP/Adm/1(16)/81-S/9869.—Consequent upon the expiry of his deputation terms, Shri Mahendra Kumar, Section Officer (Accounts), in the office of the Controller General & Defence Accounts on deputation as Assistant Accounts Officer in Narora Atomic Power Project, relinquished charge of his post on reversion to his parent department in the afternoon of July 30 1981.

R. K. BALI,
Administrative Officer III

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400001, the 20th August 1981

No. DPS/23/3/79-Est/17040.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Kanjirakkattu Essac George, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer (Ad-hoc) in the

scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same directorate from May 6, 1981 (FN) to June 20, 1981 (AN) vice Shri I. P. Menon, Assistant Stores Officer granted leave.

K. P. JOSEPH,
Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 17th August 1981

No. AMD-1/6/79-Adm.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Som Nath Sachdeva, permanent Assistant and officiating Hindi Translator in the Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1-8-1981 until further orders.

No. AMD-2/2979/80-Adm.—The resignation tendered by Shri M. Ramesh, from the post of Scientific Officer/SB in the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy has been accepted by the Director, Atomic Minerals Division with effect from 23rd February, 1981 (A.N.).

No. AMD-2/3156/81-Adm.—The resignation tendered by Shri Jishnu Dutta Goswami from the temporary post of Scientific Officer/SB in the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy has been accepted by the Director, Atomic Minerals Division, with effect from July 21, 1981 (A.N.).

The 19th August 1981

No. AMD-2/2982/80-Adm.—The resignation tendered by Shri Rama Murthy Sridhar from the post of Scientific Officer/SB in the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy has been accepted by the Director, Atomic Minerals Division, with effect from 7-1-1981 (FN).

M. S. RAO,
Sr. Administrative & Accounts Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

New Delhi, the 12th August 1981

No. A. 31013/1/80-VE.—The President is pleased to appoint Sh. B. S. Gidwani as Director General of Civil Aviation with effect from 4-9-78 in a substantive capacity.

VISHNU BHAGWAN,
Director

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 22nd August 1981

No. A. 38019/I/E-I.—The undermentioned officers of India Meteorological Department have retired from the Government service on the dates mentioned against their names, on attaining the age of superannuation :

S.	Name	Designation	Date on which officers retired
S/Shri			
1.	P. Raghava Rao	Assistant Meteorologist	30-6-1981
2.	J. J. Singh	Do.	30-6-1981
3.	D. S. V. Rao	Do.	31-7-1981
4.	K.S.V. Rajagopalan	Do.	31-7-1981

No. A. 38019/I/E-I.—Shri S. N. Tripathi, officiating Deputy Director General of Meteorology, India Meteorological Department, retired from the Government service on 30-6-1981 on attaining the age of superannuation.

K. MUKHERJEE,
Meteorologist (Establishment)
for Director General of Meteorology.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION.

New Delhi, the 14th August 1981

No. A. 38013/1/81-EA.—Shri L. C. Chandwani, Assistant Aerodrome Officer, Juhu Airport, Bombay, Office of the Aerodrome Officer, retired from Government services on the 30-6-1981 AN on attaining the age of superannuation.

No. A. 38013/1/81-EA.—Shri P. C. Louis, Aerodrome Officer, Office of the Regional Director, Madras Region, Madras retired from Government services on the 30-6-1981 AN on attaining the age of superannuation.

No. A. 38013/1/81-EA.—Shri N. N. Nair Senior Aerodrome Officer, Office of the Regional Director, Madras Region, Madras retired from Government services on the 30-6-1981 AN on attaining the age of superannuation.

No. A. 38013/1/81-EA.—Shri S. S. Ibrahim Aerodrome Officer, Office of the Regional Director, Madras Region, Madras retired from Government services on the 30-6-1981 AN on attaining the age of superannuation.

No. A. 38013/1/81-EA.—Shri J. Prince Deputy Director, Office of the Regional Director, Madras Region, Madras retired from Government services on the 30-6-1981 AN on attaining the age of superannuation.

S. GUPTA,
Deputy Director of Admin.

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Nagpur, the 15th June 1981

No. 8/81.—Shri G. N. Hingwe, Superintendent of Central Excise, Group-B of this Collectorate having attained the age of superannuation retired from Government service w.e.f. the afternoon of the 31st May, 1981.

K. SANKARARAMAN,
Collector

Baroda, the 13th May 1981

No. 6/81.—Shri M. S. Gupte, Superintendent Group 'B' (Audit) Hdqrs., Baroda retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 30-4-81.

The 18th August 1981

No. 7/81.—Shri H. M. Mir, Assistant Collector of Central Excise, Group 'A' Surat Division-II retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 30-6-81.

No. 8/81.—Shri S. N. Barot, Superintendent of Central Excise, Group 'B' Board Division-I, retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 31-7-81

No. 9/81.—Shri N. M. Nanavati, Chief Accounts Officer (Expenditure) of Central Excise, Group 'A' Baroda retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 31-7-1981.

No. 10/81.—Shri H. D. Teckchandani, Examiner of Central Excise, Gorup 'B' (Audit: Branch) Hdqrs. Baroda retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 31-7-1981.

J. M. VERMA,
Collector of Central Excise.
Baroda.

Patna, the 22nd August 1981

No. II(7) 2-ET/79/7685.—The following Confirmed/Officiating Superintendent, Group 'B' of this Collectorate have retired from service on superannuation with effect from the dates indicated against each :—

S. No.	Name of Office	Designation	Date of superannuation
1.	Shri S. Moulik	Supdt. Gr 'B'	31-3-81 (A.N.)
2.	Shri S. K Prasad	Supdt. Gr 'B'	30-4-81 (A.N.)
3.	Shri R. A. Tiwary	Supt. Gr 'B'	31-5-81 (A.N.)
4.	Shri S. N. A. Haque	Supdt. Gr. 'B'	30-6-81 (A.N.)

K. K. SRIVASTAVA
Assistant Collector (Hqrs)
For. Collector

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT
CUSTOM & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 18th August 1981

No. 11/81.—Shri R. N. Lal, Superintendent of Central Excise Group 'B' in the Central Excise Collectorate Meerut on transfer to the North Regional Unit of the Directorate of Inspection and Audit, Customs & Central Excise at Ghaziabad vide Directorate Order C. No. 1041/2/81 dated 30-6-81, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'B' on 25-7-81 (A.N.).

K. J. RAMAN,
Director of Inspection

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT
DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1, the 1st August 1981
(MERCHANT SHIPPING)

No. 615)CRA/77.—The Director General of Shipping, Bombay appoints Shri H. Shithung, Asstt. Director, Seamen's Employment Office Calcutta as Dy. Shipping Master, Calcutta with effect from forenoon of the 26-6-1981 and until further orders.

K. S. SIDHU,
Deputy Director General of Shipping
for Director General of Shipping.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 22nd August 1981

No. A-19012/749/79-Estt.V.—In supersession of this Commission Notification No. A-32014/1/77-Adm.V(Vol.II) dated 31/7/78, on the recommendations of the Departmental Promotion Committee, Chairman, Central Water Commission

approves that Shri Kailash Chander, Supervisor may be deemed to have been promoted to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on regular basis in an officiating capacity with effect from 30-6-1978.

2. As Shri Kailash Chander was deputation to Chukha Hydel Project in terms of the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. No. F. 2(10)-E.III/70, dated 17-10-70, his deemed date of promotion has been fixed as 30-6-78 on the analogy of "Next Below Rules".

A. BHATTACHARYA,
Under Secretary,
Central Water Commission.

NORTHERN RAILWAY
HEADQUARTERS OFFICE

New Delhi, the 21st August 1981

No. 25.—Shri Y. T. Rehani, officiating Assistant Civil Engineer (Class II) of Northern Railway is confirmed with effect from 2-11-1973 in Class II service as Assistant Civil Engineer on this railway w.e.f. 2-11-1973.

DILRAJ SINGH,
General Manager

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL,

Bombay-400020, the 20th August 1981

ORDER

No. F. 48-Ad(AT)/81(1).—Shri Naranjan Dass, offg. Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches who was permitted to continue to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi on *ad hoc* basis in a temporary capacity for a period from 17-4-81 to 6-7-81 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/80, dated 9th April, 1981 is reverted to his original post of Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi with effect from the afternoon of 16th June, 1981.

No. F. 48-Ad(AT)81.—Shri Naranjan Dass, offg. Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi on *ad hoc* basis in a temporary capacity for the period from the 13th July, 1981 to 31-12-1981 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is *ad hoc* and will not bestow upon Shri Naranjan Dass, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on *ad hoc* basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA,
President

FORM ITNS

(1) A. R. Palaniswamy
Anantharamakrishnan
Palladam Kaspa.

(Transferor)

(2) P. Samiappan,
V. Natarajan,
48/8, Ramanathapuram,
Tiruppur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th August 1981

Ref. No. 11269.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. 602/2, 624/2, situated at
Krishna Ginning Factory, Naranapuram

(and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palladam (Doc. 1941/80) on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 602/2, 624/2, Krishna Ginning Factory, Naranapuram. (Doc. 1941/80).
8-12-1980.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-8-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 11th August 1981

Ref. No. 15864.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28, VI Main Road, RA puram situated at Madras-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 2198/80) on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) K. G. Ramamurthy Iyer
R. Rajagopalan
R. Sriraman,
28, VI Main Road, Raja Annamalaiptram,
Madras-600028.
(Transferor)
(2) M. L. Balakrishnan
M. L. Santhanagopalakrishnan
M. L. Sivaramakrishnan
M. L. Viswanathan
4, Lakshmiapuram, Tennur High Road,
Trichy-17.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at No. 28, 6th Main Road, Madras-28. (Doc. 2198/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-8-81
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(2) Baime-Quram,
1, Damodar St.,
Madras-600086.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) President Janab Ahmed
Mohamed Sait Sahib
Akbar Mohamed Ibrahim
B. S. Azeemi
No. 1, Damodaran St., Madras-86.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 14th August 1981

Ref. No. 15846.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 13, Rutland Gate St., situated at Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at North Madras (Doc. 5141/80) on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at No. 13, Rutland Gate St., Madras-6.
(Doc. 5141/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 14-8-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 11th August 1981

Ref. No. 15865.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing No.

28, 6th Main Road, situated at Madras-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 2197/80) on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) K. G. Ramamurthy Iyer,
R. Rajagopalan,
R. Sriraman
28, VI Main Road, Madras-28.

(Transferor)

(2) M. K. Raman,
M. R. Venkatachalam,
No. 4 Lakshmiapuram, Tennur High Road,
Trichy-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 28, VI Main Road Madras-28.
(Doc. 2197/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 11-8-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 11th August 1981

Ref. No. 11245.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 307, Erode situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Erode (Doc. 5013/80) on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Marappa Gounder
Shanmugasundaram
Narayana Valasu, Erode.

(Transferor)

(2) P. Savithri
60R, Surampatti Road, Erode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land in S. No. 307 Erode. (Doc. 5013/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-8-81

Seal :

FORM ITNS

(1) T.P.S.M. Mohammed Hussain,
 T.P.S.M. Khader Mohideen,
 T.P.S.M. Fakkir Mohideen,
 6, Abbey Pathar St., Dindivanam.

(Transferor)

(2) Radhakrishnan,
 28, Mylam Road, Dindivanam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II,
 MADRAS-600006**

Madras-600006, the 12th August 1981

Ref. No. 9252.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

66, 66A, Mariamman Koil situated at St. Dindivanam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dindivanam (Doc. 2488/80) on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 66, 66A, Mariamman Koil St., Dindivanam. (Doc. 2488/80)

RADHA BALAKRISHNAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 16—236 GJ/81

Date : 12-8-81
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th August 1981

Ref. No. 9237.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 78 A1/A2, Office Road, Alangudi, Pudukkottai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudukkottai (Doc. 3898/80) on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) S. Natarajan
Secretary
Central Co-op. Bank,
Pudukkottai.

(Transferor)

(2) S. Thomas Udayar
S/o Chandiyagu Udayar,
Gandhi Road, Alangudi,
Pudukkottai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 78 A1/A2, Office Road, Alangudi, Pudukkottai. (Doc. 3898/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-8-81.

Seal :

FORM ITNS

(1) Chinnammal W/o Muthuswamy Gr.
Manickampalayam, Peria Semur,
Erode.

(Transferor)

(2) Saraswathy W/o K. Nallamuthu
K. Nallamuthu S/o Kasiyana Gr.
K. Kolandaswamy S/o Karuppана Gr.
S. Ramaswamy S/o Chinnamalai Gr.
Rangaswamy S/o Kozhandaswamy,
Manickampalayam, Peria Semur,
Erode.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006**

Madras-600006, the 12th August 1981

Ref. No. 11237.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 317/2A, Peria Semur situated at (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Erode (Doc. 4834/80) on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 217/2A, Erode Peria Semur. (Doc. 4834/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 12-8-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006**

Madras-600006, the 12th August 1981

Ref. No. 11237.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 317/2A, Peria Semur situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Erode (Doc. 4833/80 on December 1980)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Chinnammal w/o Muthuswamy Gr.
Manickampalayam, Peria Semur Village,
Erode Tk. (Transferor)

(2) Saraswathy
K. Nallamuthu
K. Kolandaswamy
S. Ramaswamy
Rangaswamy
Peria Semur Village, Erode. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land S. No. 317/2A Peria Semur Erode, (Doc. 4833/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-8-81
Seal :

FORM ITNS

(1) President, Palace Administration Board,
Tripunithura, Kerala.
(Transferor)

(2) J. Raman, J. Ravi, J. Sureshbabu
S/o Late T. K. Joghee Gowder Aravenu,
Kotagiri Nilgiris Dt.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th August 1981

Ref. No. 15842.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S No 89, 90, 157, 160, 161
situated at Coonoor

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer North Madras (Doc. 5163/80) on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 89, 90, 157, 160 and 161 coonoor. (Cod. 5163/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 18-2-81
Seal :

FORM ITNS

(1) P. K. Pattabiraman,
39, Kamdarnagar, Madras-34.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Edida Jayalakshmi
34, II Main Road, Trustpuram,
Madras-24.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006**

Madras-600006, the 12th August 1981

Ref No 16108.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

13, Kamdarnagar, situated Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 2073/80) on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 13, Kamdarnagar, Madras-34 (Doc. 2073/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 12-8-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM LT.N.S.—

(1) Nalluswamy
S/o Ramaswamy Pillai,
Chettupattai, Vannarapet,
Trichy.

(Transferor)

(2) R. M. Manivkam
S/o R. M. Ramaswamy Chettiar
75, Jail Road, Palakkai
Trichy.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th August 1981

Ref. No. 9200.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey 66/2, situated at Puthur (Doc. 8032/80) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. 7032/80) on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 66/2 Puthur. (Doc. 7032/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date : 18-2-81
e

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th August 1981

Ref. No. 15996—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Devala Gudalur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gudalur (Doc. 1454/80 on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Parakkot Mohammadunni Haji
Karangadan Kaddejaumma,
Parakkot Saidalu Haji
Kottammal Thanuparakkal Pathumma
Parakkot Munamud Abdul Salam
Nottuthodi Rukkiya
Chakkiri Sainaba
Pathutara Ayishakutty
Nottuthodi Muhammad
Edathanattukara Village,
Palghat Dt. Kerala.

(Transferor)

(2) V. J. George
Geeyengec Timbers Kalloor
Mukunthapuram Tk Trichur Dt. Kerala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHFDULF

Land at Devala Village, Gudalur Tk. (Doc. 1454/80).

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 12-8-81
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Hazara Singh S/o S. Krishan Singh R/o V. Kukar Majra, P.O. Gobindgarh, Distt. Patiala.
(Transferor)

(2) M/s Gopala Gases Private Limited,
38 Rajinder Park, New Delhi through
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 17 August 1981

Ref. No. AMI/104/80-81.—Whereas, I SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Land measuring 2 bighas situated at V. Kukar Majra, S. Teh. Amloh, Distt. Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Amloh in December, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in this Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferee to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land 2 bighas at V. Kukar Majra, S. Teh. Amloh, Distt. Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No. 1883 of Dec. 80 of the Registering Authority, Amloh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 17-8-1981

Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
17—236 GI/81

FORM ITNS

(1) Shri Hazara Singh S/o Sh. Kishna R/o V. Kukar Majra, P.O. Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala.
(Transferor)

(2) M/s Gopala Gases Private Limited,
38 Rajinder Park, New Delhi through
Sh. Ramesh Bhatia, Director.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.**

**ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 17 August 1981

Ref. No. AML/108/80/-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Land measuring 2 bighas situated at V. Kukar Majra, S. Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Amloh in December, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land 2 bighas at V. Kukar Majra, S. Teh. Amloh, Distt. Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No. 1883 of Dec. 80 of the Registering Authority, Amloh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-8-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Nath Singh S/o Shri Arjan Singh R/o
V. Chuhan Majra, Teh. Rajpura.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Darshan Singh S/o Sh. Hardam Singh R/o
Waljan Wali, Teh. Phool, Distt. Bhatinda now
at House No. 518, Phase-III-B-I, Mohali.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 17 August 1981

Ref. No. KHR/38/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. House No. 518 situated at Phase-III-B-I, Mohali, Distt. Roop Nagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Kharar in December, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 518, Phase-III-B-I, Mohali, Distt. Roop Nagar,
(The property as mentioned in the sale deed No. 4654 of Dec. 80 of the Registering Authority at Kharar)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Ludhiana

Date : 17-8-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 17 August 1981

Ref No. LDH/341/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot measuring 1829 Sq. yds. situated at Habowal Kalan Teh & Distt. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Sh. Karnail Singh, Jaspal Singh, Gurdial Singh ss/o Sh. Sardara Singh r/o Villi. Talwandi Raika S. Teh. Raikot Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Sh. Romesh Chand s/o Krishan Chand & Surinder Kumar and Vinod Kumar and Subhash Chander ss/o Sh. Harbans Lal r/o Madhopuri Kucha No. 2, Ludhiana.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 1829 Sq. yds. situated in Habowal Kalan Teh. & Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered deed No. 4865 of December, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 17-8-1981

Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 17 August 1981

Ref. No. CHD/301/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. 229, Sector 21-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Hari Ram Sabharwal s/o Sh. Jagan Nath Sabharwal r/o 69, Kirti Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Gurdas Singh s/o Sh. Sadha Singh r/o 229, Sector 21-A, Chandigarh.
(Transferee)
- (3) Sh. Ram Charan
Sh. Gurdial Singh
r/o H. No. 229, Sector 21-A, Chandigarh.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. No. 229 situated in Sector 21-A, Chandigarh
(The property as mentioned in the Registered deed No. 1727 of December, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 17 August 1981

Ref. No. CHD/302/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential House No. 1637 Sector 7-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Smt. Om Vati Verma w/o Sh. Dharam Dev Verma
2. Sh. Ramesh Kumar Verma)
3. Sh. Yogesh Verma)
4. Naresh Kumar Verma)
 ss/o Sh. Dharam Dev Verma
 all r/o H. No. 1637, Sector 7-C, Chandigarh.
Now r/o SCF No. 12, Sector 19-C, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) 1. Smt. Harbhajan Kaur Bassi w/o Sh. Harbhajan Singh Bassi
2. Mrs. Manjit Kaur Bassi w/o Sh. Hindraj Singh Bassi
3. Mrs. Taj Kaur Bassi w/o Sh. Hardit Singh Bassi
4. Sh. Hardit Singh Bassi s/o Sh. Harnam Singh Bassi
 r/o H. No. 210, Sector 19-A, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now r/o 1637, Sector 19-C, Chandigarh.
Residential House No. 1637 situated in Sector 7-C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered deed No. 1737 of December, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 17-8-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Mohinder Singh S/o Sh. Sewa Singh, R/o 2420, Sector 19-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Daljit Singh S/o Sh. Gian Singh, R/o 1017, Sector 21-C, Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 17 August 1981

Ref No. KHR/36/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1191 situated at Phase 7, Mohali, Distt. Roop Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in December, 80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 1191, Phase V, Mohali, Distt. Roop Nagar
(The property as mentioned in the sale deed No. 4588 of Dec. 80 of the Registering Authority, Kharar)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-8-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 17th August 1981

Ref. No. KHR/34/80-81.—Whereas I SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 06, situated at Phase-I, Mohali, Distt. Roopnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Arjan Singh S/o Sh. Tara Singh,
R/o Kothi No 222, Sector 16A,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Kamlesh Chander Gupta
S/o Sh. Fateh Chand,
R/o 100, Sector 28A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C6, Phase-I, Mohali, Distt. Roop Nagar,
(The property as mentioned in the sale deed No. 4514 of December 1980 of the Registering Authority, Kharar)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 17th August 1981

Ref. No. CHD/288/80-81.—Whereas I SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 55,000/- and bearing

No. Plot No. 1142 situated at Sector 34C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Lt. Col. (Miss) R. C. James D/o Sh. G. U. James through his attorney Sh. Amarjit Singh R/o 669, Sector 33B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Balbir Singh Sohal S/o Dr. Inder Singh Sohal, R/o 1142, Sector 34C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 1142, Sector 34C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1691 of Dec. 80 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-8-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
18—236 GI|81

FORM ITNS

(1) Lt-Col. Krishan Mohan Nanda through his general power of attorney Sh. A. S. Prashar,
S/o Sh. P. Satyapal,
R/o 72, Sec. 118, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri M. L. Goyal S/o Sh. M. R. Goyal
R/o House No. 248, Sec. 35A,
Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 17th August 1981

Ref. No. CHD/297/80-81.—Whereas I SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Half share in plot No. 1530 situated at Sector 36D, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer.....

Chandigarh in December, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have in the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Half share in Plot No. 1530, Sec. 36D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1720 of December 80 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-8-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 17th August 1981

Ref. No. CHD/303/80-81.—Whereas I SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 369B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing,

No. Half share in Plot No. 1530 situated at Sector 36D, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Lt. Col. Krishan Mohan Nanda through his general power of attorney Sh. A. S. Prashar
S/o Sh. P. Satyapal,
R/o 724, Sector 11B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Saraswati Goyal
W/o Shri M. L. Goyal
R/o 248, Sec. 35A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in Plot No. 1530, Sector 36D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1738 of Dec. 80 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Ex. Sub. Kailash Chander Sharma
S/o Sh. Dina Nath Sharma
C/o Dev Samaj Bhawan, Sec. 36-B, Chandigarh.
(Transferor)

(2) Sh. Dinesh Kumar Gupta
s/o Sh. Baru Mal Gupta
r/o H. No. 3155, Sec. 28-D, Chandigarh.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 17th August 1981

Ref. No. CHD/293/80-81.—Whereas I SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1241, Sector 33-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in 12/80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 1241, situated in Sector 33-C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the registered deed No. 1706 of December, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Jaspal Kaur Ghuman W/o Sh. Tarlok Singh Ghuman through Shri Gurcharan Singh C/o Sh. B. S. Ghuman, Bikram Hotel, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Bhal Singh Malik,

2. Master Ajay Malik,

3. Sanjay Malik

4. Ashok Malik

ss/o Shri Bhal Singh Malik and

5. Smt. Saroj Malik W/o Bhal Singh Malik,

all residents of House No. 72, Sec. 5, Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 17th August 1981

Ref. No. CHD/291/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 2/3rd portion of House No. 705, situated at Sector 8B, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

2/3rd portion of House No. 705, Sec. 8B, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1702 of December, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-8-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 17th August 1981

Ref No CHD/296/80 81—Whereas I SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Plot No 5, Transport Area Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Gaunda Mal Chanan Lal of Kalka through Partner
 1 Sh Bharat Bhushan s/o Sh Des Raj
 2 Smt Madhu Singal w/o Sh Joginder Kumar
 3 Sh Sanjay Singal s/o Sh Brij Bhushan Singal
 4 Smt Kanchan Singal w/o Sh Rajiv Singal
 5 Sh Rakesh Aggarwal s/o Sh Kuldeep Paikash
 6 Sh Naveen Kumar s/o Sh Beni Parshad all r/o 3, Indl area Chandigarh through their General Attorney Sh. Kishori Lal s/o Sh Paras Ram of Kalka

(Transferor)

(2) 1 Sh Bachan Singh s/o Sh Narata Singh,
 2 Sh Avtar Singh s/o Mehar Singh,
 3 Sh Jodh Singh s/o Sh Ishar Singh,
 4 Sh Charan Singh s/o Sh Hakam Singh,
 5 Sh Darshan Singh s/o Sh Mal Singh,
 6 Sh Baldev Singh c/o Sh Jai Singh,
 7 Sh Tahal Singh s/o Sh Fateh Singh all c/o 5 Transport Area, Chandigarh

(Transferee)

(3) 1 M/s Roop Goods Transport
 2 Sh R K Gupta
 3 M/s Associated Road Carriers (Pvt) Ltd all r/o Plot No 5, Transport Area Chandigarh

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 5, Transport Area Chandigarh

(The property as mentioned in the Registered deed No 1718, of 12/80 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-8-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 17th August 1981

Ref. No. CHD/289/80-81.—Whereas I SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the (said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 3880, Sector 32, Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Sardar Singh s/o Sh. Ramjee Dass Sethi r/o V. & PO. Dhanaura Teh. & Distt. Ambala. (Transferor)
- (2) (i) Sh. Lachman Dass s/o Sh. Partap Chand
 (ii) Sh. Sat Pal
 (iii) Sh. Shubh Dass
 (iv) Sh. Bharpoor Chand ss/o Sh. Lachman Dass all r/o H. No. 3157, Sector 21-D, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 3880, situated in Sector 32, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 1693 of December, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-8-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 17th August 1981

Ref. No. DBS/62/80-81.—Whereas I SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 2 K 12 Marlas with Kothi situated at V. Lohgarh, Stch. Dera Bassi, Distt. Patiala.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shivraj Singh S/o Sh. Jaswant Singh R/o Lohgarh now at House No. 1572, Sec. 33D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Darshan Singh S/o Sh. Gurbaksh Singh, House No. 838, Sector 16D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Kanals 12 Marlas (with Kothi) at V. Lohgarh, S. Tehsil Dera Bassi, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1281 of Dec. 80 of the Registering Authority, Dera Bassi).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jagdev Singh S/o Sh. Sucha Singh
R/o V. Lohgarh, S. Teh. Dera Bassi now at House
No. 1564, Sector 33D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Daishan Singh S/o Sh. Gurbaksh Singh,
R/o House No. 838, Sector 16D,
Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 17th August 1981

Ref. No. DBS/63/80-81.—Whereas I SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

Land 2 kanals 12 marlas with Kothi situated at V. Lohgarh, S. Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in December, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land 2 Kanals 12 Marlas with Kothi at V. Lohgarh, S. Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 282 of Dec. 80 of the Registering Authority, Dera Bassi).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
19—236GI/81

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-8-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 17th August 1981

Ref. No. CHD/292/80-81.—Whereas I SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 3254, Sector 35-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Jaswant Singh Chhina c/o H. No. 3206, Sector 31-D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Sheilla Dogra w/o Sh. M. L. Dogra, r/o H. No. 1641, Sector 22-B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 3254 situated in Sector 35-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 1704 of Dec. 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-8-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 17th August 1981

Ref. No. CHD/299/80-81.—Whereas I SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 3319, situated at Sector 32D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Prem Gurnani S/o Sh. Mohan Dass through his attorney Sh. Gian Chand Khurana S/o Sh. Bodh Raj, R/o 3031, Sector 15D, Chandigarh. (Transferor)
(2) Mrs. Sudarshana Devi Mahajan W/o Sh. Muni Lal Mahajan & Sh. Muni Lal Mahajan S/o Sh. Faqir Chand R/o 2124, Sector 35C, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3319, Sector 32D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1722 of Dec. 80 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri H. B. Singh S/o Sh. Achhra Singh,
G. 14, Narain Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Harjinder Singh S/o Harbhajan Singh,
R/o 3371, Sector 27D, Chandigarh.

(Transfece)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 17th August 1981

Ref. No. KHR/32/80-81.—Whereas I SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 924, situated at Phase-IV, Mohali, Distt. Roopnagar

(as more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Kharar in December, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 924, Phase-IV, Mohali, Distt. Roopnagar.
(The property as mentioned in the sale deed No. 4475 of December, 1980 of the Registering Authority, Kharar).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana
Date : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gulab Singh S/o Sh Devi Dass,
R/o V Saungati, Pargana Chhavrigati,
Teh & Distt Simla

(Transferor)

(2) 1 Sh Nigam Singh S/o Dila Ram, Chohan Bldg
Sangauli, Simla
2 Sh Suresh Kumar S/o Sh Bhagat Ram
R/o Galeha, Teh Kotkhai,
3 Sh Harnam Singh S/o Sh Nand Lal
R/o Mutti Teh Kumarsain
4 Sh Satender Chohan S/o Shri Gian Singh
R/o Mulli Teh Kotkhai
5 Sh Amolak Singh S/o Sh Valagi Ram
R/o Kian Teh Kot Khai
6 Sh Mahendra Chohan sons of Shri
7 Surinder Chohan, Jit Singh
8 Balbir Chohan R/o V Mulli
9 Sh Jaginder Chohan & Teh Kotkhai
10 Rajinder Chohan Distt Simla

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana the 17th August 1981

Ref No SML/25/80 81 — Whereas I SUKHDEV CHAND
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition
Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-
and bearing

No Land measuring 2 bighas 2 biswas situated at V Saungati
Pargana Chhavri Gati Teh & Distt Simla
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Simla in December, 1980
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income Tax Act 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 2 bighas 2 biswas at V Saungati, Pargana
Chhavrigati, Teh & Distt Simla

(The property as mentioned in the sale deed No 1082 of
December 1980 of the Registering Authority Simla)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date 17-8-1981
Seal

FORM ITNS

(1) Shri A. P. Banda, Senior Divisional Manager,
L.I.C. of India, Sector 17, Chandigarh.
(Transferor)

(2) Smt. Joginder Kaur W/o Shri Gurdev Singh &
Smt. Jagdev Kaur W/o Sh. Tarlok Singh,
R/o 2239, Sec. 22C, Chandigarh.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 17th August 1981

Ref. No KHR/35/80-81.—Whereas I SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 673C, situated at Phase-II Mohali, Distt. Roop Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Kharar in December, 1980. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 673C, Phase-II, Mohali, Distt. Roop Nagar.
(The property as mentioned in the sale deed No. 4576 of Dec. 80 of the Registering Authority Kharar).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Basalingavva W/o Shivashankar Balekundri,
R/o No. 1704, Ramadevgalli, Belgaum.
(Transferor)

(2) 1. Shri Appasaheb P. Gotadaki,
2. Smt. Vijayamala A. Gotadaki,
R/o No. 486, Sherigalli, Belgaum.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 3rd July 1981

Ref. No. 340/81-82.—Whereas, I, DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,

being the competent authority under Section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. RS. No. 57/1, Plot No. 774 situated at Angol, Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum under document number 3510 on 16-2-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3510 dated 16-2-1981]

Open land measuring 859.94 Sqm, bearing RS. No. 57/1 Plot No. 774 situated behind Gogate College of Commerce, Angol, Belgaum.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-7-1981.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Visrama Sirarama Sinai Khandeparkar,
H. No. 124, Khandepar Goa.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Antonio Menino Pacheo,
C/o Sri Caitana Silvena,
Gannem Bardora, Ponda, Goa.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 2nd July 1981

Ref No. 341/81-82.—Whereas, I, DR. V. N. LALITH-KUMAR RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Matriz No. 447, New Survey No. 23/1 situated at Ponda—Panaji Road, Ponda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ponda under document number 55 on 19-2-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 55 Dated 19-2-1981)

Land measuring 7600 Sqm. (excluding the area occupied by nullah and roads which is 100 Sqm.) known as "Metado do Predio Tocximo" or "Goneca Conda Betu Nqique" or "Madda Voril Bageta" enrolled in Matriz No. 447 and new Survey No. 23/1, situated at Ponda-Panajim Road, Ponda, Goa.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 2-7-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 3rd July 1981

Ref. No. 342/81-82.—Whereas, I, DR. V. N. LALITH-KUMAR RAO,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 179/9 (New) situated at Condolium, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mapusa under document number 108 on 23-1-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—
20—236GI/81

1. (1) Shri Justino Lawrence Tome das Neves Amaral alias Tome das Neves Amaral, R/o Caranzalem, Ilhas, Tisvaddi.
 (2) Kum. Vilma Amelia Amaral D/o Justino das Neves Amaral, R/o Caranzalem, Ilhas.
 (3) Shri Walter Carmel Basil Amaral S/o Justino Amaral, Acting through Shri Justino Amaral.
 (4) Smt. Liberata Aleluia Virginia Victoria de souza, R/o Ana Vaddo, Candalim.
 (5) Shri Bernard Francis de Souza, R/o Bandra, Bombay-50.
 (6) Shri Antonia Visitaeao Pinto e Rodrigues, R/o Ana Vaddo, Candalim.
 (7) Shri Denise Edward Pinto, R/o Bandra, Bombay-50.

(Transferor)

2. Smt. Sativati Jaidev Sangodkar, R/o Candalim, Bardez.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 108, dated 23-1-1981)

Land and building known as 'Dempeacheon bata' or "Ganga Matiol" surveyed under No. 179/9, situated at Candalim, Goa.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Dated : 3-7-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 3rd July 1981

Notice No. 343/81-82.—Whereas, J. DR. V. N. LALITH-KUMAR RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 1 situated at Feira Alto Mapusa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Mapusa under document number 116 on 9-2-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) (1) Shri Servulo Britto.
(2) Smt. Aniceta Britto,
R/o Nerul, Ward Batier, Bardez, Goa.
(Transferor)
- (2) Shri Shankar Usno Bhobe,
R/o H. No. 5/229, Alto Mapusa, Bardez, Goa.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 116, Dated : 9-2-1981)
Flat No. 1 on the ground floor of the building known as "Belle View" situated at Feiro Alto Mapusa, Goa.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Dated : 3-7-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 3rd July 1981

Notice No. 344/81-82.—Whereas, I, DR. V. N. LALITH KUMAR RAO, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. CTS. No. 333-8/4 situated at Gondhaligalli, Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Belgaum under document number 3467 on 10-2-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) (1) Shri Gangadhar P. Munchadikar.
(2) Shri Krishna P. Munchadikar.
(3) Shri Shivaji P. Munchadikar.
R/o H. No. 333-8/A, Gondhaligalli, Belgaum.
(Transferor)

(2) (1) Shri Krishnamurthi L. Sutarave.
(2) Shri Vinayakumar L. Sutarave.
(3) Shri Chandrakant L. Sutarave.
R/o H. No. 333-8/A, Gondhaligalli, Belgaum.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3467, dated : 10-2-1981)
Land and building bearing CTS. No. 333-8/4 situated at Gondhaligalli, Belgaum.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Dated : 3-7-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 3rd July 1981

Notice No. 345/81-82.—Whereas, I, DR. V. N. LALITH KUMAR RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

Bungalow No. BC-59 on GLR No. 198 situated at Camp, Belgaum,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Belgaum under document number 3622 on 26-2-1981 from apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) (1) Smt. Vimalabai Veeragouda Desai.
- (2) Shri Lingouda Veeragouda Desai.
- (3) Smt. Vijaya Daulatagouda Patil.
- (4) Miss Nirmala Veeragouda Desai.
R/o H. No. 225, Tikkawadi, Belgaum.

(Transferors)

- (2) (1) Shri Kishore Purushottam Pradhan.
- (2) Smt. Rekha Kishore Pradhan.
- (3) Smt. Usha D. Desai.
- (4) Shri Prabhat D. Desai.
R/o. Nagzari Hill, Belgaum.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(Registered document number 3622, dated : 26-2-1981)
Land and bungalow No. BC-59 on GLR No. 198 with outhouses, compound etc., situated at Camp (Cantonment) Belgaum.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Dated : 3-7-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri B. N. Harsha, S/o late B. N. Narappa Mandipet, Davanagere.
(Transferor)

(2) Shri B. N. Rajashekhar S/o late B. N. Narappa, Mandipet, Davanagere.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX**

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 3rd July 1981

Notice No. 346/81-82.—Whereas, I,
DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Door No. 599/1 to 5 situated at 5th Ward, KB Extension, Davanagere

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Davanagere under document number 5820 on 5-2-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 5820 dated 5-2-1981]
Land and building bearing Door No. 599/1 to 5 situated at 5th Ward, KB Extension, Davanagere.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Dated : 3-7-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri B. N. Rajashekhar, S/o late B. N. Narappa, Mandipet, Davanagere.
 (Transferor)

(2) Shri B. N. Harsha S/o, late B. N. Narappa, Mandipet, Davanagere.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 3rd July 1981

Notice No. 347/81-82.—Whereas, I,
DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Door No. 206(old) present No. 251 situated at 4th Ward, Chamarajpet, Davanagere
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Office at Davanagere under document number 5820 on 5-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 5820 dated 5-2-1981]
 Land and building bearing Door No. 206 (Old) present No. 251 situated at 4th Ward, Chamarajpet, Davanagere.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bangalore.

Dated : 3-7-1981
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shri B. N. Muniyappa S/o late B. N. Narappa,
Jayachamarajnagar, Hubli.
(Transferor)

(2) Shri B. N. Harsha, S/o late B. N. Narappa, Mandipet, Davanagere.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 9th July 1981

Notice No. 348/81-82.—Whereas, I, DR. V. N. LALITHKUMAR RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 599/1 to 5 and 1107 (part) situated at K. B. Extension, Davanagere (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Davanagere under document number 5819 on 5-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bewteen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 5819 dated 5-2-1981]
Land and building bearing Door No. 599/1 to 5 and godown bearing door No. 1107 (Part) situated at V Ward, KB Extension and Regulated market area, Davanagere respectively.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore,

Dated : 9-7-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri B. N. Harsha, S/o B. N. Narappa, Mandipet,
Davanagere. (Transferor)
(2) Shri B. N. Muniyappa S/o late B. N. Narappa,
Jayachamarajnagar, Hubli. (Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA:

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**
ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 2th July 1981

Notice No. 349/81-82.—Whereas, I,
DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. CTS No. 4595, situated at 1st Ward, Shri
Jayachamarajnagar, Hubli
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering
Office at Davanagere under document number 3819 on
5.2.1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 5819 dated 5-2-1981]
Land and building bearing CTS. No. 4595 situated at
1st Ward, Shri Jayachamarajnagar, Hubli.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Dated : 9-7-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001**

Bangalore, the 25th July 1981

Notice No. 350/81-82.—Whereas, I,
DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. S.N. 125/Sub. Division 1 to 15 situated at Varca,
Taluka Salcete, Goa.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering
Office at Margao (Goa) Document No. 358/80-81 on
26-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (1) (1) Shri Damodar Naik
(2) Smt. Leelavati Damodar Naik
both residing at Comba, Margao (Goa).
(Transferor)
- (2) M/s. West Const. Hotels Limited, Rep. Bq. its
Director Sri. Vasantiao S. Dempo, Dempo House,
Campal, Panaji (Goa).
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 358/80-81 dated 26-12-1980]
Plot of land with an area of 65,000.00 sq.m detached
from the property known as "coconut Grove, First Second
and Third Lancos de Praias, situated at Varca Gram Panchayat,
Salcete Taluka & District of Goa under survey No.
125/1 to 15.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
21—236GI/81

Dated : 25-7-81
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gyan Prakash Saxena.

(Transferor)

(2) Smt. Kamni Rastogi.

(Transferees)

(3) Shri Gyan Prakash Saxena.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW.

Lucknow, the 17th August 1981

G.I.R. No. K-103/Acq —Whereas, I,
A. S. BISEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 281 situated at Chandralok Housing Colony, Kursi Road, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 26-12-1980 on 26-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land No. 281 measuring 3840 sq. ft. situate at Chandralok Colony, Kursi Road, village-Sheikhpur and Tatarpur, Pargana-Tehsil and Distt. Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 7804 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow on 26-12-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Vishni Devi Nigam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW.

Lucknow, the 17th August 1981

G.I.R. No. M-125/Acq.—Whereas, I,
 A. S. BISEN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
 and bearing
 No. 50/40, situated at Jai Narain Road, Husainganj,
 Lucknow
 (and more fully described in the schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the Office of the Registering Officer
 at Lucknow on 5-12-1980
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid which is less than the fair
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceed, the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of trans-
 fer with the object of:—

(2) Smt. Meena Jaiswal.

(Transferee)

(3) Tenants : (1) Shri M. B. Asthana,

(2) Shri M. R. Tewari,

(3) Shri L. Prasad,

(4) Shri Shital Prasad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
 able property within 45 days from the date of
 the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 50/40, situate at Jai Narain Road, Husainganj, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 7265 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 5-12-1980.

A. S. BISEN,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
 (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons
 namely :—

Dated : 17-8-1981
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sharda Prasad Kesarwani. (Transferor)
 (2) Shri Rajendra Prasad Rastogi. (Transferee)
 (3) Above transferor.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG,
 LUCKNOW.

Lucknow, the 17th August 1981

G.I.R. No. R-157/Acq.—Whereas, I,
 A. S. BISEN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. 92/88-B situated at Beruni Khandak (Gautam Budh Marg), Lucknow
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 24-12-1980
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
 (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 92/88-B, situate at Beruni Khandak (Gautam Budh Marg), Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 7698 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 24-12-1980.

A. S. BISEN,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 17-8-1981
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Dr. Udhistar Deo Sharma S/o Shri Surya Narain Ji Sharma Niwasi Sokyo Ka Rasta, Kishanpole Bazar, Chokari Topkhana Desh, Jaipur.
(Transferor)

(2) Shri Naresh Kumar Godhwani S/o Shri Khiyal Das, 97, Kanwar Nagar, Jaipur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th August 1981

Ref. No. IAC/Acq./1027.—Whereas, I,
M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Khasra No. 293, 294 situated at Jaipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 6-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1007 sq yard situated at Village Vijay Mahal Dushadera Kothi Tch. & Distt. Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide his registration No. 110 dated 6-1-81.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Dated : 17-8-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th August 1981

Ref. No. IAC/Acq./1032.—Whereas, I,
M. L. CHAUHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No. A-48B situated at Jaipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering
Officer at Jaipur on 20-1-1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the effect of :—

(1) Shri Amar Singh Rathore S/o Sadul Singh Ji
G.P.A. holder Smt. Ramiji Devi Chauhan W/o
Shri S. K. Chauhan Niwas Gali No. 6, Raja Park,
Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Prakash Devi Dugad W/o Nirmal Kumar
Dugad, Niwas Kundigar Ke Bhenro Ka Rasta,
Jaipur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. A-48 B, Moti Doongari Scheme, Shanti Path,
Jaipur measuring 722.20 sq. yd. & more fully described in
the sale deed registered by S.R., Jaipur vide his registration
No. 228 dated 20-1-81.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Dated : 17-8-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Kant Bhatiya S/o Roop Chand through G.P.A.
Shri Roopchand Bhatiya, Udaipur.
(Transferor)

(2) Shri Ved Prakash S/o Late Shri Karamchand
Vadhwani C/o Prakash Time Industries, 19 Out
of Suajpole, Udaipur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th August 1981

Ref. No. IAC/Acq./1028.—Whereas, I,
M. L. CHAUHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Udaipur

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 31-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of Plot at Alkapuri, Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide his registration No. 4156 dated 31-12-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Dated : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kant Bhatiya S/o Roop Chand through
G.P.A. Shri Roop Chand Bhatiya, Udaipur.
(Transferor)

(2) Shri Om Prakash S/o Late Shri Karamchand
Vadhani C/o Prakash Time Industries, 19 Out of
Surajpole, Udaipur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 17th August 1981

Ref. No. IAC/Acq./1029.—Whereas, I,
M. L. CHAUHAN,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Part of Plot situated at Udaipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering
Officer at Udaipur on 6-1-1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of Plot at Alkapuri, Udaipur & more fully described
in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide his registration
No. 21 dated 6-1-81.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Dated : 17-8-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the Act, to the following
persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th August 1981

Ref. No. IAC/Acq./1030—Whereas, I,
M. L. CHAUHAN,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot of land situated at Udaipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 3-1-1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object :—

(1) Shri Shrikant Bhatiya S/o Roop Chand C/o G.P.A.
Shri Roop Chand Bhatiya, Udaipur.

(Transferor)

(2) Shri Chandra Prakash S/o Late Shri Karamchand Vadhani C/o Prakash Time Industries, 19, Suraj Pole Bazar, Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of Plot at Alka Puri, Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S R., Udaipur vide his registration No. 1 dated 3-1-81.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

23—236GI/81

Dated : 17-8-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th August 1981

Ref. No. IAC/Acq./1025.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding in the Office of the Registering Officer at Naya Nagar (Beawar) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Beawar on 3-12-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Hazari S/o Dhanna Ji Rawat, Bhag Singh, Laxman Singh sons of Kaluji, Dhapu Devi Wd/o Kalu Ji Rawat, Niwasi Sigadiya Teh. Beawar.
(Transferor)

(2) Shri Dinesh Ghandra S/o Manak Chand Ji Kata-riya, Pipaliya Bazar Beawar & Mahavir Chand S/o Mangalchand Gandhi Niwasi Sojat Road Post Soat Distt. Pali.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 5 Bigha 5 Biswa 10 Biswansi situated at Naya Nagar, Beawar & more fully described in the sale deed registered by S.R., Beawar vide his registration No 3689 dated 3-12-1980.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Dated : 17-8-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th August 1981

Ref. No. IAC/Acq./1024.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land situated at Beawar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Beawar on 9-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) (1) Shri Hazari Lal S/o Shri Dhanna Singh,
- (2) Shri Mugu Singh, S/o Shri Kalu and Laxman Singh S/o Shri Kalu Singh,
- (3) Smt. Dhapu Devi W/o Shri Kalu Rawat R/o Singhariya Teh. Beawar.

(Transferors)

- (2) (1) Shri Manak Chand S/o Shri Mishri Lal Katariya R/o Mahavir Bazar, Beawar and
- (2) Shri Shanti Lal S/o Shri Mangal Chand Gandhi R/o Sojat Road, Distt. Pali.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 3 Bigha 18 Biswas 3 Biswansi and more fully described in the sale deed registered by S.R., Beawar *vide* his registration No. 3815 dated 9-12-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 17-8-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Kanhiya Lal Sharma S/o Suraj Karan Ji Sharma
R/o Nehru Nagar, Beawar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th August 1981

Ref. No. IAC/Acq./1022.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Uaya Nagar (Beawar)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Beawar on 10-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) M/s. Mahavir Colonizers, Beawar through its Partners Shri Paras Mal S/o Padam Singh Medatwal and Rameshwarlal S/o Shri Dhulchandji Bhootada, R/o Beawar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land measuring 6 Bigha 5 Biswa at Naya Nagar Teh. Beawar and more fully described in the sale deed registered by S.R., Beawar *vide* his registration No. 3838 dated 10-12-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 17-8-1981
Seal :

FORM 1TNS

(1) Shri Laxman Singh S/o Shri Lal Singh Ji Bhati,
Rajput R/o near Dada Bari, Beawar.
(Transferor)

(2)(1) Shri Banshi Lal S/o Shri Moolchand Ji,
(2) Smt. Premwati W/o Shri Banshi Lal Ji, Jati
Sunar, Sakin Gujran Mohalla, Beawar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th August 1981

Ref. No. IAC/Acq./1023.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land situated at Beawar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beawar on 9-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Naya Nagar and more fully described in the sale deed registered by S.R., Beawar v/dc his registration No. 3819 dated 9-12-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Deep Chand Pahadiya S/o Late Shri Loon Karan Pahadiya, B-Road, Sardarpura, Jodhpur.
(Transferor)

(2) Shri Prem Sukh S/o Shri Nath Mal Tank, Manager, Bank of Baroda, Sahara Distt Bhilwara.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th August 1981

Ref. No. IAC/Acq./1026.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Ladnu
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ladnu on 22-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property situated at southern side Khandeda, Ladnu and more fully described in the sale deed registered by S.R., Ladnu *vide* his registration No. 871 dated 22-12-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jas Raj alias Jaswant Singh S/o Shri Mani Ram Jati Jat Niwasi Ladhuwala Teh. and Distt. Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Chandra Gupta S/o Shri Vishambhar Dayal Jati Agarwal Niwasi 149, Vinoba Basti, Sriganganagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 17th August 1981

Ref. No. 1033.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 65A situated at Sriganganagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 31-12-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 65 A at Kotwali Road, Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by S.R., Sriganganagar v/e his registration No. 2699 dated 31-12-80.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bhim Raj S/o Shri Mani Ram Jati Jat Niwas
Ladhwala Teh. and Distt. Sriganganagar.
(Transferor)

(2) Shri Ishwar Chand Agarwal S/o Shri Kanwar Sen
Jati Agarwal Niwas 76 D, Block, Sriganganagar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th August 1981

Ref. No. 1034.—Whereas, J. M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 65B situated at Sriganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sriganganagar on 12-12-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 65B, at Gole Bazar, Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by S.R., Sriganganagar vide his registration No. 2368 dated 12-12-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Dated : 17-8-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th August 1981

Ref. No. 1037.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ganesh Talkies situated at Sriganganagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 8-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—236GI/81

(1) Shri Ram Kishan Behani S/o Laxminarain Behani Maheshwari Niwasi Hanumangarh C/o Anand Theater, Hanumangarh Jn.

(Transferor)

(2) Shri Gopi Ram Goyal Advocate S/o Shri Mangat Ram, House No. 1, Satyanarain Mandir, Sriganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Ganesh Talkies at Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by S.R., Sriganganagar vide his registration No. 2348 dated 8-12-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 17-8-81

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 17th August 1981

Ref. No. 1038.—Whereas, I, M. L CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Ganesh Talkies situated at Sriganganagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar 11-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ram Kishan Behani S/o Shri Laxminarain Behani Maheshwari Niwasi Hanumangarh C/o Shri Anand Theater, Hanumangarh Jn.
(Transferor)

(2) Shri Satish Chandra S/o Shri Gopiram Goyal House No. 1, Satyanarain Mandir, Sriganganagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

THE SCHEDULE

Part of Ganesh Talkies at Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by S.R., Sriganganagar vide his registration No. 2347 dated 11-12-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 17-8-81
Seal :

'Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th August 1981

Ref. No. IAC/Acq./1036.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ganesh Talkies situated at Sriganganagar, (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sriganganagar on 8-12-1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ram Kushan Behani S/o Laxminarain Behani Maheshwari Niwasi Hanumangarh C/o Anand Theater, Hanumangarh Jn.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Kumar Goyal S/o Shri Gopi Ram Goyal Niwasi House No. 1, Satyanarain Mandir, Sriganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of Ganesh Talkies at Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by S.R., Sriganganagar under his registration No. 2345 dated 8-12-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 17-8-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR**
Jaipur, the 17th August 1981

Ref. No. 1035.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ganesh Talkies situated at Sriganganagar, (and more full described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 6-12-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ram Kishan Behani S/o Shri Laxminarain Behani Maheshwari Niwasi Hanumangarh C/o Shri Anand Theater, Hanumangarh Jn.
(Transferor)

(2) Shri Radhe Shyam Goyal S/o Shri Gopi Ram Goyal Niwasi House No. 1, Satyanarain Mandir, Sriganganagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of Ganesh Talkies at Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by S.R., Sriganganagar vide his registration No. 2346 dated 6-12-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 17-8-81
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the means of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 11th August 1981

Ref. No. L.C. 528/8-82.—Whereas, I. T. Z. MANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Narakkal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narakkal on 18-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mrs. Resamma Johnson,
W/o Late Sri Johnson,
Jaya Nivas, Karakkat Road,
Karithala Desom,
Ernakulam.

(Transferor)

(2) (1) M/s Majestic Cinema, Narakkal (Rep. by
Mg. Partner Mrs. Fathima Ismail).

(2) Shaji Ismail

(3) M.I. Fisal

(4) M.I. Seena,

(Partners)

Mandath House, Alwayekora, Alwaye Pakuthy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

49.860 cents of land with a theater in Sy. No. 222 of Narakkal village.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 11-8-1981

Seal :

FORM ITNS(1) Sri France, S/o Joseph,
Balummel, Ernakulam.

(Transferor)

(2) M/s. Philomena Joseph & Sons,
Prakash Bhavan, Padith Road,
Ernakulam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAR, COCHIN

Cochin-682016, the 11st August 1981

Ref. No. L.C No. 529/81-82.—Whereas, I, T. Z. MANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ernakulam on 5-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

19.250 cents of land with building in Sy. No. 567 of Ernakulam Village.

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-8-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 11th August 1981

Ref. No. L.C. No. 530/81-82.—Whereas, I, T.Z. MANI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 22-12-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Shri Abdulkutty,
(2) Smt. Suhara
(3) Smt. Asua Umma, Alumkaparambu,
Thrikkanarvattem, Ernakulam.

(Transferors)

(2) Shri Kechouseph, S/o Thomas, Parappur, Chittilapilly, Trichur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

15.454 cents of land in Sy. No. 410/4 and 410/5 of Ernakulam Village.

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 11-8-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 11th August 1981

Ref. No. L.C. No. 531/81-82.—Whereas, I, T.Z. MANI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 22-12-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Muhammed Ali (2) Syed Muhammed and (3) Smt. Khadija, Alunkal parambu, Thrikkannarvattam, Ernakulam.
(Transferees)
- (2) Smt. Radhamani,
D/o M. K. Kesavan, Nellyat, Ezhupunna.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

12.890 cents of land in Sy. No. 410/4 and 410/5 of Ernakulam Village.

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 11-8-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 11st August 1981

Ref. No. L.C. No. 532/81-82.—Whereas, I, T.Z. MANI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Ernakulam and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 22-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) (1) Syed Muhamed (2) Abdul Azeez (3) Saramma, Alunkaparambu, Thrikkanavattam, Ernakulam.
(Transferor)

(2) (1) Sri Sankunny
(2) Shri Ramakrishnan
(3) Shri Pavithren
(4) Shri Lalen, S/o Shri Ayyappan, Veliyil House, Chalikkavattam, Cochin-25.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

18.016 cents of land with building in Sy. Nos. 410/4 & 410/5 of Ernakulam Village.

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
24—236GI/81

Date : 11-8-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS".
ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 11th August 1981

Ref. No. L.C. No. 533/81-82.—Whereas, I, T. Z. MANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 22-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Abdulkhader (2) Smt. Pathumma alias Kechupathumma, Alunkaparambu, Thrikkanarvattem, Ernakulam.

(Transferor)

(2) Smt. Achamma, D/o Shri Thomas, Parappur, Chittilappilly, Trichur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

11.590 cents of land in Sy. No. 410/4 and 410/5 of Ernakulam Village.

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-8-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri J. Daniel,
Welfare Clinic,
Palluruthy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 13th August 1981

Ref. L. C. No. 534/81-82.—Whereas, I, T. Z. MANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 20-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) (1) Shri N. Muraleedharan Nair,
(2) Smt. K. Hymavathy,
Advocates, Poornima,
Padiyath Road, Cochin-16.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

6.636 cents of land with a building in Sy. Nos. 2510/1&2, 2371/2 of Ernakulam Village.

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-8-1981

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAR, COCHIN-682016**

Cochin-682 016, the 19th August 1981

Ref. No. L.C. 535/81-82.—Whereas, I, T. Z. MANI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per scheduled situated at Trivandrum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trivandrum on 18-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Usha Dineshan, Usha Bhavan, Irshimangalam Ward, Pathirikari Muri, Trivandrum.

(Transferor)

(2) (1) Sri M. P. Lawrence,

(2) Smt. Amala Lawrence W/o M. P. Lawrence, TC. 12/1379, University Road, Kunnukuzhi, Trivandrum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

7½ Cents of land with building in Vanchiyoor Village.

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 19-8-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri N. P. Lalan,
S/Popatal Moolgi,
Opp : Royal Talkies,
Mattancherry.

(Transferor)

(2) Smt. V. C. Zuhara,
W/o Haji P. H. Mohammed Ibrahim,
Merchant, Bazar Road, Mattancherry.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAHBIL BLDGS",
ANAND BAZAR, COCHIN-682 016.

Cochin, the 19th August 1981

No. REF. L.C. 536/81-82.—Whereas I, T. Z. MANI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Mattancherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cochin on 12-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

12 cents of land with buildings in Sy. No. 28/1 & 9 in Mattancherry Village.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-8-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAR, COCHIN-682 016.

Cochin, the 19th August 1981

No. REF. L.C. 537/81-82.—Whereas I, T. Z. MANI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Mattancherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cochin on 12-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri N. P. Lalan,
 S/Popatil Moolgi,
 Opp : Royal Talkies,
 Mattancherry.

(Transferor)

(2) Sri Haji P. H. Mohammed Ibrahim,
 Merchant, Bazar Road,
 Mattancherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

9.430 cents of land in Sy. No. 28/1 etc. in Mattancherry Village.

T. Z. MANI
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Ernakulam

Date : 19-8-1981
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS.",
ANAND BAZAR, COCHIN-682 016.

Cochin, the 19th August 1981

No. REF. L.C. 538/81-82.—Whereas I, T. Z. MANI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Mattancherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cochin on 12-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri N. P. Lalan,
S/Popadal Moolgi,
Opp : Royal Talkies,
Mattancherry.

(Transferor)

(2) Smt. V. C. Zuhara,
W/o Haji P. H. Mohammed Ibrahim,
Merchant, Bazar Road, Mattancherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

8.770 cents of land in Sy. No. 28/1 etc. in Mattancherry Village.

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 19-8-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAR, COCHIN-682 016.**

Cochin, the 19th August 1981

No. REF. L.C. 539/81-82.—Whereas I, T. Z. MANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Mattancherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cochin on 12-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri N. P. Lalan,
S/Popatil Moolgi,
Opp : Royal Talkies,
Mattancherry.

(Transferor)

(2) Smt. V. C. Zuhara,
W/o Haji P. H. Mohammed Ibrahim,
Merchant, Bazar Road, Mattancherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

20.675 cents of land with building in Sy. No. 28/1 etc. in Mattancherry Village.

T. Z. MANI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 19-8-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2712.—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. as per schedule situated at Jaitu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Sanjay Pal & Mangat Pal
S/o Sh. Balak Singh resident of V. Jaitu,
Distt. Faridkot.
(Transferor)
- (2) Shri Sanjiv Kumar S/o Sh. Brij Lal
resident of V. Jaitu, Distt. Faridkot.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1125 of dated December, 1980 of the Registering Authority, Jaitu.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 18-8-81
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to following persons namely :—
25—236GI/81

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 169D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2713.—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jaitu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1980), in the office of the Registering Officer at Jaitu on Dec. 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Parshotam Kumar & Kashmir Singh
S/o Balaka Singh
R/O Village Jaitu Distt. Faridkot.
(Transferor)
- (2) Shri Rajesh Kumar S/o Sh. Brij Lal
R/o Village Jaitu Distt. Faridkot.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1126 of dated December, 80 of the Registering Authority, Jaitu.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 18-8-81
Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Balbir Kaur mother of
Sh. Baljinder Singh S/o Rajinder Singh
r/o Vill. Narinderpura, Tehsil Mansa,
Distt. Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Arminder Singh S/o Sh. Tejinder Singh
R/o Vill. Narinderpura, Tehsil Mansa,
Distt. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2715.—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated as V. Narinderapura, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(i) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons mentioned in registration sale deed No. 5889 of dated March, 81 of the Registering Authority, Mansa.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-8-81
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2716.—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated as V. Narinderapura, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shrimati Balbir Kaur mother of Sh. Baljinder Singh S/o Rajinder Singh r/o Vill. Narinderpur, Tehsil Mansa, Distt. Bhatinda. (Transferor)
- (2) Shri Gurprit Singh S/o Sh. Tejinder Singh R/o Vill. Narinderpur, Tehsil Mansa, Distt. Bhatinda. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDELE

Property & Persons mentioned in the registration sale deed No. 5890 of dated March, 81 of the Registering Authority, Mansa.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 18-8-81
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS —**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2717.—Whereas, I, **GIRDHAR**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Model Town Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Dec., 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Capt. Bhagat Ram S/o Shri Basant Ram, General Attorney of Smt. Maya Wanti Wife of Capt. Bhagat Ram, 98 Church Road, Jangpura, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Jagbir Singh S/o Sh. Kapur Singh R/o 573, Model Town, Jullundur now 34-35, New Market, Model Town, Jullundur. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 5665 of dated December, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jullundur

Date : 18-8-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2718.—Whereas, I,
R. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Model Town Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Capt. Bhagat Ram s/o Shri Basant Ram, General Attorney of Smt. Maya Wanti Wife of Capt. Bhagat Ram, 98 Church Road, Jangpura, New Delhi.

(2) Shri Harjeet Singh s/o Sh. Kapur Singh r/o 5/3, Model Town, Jullundur.

(3) As S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)

(4) Any other
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 5692 of dated December, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 18-8-81
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTIC'L UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMNT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th August 1981

Ref No A P No 2719—Whereas, I,
R. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

As per Schedule situated at Jullundur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on December 1980
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Hardev Singh s/o Sh Harkishan Singh self and Mukhtar-Ai Am of (1) Smt. Kuldip Kaur w/o Sh Harkishan Singh and (2) Smt Sushil Kaur Wife of Capt Charanjit Singh and (3) Smt Rajindar Kaur Wife of Sh Santokh Singh R/O Basti Bawa Khel, Jullundur,

(Transferor)

(2) Shrimati Sawan Jain w/o Sh Shripal, Naresh Jain s/o Sh Shripal, Chain Lal Jain s/o Sh Hans Raj, Pushpinder Kumar s/o Dr Sahib Dayal Jain, and Sh Sunil Kumar s/o Sh Padam Kumar, r/o 248, Lajpat Nagar, Jullundur

(Transferee)

*(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No 5586 of dated December, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 29C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 18-8-81

Seal :

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2720.—Whereas, I,
R. GIRDHAR,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Basti Sheikh, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Dec. 1980
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 ('27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Mail Kaur wife of Sh. Bakhshish Singh and Kehar Singh, Kabal Singh S/o Sh. Makhan Singh, of Basti Sheikh, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Smt. Gurbachan Kaur wife of Sh. Roshan Singh R/o W.S. 325, Basti Sheikh, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires/later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 5446 of dated December, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Dated : 18-8-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDERR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2721.—Whereas, I,
R. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at **Ladowali** (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

26—236GI/81

(1) Shri Sarbjit Singh S/o Col. Narain Singh R/O Vill. Ladowali, Tehsil Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Bachitter Singh S/o Sh. Behari Lal R/o House No. B-XII-172, Rajinder Nagar, Ladowali Road, Jullundur.

(Transferee)

*(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 5756 of dated December, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Dated : 18-8-81
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sarbjit Singh s/o Col. Narain Singh r/o
Vill. Ladhewali, Tehsil Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jaidev Singh s/o Shri Behari Lal r/o House No.
B-XII-172, Rajinder Nagar, Ladowali Road,
Jullundur.
(Transferee)

***(3) As S. No. 2 above.**

(Person in occupation of the property)

***(4) Any other person interested in the property.**

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2722.—Whereas, I,
R. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. As per schedule situated at Vill. Ladhewali
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Jullundur on December 1980
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by say of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale
deed No. 5992 of dated January, 1981 of the Registering
Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 18-8-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2723.—Whereas, I,
R. GIRDHAR,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Lidhran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

(1) Shri Kulbir Singh, Lakhbir Singh & Surinder Pal Singh S/o Sh. Uttam Singh R/o Vill. Kalyanpur Tehsil Jullundur through Muktiar-Ai-Am Sh. Uttam Singh.

(Transferor)

(2) Shri Gurdev Singh, Harminder Singh & Charan Singh S/o Sh. Jamiat Singh R/o Vill. Lidhran, Tehsil Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 5653 of dated December, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jullundur.

Dated : 18-8-81

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2724.—Whereas, I,
R. GIRDHAR,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing
 No. As per schedule situated at Barnala Kalan,
 (and more fully described in the schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the Officer of the Registering Officer
 at Nawan Shahar on Dec. 1980
 for an apparent consideration which is less than the
 reason to believe that the fair market value of the property
 fair market value of the aforesaid property and I have
 as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
 more than fifteen per cent of such apparent consideration
 and that the consideration for such transfer as agreed to
 between the parties has not been truly stated in the said
 instrument of transfer with the object of:—

- (1) Shri Guinder Singh S/o Sh. Ajit Singh R/o Vill. Barnala Kalan, Tehsil Nawan Shehr.
 (Transferor)
- (2) Shri Manjit Singh, Rajinder Singh & Parmjit Singh S/o Sh. Gureharan Singh, H. No. 81/1, Mohalla Gobind Garh, Nawan Shehr.
 (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & persons as mentioned in the registration sale deed No. 3177 of dated December, 1980 of the Registering Authority, Nawan Shehr.

R. GIRDHAR,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jullundur.

Dated : 18-8-81

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2725.—Whereas, I,
R. GIRDHAR,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.As per schedule situated at V. Jakpur Khurd
(and more fully described in the Schedule annexed hereto
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Shahkot on Dec. 1980for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—(1) M/S Gobind Rice & General Mills, Lohian
through : 1. Sh. Shangana Singh S/o Sh. Ujagar
Singh r/o Lohian, Khas. 2. Sh. Basant Singh S/o Sh.
Harnam Singh 3. Sh. Sadhu Singh S/o Sh. Harnam
Singh. 4. Sh. Karnail Singh S/o Sh. Harnam
Singh. 5. Sh. Pritam Singh S/o Sh. Bhagat Singh
r/o Sultan Pur 6. Sh. Parmjeet Singh S/o Sh.
Bachan Singh r/o Nawan Pind Donebla Teh.
Nakodar.

(Transferor)

(2) M/s New Sawan Rice & General Mills, Lohian,
Tehsil Nakodar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale
deed No. 1748 of December, 1980 of the Registering Authority,
Shahkot.R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Dated : 18-8-81

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2726.—Whereas, I,
R. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Phagwara
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on Dec. 1980
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Som Dutt Bhatara S/o Sh. Ram Saran Dass Mukhtiar-Ai-Am S/Shri Raj Kumar, Ashok Kumar S/o Sh. Ram Parkash R/o Central Town, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Surjeet Singh S/o Sh. Ujagar Singh R/o Central Town, Phagwara.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale Deed No. 2275 of dated December, 1980 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 18-8-81

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chamán Lal S/o Sh. Ram Chand Jain R/o ND-48, Mohalla Bikram Pura, Jullundur.
(Transferor)

(2) Sh. Jagdish Kumar S/o Sh. Kasturi Lal, Smt. Nirmal Kumar W/o Sh. Pajjan Kumar, Smt. Shanti Devi Jain W/o Sh. Kasturi Lal, Smt. Vinod Jain W/o Sh. Vinod Kumar, Smt. Kamla Jain W/o Sh. Sudershan Kumar Jain & Smt. Kiran Jain w/o Sh. Parmod Kumar R/o 403-404, Adarsh Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 5367 of dated December, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 18-8-81
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDLR SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2728.—Whereas, I,
R. GIRDHAR,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. As per schedule situated at Ajram
(and more fully described, in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hoshiarpur on Dec. 1980
for an apparent consideration which is less than fair market
value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Shri Amrik Singh, Balbir Singh S/o Sh. Naranjan Singh R/o Vill. Ajram Distt. Hoshiarpur.
(Transferor)
- (2) Shri Maluk Singh S/o Raghbir Singh r/o Ajram, Distt. Hoshiarpur.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale
Deed No. 3848 of December, 1980 of the Registering Authority,
Hoshiarpur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 18-8-81
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ujagar Singh S/o Sh Nand Singh, R/o G. T. Road, Phagwara
(Transferor)

(2) Shri Rochan Singh S/o Sh. Jaswant Singh R/o Jagraon Road, Ludhiana
(Transferee)

(3) As S No. 2 above
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A.P. No 2729—Whereas, I,
R. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on Dec 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale Deed No. 2343 of December, 1980 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date 18-8-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely.—
27—236GI/81

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2730.—Whereas, I,
R. GIRDHAR.
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. as per Scheduled situated at Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on Dec. 1980
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Barjinder Singh S/o Raja Harminder Singh, Mukhtiar-Ai-Am Smt. Usha Devi wife of Raja Harminder Singh r/o Kapurthala. (Transferor)
- (2) Shri Manohar Lal S/o Shri Tikan Ram, Smt. Thaker Devi W/o Shri Manohar Lal Yog Raj S/o Manohar Lal, Smt. Nanki Devi W/o Sh. Yog Raj Sh. Tilak Raj, S/o Sh. Manohar Lal, Smt. Nirmal Kani W/o Sh. Tilak Raj r/o House No. 315-316, Mohalla Qasaban, Kapurthala. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2772 of December, 1980 of the Registering Authority, Kapurthala.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Dated : 18-8-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2731.—Whereas, I,
R. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. As per schedule situated at Abohar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering
Officer at Abohar on Dec. 1980
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property, and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

- (1) Shri Jaswinder Singh, Harnek Singh S/o Sh. Balwant Singh, Smt. Joginder Kaur and Smt. Sharam Kaur Wd/o Sh. Balwant Singh and Sh. Gurteek Singh S/o Sh. Balwant Singh R/o Vill. Kala Tibi, Tehsil Fazilka.
(Transferor)
- (2) Smt. Kaushalya Devi W/o Sh. Hazari Lal R/o Gali No. 6, Mandi Abohar.
(Transferee)
- (3) As. S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reductions or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale
Deed No. 2741 of dated December, 1980 of the Registering
Authority, Abohar.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Dated : 18-8-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2732.—Whereas, I,
R. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on Dec. 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Gopal Chand S/o Sh. Ram Chand, R/o Gali Sunder Ashran, Fazilka. (Transferor)
- (2) Shri Faqir Chand, Rajinder Pal & Surinder Kumar S/o Sh. Des Raj Bansal, r/o Gali No. 21, Gau-shala Road, Abohar. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale Deed No. 2502 of December, 1980 of the Registering Authority, Abohar.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Dated : 18-8-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 20th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2733.—Whereas, I,

R. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Vill. Poonian, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawasehr on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Milkha Singh S/o Sh. Bawa Singh R/o Village Poonian Tehsil Nawam Shehr, Distt. Jullundur now Amberia Tobvabad Teh. Bilashpur (U.P.).
(Transferor)

(2) Shri Jaswinder Singh S/o Shri Amrik Singh R/o Village Bilga Tehsil Phillaur, Distt. Jullundur.
(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 3074 of dated December, 1980 of the Registering Authority, Nawam Shehr.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 20-8-1981

Seal :

FORM ITNS—

(1) Abdul Rahim Khan.

(Transferor)

(2) Shri Haradhan Dey.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
CALCUTTA

Calcutta, the 18th August 1981

Ref. No. 938/Acq.R-III/81-82.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

23 and 24 situated at Gobinda Banerjee Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 20-12-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 3 cottahs more or less together with tin and tiled shade old structure situated and being premises No. 23 and 24, Gobinda Banerjee Lane, Calcutta.

J. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-8-1981
Seal :